सेंसेक्स	82,380.69
निफ्टी	25,239.10
सोना	1,11,930
चांदी	1,34,000
डॉलर	88.02

बालाघाट एक्सप्रेस

हिन्दी दैनिक

बालाघाट
बुधवार 17 सितम्बर 2025
आश्विन कृष्ण 10 विक्रम सम्वत 2082
वर्ष 16, अंक 354
पृष्ठ 12
मूल्य ₹ 7.00

E-mail: balaghatexpress@gmail.com
/padmeshmedia /padmeshmedia
epaper.balaghatexpress.in

खास खबर

युवराज और उथप्पा को ईडी का समन

नई दिल्ली। प्रवर्तन निदेशालय ने पूर्व भारतीय क्रिकेटर युवराज सिंह और रॉबिन उथप्पा को पूछताछ के लिए तलब किया है। उथप्पा को 22 सितंबर और युवराज को 23 सितंबर को दिल्ली स्थित ईडी मुख्यालय में पेश होने के लिए कहा गया है। यह मामला ऑनलाइन सट्टेबाजी एप से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग केस से संबंधित है। उथप्पा फिलहाल एशिया कप 2025 की कमेंट्री टीम का हिस्सा हैं। दिल्ली में इस केस में अब तक चार पूर्व भारतीय क्रिकेटर तलब किए जा चुके हैं। इससे पहले, इस मामले में संघीय एजेंसी ने पूर्व भारतीय क्रिकेटर सुरेश रैना और शिखर धवन से भी पूछताछ की थी।

ऑनलाइन बेटिंग एप से जुड़े मामले में ईडी ने अभिनेता सोनू सूद को बुलाया

नई दिल्ली। ऑनलाइन बेटिंग एप से जुड़े मामले में अभिनेता सोनू सूद प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के निशाने पर आ गए हैं। ईडी ने उन्हें 24 सितंबर को दिल्ली में पेश होने का नोटिस भेजा है। आरोप है कि सोनू सूद ने एक इसतरह के ऑनलाइन प्लेटफॉर्म का प्रमोशन किया जो भारत में प्रतिबंधित है। ईडी के सूत्रों के अनुसार, अभिनेता सूद से पूछा जाएगा कि उन्होंने किस आधार पर प्लेटफॉर्म के साथ प्रमोशनल करार किया, क्या उन्हें इसकी कानूनी स्थिति की जानकारी थी और इसके बदले में उन्हें कितनी राशि का भुगतान हुआ।

सुप्रीम कोर्ट से अभय चौटाला को राहत

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को इंडियन नेशनल लोकदल (इनेलो) नेता अभय चौटाला को बड़ी राहत देते हुए उनके खिलाफ दायर एक सेवानिवृत्त आईपीएस अधिकारी की याचिका खारिज कर दी। सेवानिवृत्त आईपीएस अधिकारी ने पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय के उस आदेश को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी थी, जिसमें अभय चौटाला को 2008 में उनके खिलाफ दायर मानहानि के मामले में जारी समन रद्द कर दिया गया था। न्यायमूर्ति एम एम सुंदरेश और न्यायमूर्ति सतीश चंद्र शर्मा की पीठ ने कहा कि वह उच्च न्यायालय के आदेश में हस्तक्षेप करने के लिए इच्छुक नहीं है।

अहमदनगर रेलवे स्टेशन का नाम अहिल्यानगर हुआ

मुंबई। महाराष्ट्र सरकार ने अहमदनगर रेलवे स्टेशन का नाम अब आधिकारिक रूप से अहिल्यानगर रेलवे स्टेशन कर दिया है। यह बदलाव जारी नोटिफिकेशन के बाद हुआ, जिसे केंद्रीय गृह मंत्रालय ने मंजूरी दी। राज्य सरकार पहले ही अहमदनगर जिले का नाम बदलकर अहिल्यानगर जिला कर चुकी थी।

कुछ ना कहना

देहरादून में बादल फटा, मंदिर, दुकानों-घरों में मलबा घुसा

टोंस नदी में ट्रैक्टर बहने से 8 लोगों के मरने की खबर : मंडी में 3 की मौत

शिमला, देहरादून। उत्तराखंड के देहरादून में मंगलवार सुबह 5 बजे बादल फटा। इससे तमसा, कारलीगाड़, टोंस और सहस्त्रधारा नदी में जलस्तर बढ़ गया। सहस्त्रधारा समेत आसपास के इलाके तपोवन, आईटी पार्क, घंगोरा, घड़ी कैंट इलाकों में पानी भर गया। कई सड़कें बह गईं।

तमसा नदी के किनारे बने टपकेश्वर महादेव मंदिर में पानी भर गया। यहां मौजूद दुकानें बह गईं। 2 लोग लापता हैं। सहस्त्रधारा में 5 लोगों को बचाया गया। विकास नगर में टोंस नदी में पानी का बहाव अचानक तेज हो गया। इस दौरान मजदूरों से भरी एक ट्रैक्टर-ट्रॉली नदी में बह गई। इसमें 8 लोगों की मौत और 4 के लापता होने की खबर है।

एसडीआरएफ, एनडीआरएफ और स्थानीय प्रशासन की टीमें राहत और बचाव कार्य में जुटी हैं। टपकेश्वर महादेव मंदिर के पुजारी ने बताया कि सुबह 5 बजे नदी में बाढ़ आई, पूरा मंदिर डूब गया, कई मूर्तियां बह गईं। हालांकि, गर्भगृह सुरक्षित है। पानी उतरने पर मंदिर में 2 फीट मलबा दिखा।

उधर, हिमाचल के मंडी के धर्मपुर बस स्टैंड में भी रात में हुई बारिश के बाद मलबा भर गया। बाढ़ में कई बसें दूर तक बह गईं। राज्य में 3 नेशनल हाईवे बंद हैं। 493 सड़कों पर आवाजाही ठप है। मंडी के ही निहरी में लैंडस्लाइड के कारण 3 की मौत हो गई। पुलिस के मुताबिक, पास की एक चट्टान का मलबा एक घर पर गिर गया, जिससे वह ढह गया। इसमें एक ही परिवार के 5 लोग मलबे में दब गए।

देर रात करीब 11:30 बजे हुए इस हादसे में सहस्त्रधारा का कार्लिगाड़ क्षेत्र बुरी तरह प्रभावित हुआ। स्थानीय लोगों के अनुसार तेज बहाव के साथ आई मिट्टी और मलबे ने सात से आठ दुकानों को पूरी तरह बहा दिया, जबकि आसपास के कई होटल भी क्षतिग्रस्त हुए। इस हादसे में दो लोग लापता बताए जा रहे हैं। हालांकि अभी तक बड़े पैमाने पर जनहानि की पुष्टि नहीं हुई है। देहरादून में देरात मूसलाधार बारिश से जन जीवन अस्त व्यस्त हो गया है। नदी नाले ऊफान पर आ गए। कुछ इलाकों में घरों, दुकानों में बारिश जलभराव होने से लोग मुसीबत में हैं। कहीं-कहीं सड़कों पर पेड़ गिरने, मलबा आने से आवागमन बाधित हुआ है। उधर, मालदेवता में सौंग नदी ऊफान पर है। कुछ रिसॉर्ट, होटलों में मलबा और पानी घुस गया है। भारी बारिश से उत्पन्न विकट हालातों को देखते हुए देहरादून डीएम ने जिले के सभी स्कूल और आंगनबाड़ी केंद्रों में छुट्टी की घोषणा की है। आज 12वीं तक स्कूल बंद हैं। साथ ही एसडीआरएफ और राहत टीमों को अलर्ट पर रखा गया है।

हादसे की जानकारी मिलते ही एसडीआरएफ और एनडीआरएफ की टीमें रात में ही मौके पर पहुंच गईं। प्रभावित इलाकों से लोगों को सुरक्षित स्थानों पर शिफ्ट किया गया। राहत और बचाव कार्य के लिए जेसीबी समेत भारी मशीनरी लगाई गई है। लापता लोगों की तलाश युद्धस्तर पर जारी है।

ग्राम प्रधान राकेश जावड़ी ने बताया कि कार्लिगाड़ में बादल फटने के बाद भारी मात्रा में मलबा नीचे बाजार में आ गया। इससे कई दुकानें और होटल ध्वस्त हो गए। फिलहाल प्रशासन ने प्रभावित क्षेत्र में एहतियात बरतने और लोगों को सुरक्षित स्थानों पर रहने की अपील की है।

बारिश से कई इलाकों में जल भराव

देहरादून में मोहनी रोड, पूरन बस्ती, बलबीर रोड, भगत सिंह कॉलोनी, संजय कॉलोनी आदि क्षेत्रों में घरों में पानी घुस गया है। आईटी पार्क के पास हाल ही बनी सड़क मलबा आने से टूट गई है। अधोईवाला, अपर राजीवनगर में बिजली का ट्रांसफार्मर बह गया। एक पुल के टूटने की भी सूचना है। नगर निगम के कंट्रोल रूप को विभिन्न क्षेत्रों में जलभराव की सूचना मिली है, टीमें राहत बचाव के लिए मौके पर रवाना हो गई हैं।

इंदौर सड़क हादसा

मुख्यमंत्री का सख्त रुख, दोषियों पर कारवाई और पीड़ितों के लिए तत्काल मदद का ऐलान

इंदौर। इंदौर में हुई दुखद सड़क दुर्घटना के बाद मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने घटना पर गहरा शोक व्यक्त किया। उन्होंने इस हादसे को बेहद विचलित करने वाला बताया और कहा कि वे स्वयं इस घटना से व्यथित हैं। रातभर की बेचैनी के बाद, उन्होंने अपने सभी कार्यक्रम रद्द किए और सीधे इंदौर पहुंचकर घायलों से मुलाकात की। मुख्यमंत्री ने अस्पतालों में जाकर घायलों का हालचाल जाना और बेहतर इलाज सुनिश्चित करने के लिए चिकित्सकों को निर्देश दिए।

पुलिस उपायुक्त यातायात हटाए गए, 8 अधिकारी-कर्मचारी निलंबित

राज्य सरकार ने इस घटना को अत्यंत गंभीरता से लिया है। मुख्यमंत्री के निर्देश पर, दोषियों के खिलाफ तत्काल और सख्त कार्रवाई की गई है। पुलिस उपायुक्त यातायात अरविंद तिवारी को उनके पद से हटाकर पुलिस मुख्यालय, भोपाल में अटैच कर दिया गया है। इसके अलावा, प्रथम दृष्टया दोषी पाए गए आठ पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों को निलंबित कर दिया गया है। इनमें सहायक पुलिस आयुक्त सुदेश सिंह, प्रभारी एएसआई (बिजासन) प्रेम सिंह, सूबेदार प्रभारी (सुपर कोरिडोर) चन्द्रेश मरावी, निरीक्षक (सुपर कोरिडोर से एरोड्रम) दीपक यादव और ड्यूटी पर तैनात चार कांस्टेबल शामिल हैं।

पीड़ितों के लिए आर्थिक सहायता

मुख्यमंत्री ने मृतकों के परिजनों और घायलों के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए आर्थिक सहायता की घोषणा की। मृतकों के परिजनों को 4-4 लाख रुपये और घायलों को 1-1 लाख रुपये की आर्थिक मदद दी जाएगी। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि घायलों के इलाज का पूरा खर्च राज्य सरकार वहन करेगी।

इस घटना के बाद, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने जिला प्रशासन, पुलिस, संबंधित विभागों के अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों के साथ एक संयुक्त बैठक भी की। बैठक में उन्होंने भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए पुख्ता इंतजाम करने के निर्देश दिए। उन्होंने अतिरिक्त मुख्य सचिव (गृह) को घटना की विस्तृत जांच करने और अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत करने को कहा है।

कर्मचारी ने लंबे समय तक नौकरी की तो उसे करना होगा परमानेंट - हाईकोर्ट

स्वीकृत पद उपलब्ध नहीं होने पर भी स्थाई करने से नहीं कर सकते इनकार

मुंबई। बॉम्बे हाईकोर्ट ने कहा है कि अगर किसी नियोक्ता ने किसी कर्मचारी से लंबे समय तक सेवा ली है और पद स्वीकृत नहीं होने की वजह से उसकी नौकरी परमानेंट नहीं की है तो यह नहीं चलेगा बल्कि उसे हर हाल में स्थायी करना होगा। हाईकोर्ट ने अपने आदेश में कहा कि निरंतर सेवा की अपेक्षित अवधि पूरी कर चुके कर्मचारियों को केवल इस आधार पर स्थायी दर्जा देने से इनकार नहीं किया जा सकता कि स्वीकृत पद उपलब्ध नहीं हैं।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक हाई कोर्ट ने जोर देकर कहा कि अगर इस तरह से किसी नियोक्ता ने इनकार किया तो यह कर्मचारियों के निरंतर शोषण के समान होगा, जो कल्याणकारी कानूनों और सामाजिक न्याय के प्रावधानों के खिलाफ है। जस्टिस मिलिंद एन जाधव ने संजय गांधी राष्ट्रीय उद्यान में कार्यरत 22 वन मजदूरों की रिट याचिका पर यह फैसला सुनाया है।

ये मजदूर 2003 से ही संजय गांधी राष्ट्रीय उद्यान में वन्य जीवों की सेवा में चौकीदार, माली, रसोइया और पिंजरों की देखभाल जैसे पदों पर काम कर रहे थे। उनकी ड्यूटी जोखिम भरी थी क्योंकि उनके कामों में बाघों, शेरों और तेंदुओं को खाना खिलाना, दवाइयां देना, पिंजरों की सफाई करना और उद्यान में गश्त और आग पर नियंत्रण जैसे जोखिम वाले कार्य शामिल थे। हालांकि ये लोग पिछले 22 साल से वहां काम कर रहे थे इसके बावजूद औद्योगिक न्यायालय ने उनकी स्थायी नौकरी के दावे को इस आधार पर खारिज कर दिया था कि वहां कोई स्वीकृत पद नहीं है।

इस कोर्ट के फैसले के खिलाफ इन लोगों ने हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया। याचिकाकार्ताओं ने अपनी याचिका में तर्क दिया कि उन्होंने वन विभाग द्वारा बनाए गए उपस्थिति रजिस्टर में दर्ज हाजिरी के मुताबिक लगातार पाँच सालों तक हरेक कैलेंडर वर्ष में 240 दिनों की सेवा पूरी की है। रिपोर्ट के मुताबिक इन लोगों ने याचिका में 16 अक्टूबर 2012 के उस सरकारी प्रस्ताव का हवाला दिया था, जिसके अनुसार दैनिक वेतनभोगी कर्मचारियों को पांच सालों में 240 दिनों की सेवा पूरी करने पर स्थायी किए जाने का प्रावधान शामिल है।

राज्य ने इस दलील का विरोध करते हुए तर्क दिया कि याचिकाकर्ताओं की नियुक्ति अस्थायी कर्मचारी के तौर पर हुई थी, उन्हें किसी स्वीकृत पद या चयन प्रक्रिया के जरिए नियुक्त नहीं किया गया था और 2012 के प्रस्ताव के तहत सृजित 125 अतिरिक्त पद पहले ही भरे जा चुके हैं, लेकिन हाईकोर्ट ने ये दलील नहीं मानी और निचली अदालत के आदेश को खारिज करते हुए सभी 22 मजदूरों की नौकरी को स्थायी करने का आदेश दिया।

खजुराहो के वामन मंदिर में खंडित विष्णु मूर्ति बदलने की याचिका खारिज करते हुए सीजेआई बोले

जाओ, भगवान से ही कुछ करने को कहो

खजुराहो। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को खजुराहो के जवारी (वामन) मंदिर में भगवान विष्णु की 7 फीट ऊंची खंडित मूर्ति की बहाली की मांग वाली याचिका खारिज कर दी है। याचिकाकर्ता ने दावा किया कि यह मूर्ति मुगलों के आक्रमणों के दौरान खंडित हो गई थी और तब से यह इसी हालत में है। याचिकाकर्ता ने श्रद्धालुओं के पूजा करने के अधिकार की रक्षा करने और मंदिर की पवित्रता को पुनर्जीवित करने के लिए सर्वोच्च अदालत से हस्तक्षेप की मांग की। इस पर सीजेआई बीआर गवई ने कहा कि जाओ और देवता से खुद कुछ करने के लिए कहो। तुम कहते हो कि तुम भगवान विष्णु के कट्टर भक्त हो तो जाओ और प्रार्थना करो। यह एक पुरातात्विक स्थल है और एएसआई को अनुमति देनी होगी। माफ करना...।

वहीं, मामले में याचिकाकर्ता राकेश दलाल ने इस फैसले पर नाराजगी जताते हुए इसे अपनी धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने वाला बताया है। राकेश के मुताबिक, कोर्ट ने यह भी स्पष्ट किया कि प्रतिमा जिस स्थिति में है, उसी में रहेगी। भक्तों को पूजा करनी है तो वे दूसरे मंदिर जा सकते हैं।

बीजेपी सरकार होने के बावजूद यह स्थिति दुखद

याचिकाकर्ता राकेश दलाल ने बताया कि उन्होंने 13 जून को यह जनहित याचिका दायर की थी, जिसमें मुगलों के आक्रमण के दौरान खंडित हुई इस मूर्ति को बदलकर नई मूर्ति स्थापित करने की मांग की गई थी। सुप्रीम कोर्ट के फैसले पर उन्होंने निराशा जताई।

जीर्णोद्धार की मांग, जंतर-मंतर पर प्रदर्शन भी किया था

जवारी मंदिर के गर्भगृह में स्थापित भगवान विष्णु की 7 फीट ऊंची मूर्ति का सिर नहीं है। कई सामाजिक संगठनों और स्थानीय नागरिकों ने इसके जीर्णोद्धार की मांग उठाई है। राकेश दलाल ने इस मांग को लेकर दिल्ली के जंतर-मंतर पर प्रदर्शन भी किया था और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को ज्ञापन सौंपा था।

केंद्र सरकार को सुप्रीम कोर्ट की दो टूक

सुविधाएं नहीं दे सकते तो खत्म कर दें सभी ट्रिब्यूनल

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को केंद्र सरकार को कड़ी फटकार लगाते हुए कहा कि अगर सरकार ट्रिब्यूनल (अर्ध-न्यायिक निकाय) के सदस्यों को बुनियादी सुविधाएं नहीं दे सकती, तो इन सभी ट्रिब्यूनल को खत्म कर दिया जाए और उनके मामलों की सुनवाई हाई कोर्ट में कराई जाए। जस्टिस बीवी नागरत्ना और जस्टिस आर महादेवन की बेंच ने कहा कि हाई कोर्ट के सेवानिवृत्त जज पोस्ट-रिटायरमेंट ट्रिब्यूनल में नियुक्ति लेने से हिचकिचा रहे हैं क्योंकि उन्हें बुनियादी सुविधाएं तक नहीं मिलतीं।

सुनवाई के दौरान बेंच की टिप्पणी

इस दौरान बेंच ने कहा, ये जज या तो हाई कोर्ट के पूर्व चीफ जस्टिस होते हैं या सुप्रीम कोर्ट के पूर्व जज। उन्हें स्टेशनरी तक के लिए बार-बार अनुरोध करना पड़ता है। यहां तक कि जो कार उन्हें दी जाती है, वह विभाग की सबसे खराब होती है। आप इन पूर्व चीफ जस्टिस और जजों के साथ ऐसा व्यवहार क्यों कर रहे हैं? जब सुविधाएं ही नहीं दे सकते तो ऐसे ट्रिब्यूनल बनाने का क्या फायदा?

जनरल रिजर्वेशन में भी ई-आधार वेरिफिकेशन जरूरी

पहले 15 मिनट सिर्फ आधार ओटीपी से बुक कर सकेंगे टिकट, कालाबाजारी कम होगी

नई दिल्ली। इंडियन रेलवे 1 अक्टूबर से ऑनलाइन टिकट बुकिंग सिस्टम में बड़ा बदलाव करने जा रहा है। रेल मंत्रालय ने ऐलान किया है कि अब तत्काल टिकट की तरह ही जनरल रिजर्वेशन (सामान्य आरक्षण) टिकट की बुकिंग करते वक्त भी ई-आधार वेरिफिकेशन जरूरी होगा।

रेल मंत्रालय ने नोटिफिकेशन जारी कर इसकी जानकारी दी है। मंत्रालय के अनुसार आईआरसीटीसी वेबसाइट या एप पर जनरल रिजर्वेशन खुलने के पहले 15 मिनट में टिकट बुक करने के लिए आधार वेरिफिकेशन

जरूरी होगा। इससे फर्जी आईडी, एजेंट्स की टिकटों की कालाबाजारी और बॉट्स की बुकिंग पर लगाम लगेगी।

अगर आपका आईआरसीटीसी अकाउंट पहले से आधार से लिंक है, तो बुकिंग आसान रहेगी। वेटिंग कम होगी, और टिकट्स जल्दी कन्फर्म होंगे। रेलवे के कंप्यूटरीकृत पीआरएस काउंटरों पर जनरल रिजर्वेशन टिकट बुक करने का पुराना शेड्यूल वही रहेगा। साथ ही, रेलवे के अधिकृत टिकटिंग एजेंट्स के लिए पहले दिन टिकट बुकिंग पर 10 मिनट की पाबंदी बिना किसी बदलाव के जारी रहेगी।

सुप्रीम कोर्ट का अहम फैसला

महाराष्ट्र में 31 जनवरी 2026 तक स्थानीय निकाय चुनाव कराएं

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने महाराष्ट्र सरकार और राज्य चुनाव आयोग को 31 जनवरी, 2026 तक राज्य में स्थानीय निकाय चुनाव कराने का निर्देश दिया है। न्यायमूर्ति सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्या बागची की पीठ ने महाराष्ट्र के अधिकारियों को इस साल 10 अक्टूबर तक राज्य में परिसीमन प्रक्रिया पूरी करने का भी निर्देश दिया।

शीर्ष न्यायालय ने इस बात पर भी आपत्ति जताई कि 6 मई को जारी उसके तर्कसंगत आदेश के बावजूद राज्य चुनाव आयोग इस संबंध में शीघ्र कार्रवाई करने में विफल रहा। तत्कालीन आदेश में स्थानीय निकाय चुनावों की अधिसूचना चार सप्ताह के भीतर और चुनाव चार महीने के भीतर कराने का निर्देश दिया गया था। कोर्ट ने अब महाराष्ट्र में स्थानीय चुनाव कराने के लिए कार्यक्रम निर्धारित करते हुए समय सीमा में और विस्तार दे दिया है। कोर्ट ने यह भी स्पष्ट किया कि इस संबंध में आगे कोई विस्तार नहीं दिया जाएगा।

सरकार ने इंश्योरेंस कंपनियों पर दिखाई सख्ती, जीएसटी कटौती का फायदा ग्राहकों को देने दिए निर्देश

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने इंश्योरेंस कंपनियों पर सख्ती दिखाई है। सरकार ने जीएसटी का फायदा ग्राहकों को देने का निर्देश दिया है। सरकार ने इंश्योरेंस कंपनियों को निर्देश दिए हैं कि वे जीएसटी सुधारों का प्रचार करने और पॉलिसीधारकों तक लाभ पहुंचाने के लिए सक्रिय रूप से अभियान चलाएं। वित्त मंत्रालय के तहत आने वाले वित्तीय सेवा विभाग के सचिव एम नागराजू ने सरकारी और निजी क्षेत्र की इंश्योरेंस कंपनियों के शीर्ष अधिकारियों से बैठक की।

बैठक में सचिव ने जीएसटी सुधार के बारे में जानकारी दी। उन्होंने कहा कि इससे आम आदमी के लिए, इंश्योरेंस लेना किफायती हो जाएगा। वित्त मंत्रालय के बयान के मुताबिक इस कदम से इंश्योरेंस को ज्यादा सुलभ और लागत प्रभावी बनाने, वित्तीय सुरक्षा को मजबूत करने और देश भर में इंश्योरेंस की पहुंच बढ़ाने की उम्मीद है। यह बैठक जीएसटी परिषद द्वारा अपनी 56वीं बैठक में अनुमोदित हेल्थ और लाइफ इंश्योरेंस पॉलिसियों पर जीएसटी से छूट के अनुसरण में आयोजित की गई थी।

बैठक में सचिव ने कहा कि कर में कटौती का लाभ मौजूदा और संभावित पॉलिसीधारकों, दोनों को पूरी तरह से मिले। हेल्थ और लाइफ इंश्योरेंस को अब शून्य कर श्रेणी में डाल दिया गया है। पहले इन पर 18 फीसदी जीएसटी लगता था। रेटिंग एजेंसी रिपोर्ट के मुताबिक पॉलिसीधारकों को कम प्रीमियम का लाभ मिलेगा। हेल्थ इंश्योरेंस के प्रीमियम में कमी आएगी, यह वित्त वर्ष 2025 में उद्योग की सकल प्रत्यक्ष प्रीमियम आय का 16 फीसदी था। हालांकि अगर पूरा लाभ दिया जाता है, तो स्टैंडअलोन हेल्थ इंश्योरेंस कंपनियों के मुनाफे पर दबाव पड़ सकता है।

हेल्थ इंश्योरेंस प्रीमियम पर शून्य कर से मरीजों की सामर्थ्य और पहुंच में वृद्धि होने की उम्मीद है। जैसे-जैसे हेल्थ इंश्योरेंस की पहुंच में और सुधार होगा, इससे अस्पताल क्षेत्र को भी लाभ होगा। रिपोर्ट के मुताबिक दीर्घावधि में यह कदम स्वास्थ्य सेवा को अधिक समावेशी और किफायती बनाने के सरकार के दृष्टिकोण के अनुरूप है।

मतदाता पुनरीक्षण अभियान में सामने आई बड़ी गड़बड़ी, एक ही घर में 4271 मतदाता

लखनऊ। उप्र के महोबा में जैतपुर ग्राम पंचायत के एक ही घर के पते में 4271 मतदाताओं के नाम दर्ज मिले हैं। बड़ी गड़बड़ी सामने आई है। इससे पहले पनवाड़ी के भी एक घर के पते में 243 मतदाताओं के नाम सामने आए थे।

दरअसल, त्रिस्तरीय उत्तर प्रदेश पंचायत चुनाव को लेकर मतदाता सूची पुनरीक्षण अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में महोबा में जैतपुर के मकान नंबर 803 में 4271 मतदाताओं के नाम दर्ज मिले हैं। इसकी जानकारी

पर मकान मालिक भी दंग रह गए। बता दें, इस ग्राम पंचायत में कुल 16069 मतदाता हैं। अधिकारी इसे लिपिकीय त्रुटि बताकर समाधान कराने की बात कह रहे हैं।

पंचायत एवं नगरीय निकाय के सहायक जिला निर्वाचन अधिकारी आरपी विश्वकर्मा का कहना है कि ग्रामीण क्षेत्रों में आवास नंबर कारगर न होने के कारण यह समस्या हुई है। महोबा एडीएम कुंवर पंकज ने बताया कि पंचायत चुनाव के लिए मतदाता पुनरीक्षण अभियान चल रहा है। 2021 की सूची की जांच कराई जा रही है। एक ही मकान नंबर में कई लोगों के नाम दर्ज होना लिपिकीय त्रुटि है। पूर्व में लगाए गए बीएलओ की यह गलती है। इसका सुधार कराने का काम कराया जा रहा है। सूची में दर्ज नाम सही हैं। मकान नंबरों में गड़बड़ी हुई है।

जनसुनवाई में कलेक्टर ने सुनी आवेदकों की समस्या

116 आवेदक अपनी समस्या लेकर आए

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)।प्रत्येक मंगलवार को होने वाली जनसुनवाई की कड़ी में 16 सितम्बर को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में जनसुनवाई का आयोजन किया गया। कलेक्टर मृणाल मीना की अध्यक्षता में अपर कलेक्टर श्री जीएस धुर्वे ने अन्य विभागों के अधिकारियों के साथ आवेदकों की समस्याओं को सुना और संबंधित विभाग को उनका निराकरण करने के निर्देश दिये। जनसुनवाई में 116 आवेदक अपनी समस्या लेकर आए थे।

जनसुनवाई में किरनापुर तहसील के ग्राम चिखला का निवासी ऐंचलाल नगपुरे प्रधानमंत्री आवास योजना सूची में नाम न दर्शाए जाने की शिकायत लेकर आया था। ऐंचलाल नगपुरे का कहना था कि वह मजदूरी का काम करता है। जबकि ग्राम पंचायत चिखला के आवास प्लस सूची में उसका नाम 39वें नम्बर पर है। ऐंचलाल ने शीघ्र उसे प्रधानमंत्री आवास योजना अंतर्गत मकान निर्माण करने की स्वीकृति प्रदान करने की मांग की। इस पर कलेक्टर श्री मीना ने ऐंचलाल के प्रकरण की जांच करने के निर्देश दिए।

लांजी तहसील अंतर्गत ग्राम दिघोरी के दुर्गाप्रसाद मोतीलाल ठकरेले ब्रेन ट्यूमर के ऑपरेशन के पश्चात लगने वाले महंगे इंजेक्शन की व्यवस्था कराने की मांग लेकर आए थे। दुर्गाप्रसाद ने बताया कि वह ब्रेन ट्यूमर से ग्रसित है, जिसका उपचार रायपुर एम्स में हो चुका है, किंतु ऑपेरशन के पश्चात उसे 32 हजार रुपए के महंगे इंजेक्शन 03 वर्ष तक लगाना है। लेकिन गरीबी एवं कमजोर आर्थिक स्थिति के कारण वह यह राशि खर्च करने सक्षम नही है। इस पर कलेक्टर श्री मीना ने मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी को आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिए है।

बिरसा तहसील के ग्राम रेहंगी निवासी खेमूदास मागरे शिकायत लेकर आया था कि प्राकृतिक आपदा से मृत्यु के मामले में उसके कियोस्क खाते में 04 लाख रुपए की राशि आयी थी। उसके द्वारा इसमें से 02 लाख 73 हजार रुपए की राशि निकाल ली गई। इस राशि के निकालने के बाद उसके खाते में 02 लाख रुपए की राशि कम बतायी जा रही है। अत: उसके खाते में बैंक से यह राशि दिलायी जाए। इस पर अग्रणी बैंक प्रबंधक को प्रकरण की जांच कर कार्यवाही करने के निर्देश दिए गए। तिरोड़ी तहसील के ग्राम पौनिया के निवासी किरण जगने अपने बच्चों की शिक्षा और पालन पोषण के लिए सहायता राशि दिलाने की मांग लेकर आयी थी। किरण का कहना था कि उसके पति की 07 जुलाई 2025 को कैंसर के कारण मृत्यु हो गई है। उसकी 13 एवं 09 वर्ष की दो बेटियॉ है। वह मजदूरी कर अपना एवं बच्चों का पालन पोषण करती है। लेकिन उसका स्वास्थ्य भी ठीक नही रहता है। अत-उसे अपनी बेटियों की शिक्षा, दीक्षा एवं पालन पोषण के लिए सहायता राशि दी जाए। इस पर कलेक्टर श्री मीना ने उप संचालक सामाजिक न्याय को कार्यवाही करने के निर्देश दिए है।

किरनापुर की बालिका कुमारी शैफाली भिमटे अपनी दादी के उपचार के लिए मदद की गुहार लेकर आयी थी। शैफाली का कहना था कि उसके पिता की मृत्यु हो गई है। माता-पिता की मृत्यु के बाद दादी उसका एवं उसकी 02 और बहनों का पालन पोषण कर रही है। घर के सामने मोटरसाईकिल द्वारा दादी को ठोस मार देने से उनके पैर की हड्डी टूट गई है, जिसके उपचार में काफी खर्चा आ रहा है। हम तीनों बहने दादी के सहारे ही जीवनयापन कर रहे है। अत: दादी के उपचार के लिए आर्थिक सहायता दिलायी जाए। इस पर कलेक्टर श्री मीना ने मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी को आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिए है। बिरसा तहसील के ग्राम मोहगांव की सुरमिला धुर्वे शिकायत लेकर आयी थी कि उसका भारतीय स्टेट बैंक में बचत खाता है। इस खाते में जमा 60 हजार 700 रुपए की राशि कियोस्क संचालक गौरव मिश्रा द्वारा धोखाधड़ी कर उसकी अनुमति के बगैर निकाल ली गई है। राशि मांगने पर वह कल आना, एक सप्ताह में आना कहता है और 15 दिन में मकान बेचकर रुपए वापस करने की बात करता है। गौरव मिश्रा द्वारा उसे कहीं भी शिकायत करने से मना किया गया है। अत-उसके खाते से राशि निकालने वाले गौरव मिश्रा पर कार्यवाही की जाए। इस प्रकरण में अग्रणी बैंक प्रबंधक को आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिए गए है।

नगरीय क्षेत्र बालाघाट के वार्ड क्रमांक 05 सरेखा के निवासी राजू धूपे, राधेश्याम धूपे एवं राजेश धूपे शिकायत लेकर आए थे कि प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत मकान निर्माण के लिए उन्हें 60 हजार रुपए की पहली किश्त एवं 40 हजार रुपए की दूसरी किश्त प्राप्त हो गई है। तीसरी किश्त प्राप्त नही होने पर अपने रिश्तेदारों और परिचितों से उधार लेकर मकान का काम पूर्ण कर लिया गया है। जिसकी जियो टेगिंग हो चूकी है। लेकिन अब तक तीसरी किश्त प्राप्त नही हुई है। नगर पालिका बालाघाट के कर्मचारी के घर आकर आवास की पहली और दूसरी किश्त वापस करने के लिए परेशान कर रहे है। इस प्रकरण में मुख्य नगर पालिका अधिकारी को प्रकरण की जांच कर आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिए है।

तिरोड़ी तहसील के ग्राम हीरापुर की जसवंता बाई शिकायत लेकर आयी थी कि मत्स्य पालन विभाग द्वारा उसके खेत में तालाब का निर्माण वर्ष 2023 में किया गया है। लेकिन इस तालाब की राशि उसे अब तक नही मिली है। इस पर उपसंचालक मत्स्योद्योग को कार्यवाही करने के निर्देश दिए गए है। लालबर्रा तहसील के ग्राम खामघाट की तामेश्वरी बिसेन शिकायत लेकर आयी थी कि उसके पति अशोक बिसेन की 03 सितम्बर 2025 को कृषि कार्य के दौरान कुए में जहरीली गैस के कारण मृत्यु हो गई है। अत: उसे शासन के नियमों के अनुसार सहायता राशि दिलायी जाए। इस प्रकरण में एसडीएम वारासिवनी को कार्यवाही करने के निर्देश दिये गए है। जनपद पंचायत खैरलांजी के उपाध्यक्ष दुर्गाप्रसाद लिल्हारे शिकायत लेकर आए थे कि कृषि उपज मंडी किन्ही में 52 लाख 85 हजार रुपए की लागत से सीसी रोड एवं नाली का निर्माण किया जा रहा है। इस निमार्ण कार्य में भारी अनियमितता बरती जा रही है एवं गुणवत्ताविहीन काम किया जा रहा है। इस पर वारासिवनी एसडीएम को जांच करने के निर्देश दिये गए है।

वार्ड नं. 06 कोसमी बालाघाट निवासी आनंद भारद्वाज शिकायत लेकर आया था कि उसके द्वारा रायसिंग एंड कंपनी में साइट इंजीनियर के पद पर कार्य किया गया है, लेकिन कंपनी द्वारा उसका 11 माह का 02 लाख 75 हजार रुपए का मानदेय रोक लिया गया है और अब कंपनी द्वारा इस राशि को देने में आना-कानी की जा रही है। अत: उसे कंपनी से यह राशि दिलायी जाए। इस प्रकरण में श्रम अधिकारी को कार्यवाही करने के निर्देश दिए गए है।

जनसुनवाई में लालबर्रा विकासखंड के अंतर्गत हायर सेकेंडरी स्कूल खमरियॉ के छात्र छात्राए विद्यालय की शिक्षिका श्रीमती भारती बिसेन को शाला से हटाने की मांग लेकर आए थे। छात्र छात्राओं का कहना था कि श्रीमती भारती बिसेन 40 मिनट के कालखंड में मात्र 15 से 20 मिनट पढ़ाती है। 10 दिन का पाठ्यक्रम केवल 04 दिन में खत्म कर देती है और उनका पढ़ाया किसी को समझ में नही आता। वह छात्र छात्राओं को बेवजह डाटती रहती है और प्रेक्टिकल में कम नंबर देने की धमकी देती है। उनके द्वारा शाला स्टॉफ में भी झगड़ा किया जाता है जिसके कारण शाला में अशांति बनी रहती है। इस शिक्षिका को हटाने के लिए 2017 एवं 2021 में भी मांग की गई थी। उनके कारण शाला के बच्चों का भविष्य खराब हो रहा है। इस पर कलेक्टर श्री मीना ने जिला शिक्षा अधिकारी को प्रकरण की जांच कर आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिए है।

लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह का 17 सितम्बर को अगासी आगमन

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। मध्यप्रदेश शासन के लोक निर्माण मंत्री श्री राकेश सिंह का 17 सितम्बर को कटंगी तहसील के ग्राम अगासी में आगमन होने जा रहा है। मंत्री श्री सिंह 17 सितम्बर को छिंदवाड़ा में आयोजित कार्यक्रम में शामिल होने के बाद दोपहर 03 बजे चौरई से प्रस्थान करेंगे और अपरान्ह 04-45 बजे अगासी पहुचेंगे। अगासी में डॉ. आनंद राय पारधी के निवास पर भेंट करने के बाद वे शाम 05 बजे अगासी से कटंगी सिवनी होते हुए जबलपुर के लिए प्रस्थान करेंगे व रात के 09 बजे जबलपुर पहुंचेंगे।

तिरोड़ी मॉयल का बजा डंका
परख क्वालिटी सर्कल टीम ने जीते 09 पुरूस्कार

कटंगी(पद्मेश न्यूज)। क्वालिटी सर्कल फोरम ऑफ इंडिया द्वारा नागपुर के रामदेव बाबा विश्वविद्यालय के डिजीटल टॉवर में आयोजित गुणवत्ता अवधारणाओं के अध्याय सम्मेलन 2025 में तिरोड़ी मायॅल की परख क्वालिटी सर्कल टीम ने फिर अपनी प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया है. सर्कल टीम को प्रतिष्ठित 09 पुरूस्कार मिले है. अध्याय सम्मलेन में मायॅल क्षेत्र के 37 विभिन्न संस्थानों से 140 टीमों ने हिस्सा लिया था. जहां विभिन्न श्रेणियों में परख क्वालिटी ने प्रतिष्ठित 9 पुरस्कार जीते. दिनेश कन्नौज ने जानकारी देते हुए बताया कि परख क्वालिटी सर्कल ने अपनी केस स्टडी प्रस्तुतिकरण में सुपर गोल्ड मेडल अवार्ड के साथ ही नागपुर अध्याय में पहली बार शुरू किए गए सर्वोत्तम दृश्य प्रभाव का भी प्रथम पुरस्कार जीता. मॉयल लिमिटेड की उत्तम सहभागिता और क्वालिटी सर्कल के प्रति चेतना विकास की दिशा में किए गए कार्य के लिए सर्वश्रेष्ठ प्रचार पुरस्कार और हरित उत्कृष्टता पुरस्कार प्राप्त हुआ. इसके अतिरिक्त व्यक्तिगत प्रतियोगिताओं में श्रेष्ठ क्यूसी पोस्टर में दिनेश कनोजे को पहला और ईश्वर सैनिक को तीसरा पुरस्कार प्राप्त हुआ. क्यूसी आधारित कविता प्रतियोगिता में आनंद बागड़े को पहला, हुबलाल जेठूमल को दूसरा समीर शुक्ला, दिनेश कनोजे और शुभम राऊत को तीसरा पुरस्कार प्राप्त हुआ. उल्लेखनीय है कि इस परख क्वालिटी सर्कल टीम ने विगत वर्ष अंतरराष्ट्रीय क्वालिटी सर्कल सम्मेलन कोलंबो श्रीलंका में गोल्ड मेडल अवार्ड भी जीता था. परख क्वालिटी सर्कल टीम की सफलता में दिशानिर्देश यु.एस.भाटी संयुक्त महाप्रबंधक अभिकर्ता समूह एक, मनीष ढोके कोऑर्डिनेटर खान प्रबंधक का भी सहयोग रहा. उन्होंने परख क्वालिटी सर्कल टीम को बधाईयां दी है।

विज्ञप्ति

सर्व साधारण को एतद द्वारा सूचित किया जाता है की मेरे पक्षकारगण (वादीगण) राजकुमार मर्सकाले व अन्य व बनस लाल मर्सकोले जाति गोंड के द्वारा सिविल कोर्ट बालाघाट में उनके कब्जे की भूमियाँ जो की ग्राम पंचेरा पटवारी हल्का नं 11 तह.व जिला बालाघाट में स्थित है जिनका खसरा नं. क्रमश: खसरा न.141 में से0.91हे., 143/2 में से 0.64,142 में से 1.86 एवम 0.08, 156/2 में से रकबा 0.97 कुल रकबा 3.52 है. बनसलाल के द्वारा क्रमश - खसरा नं 141 में से 2.67 , 156/1 रकबा 3.23 कुल रकबा 7.03 हे. उक्त भूमियो का चकबन्दी के बाद नया खसरा नम्बर 31/1 एवम 31/2 हो गया है का मामला माननीय न्यायालय श्रीमान व्यवहार न्यायाधीश (कनिष्ट खण्ड) बालाघाट के न्यायालय में विचाराधीन है मेरे पक्षकार गण को विश्वनीय सूत्रों से जानकारी प्राप्त हुई है की प्रकरण के प्रतिवादी गण मो. युनुस मृत की ओर से वारसान नफीस खान, नासिर खान नइम खान, नदीम खान उक्त भूमियो को चोरी-छुपे विक्रय करना चाह रहे है जबकि प्रकरण न्यायालय में विचाराधीन है अत - इस प्रकाशन के माध्यम से सर्व साधारण को सूचित किया जाता है की उपरोक्त भूमियो के सम्बन्ध में किसी भी प्रकार का लेन देन या संव्यवहार न करे यदि आप ऐसा करते है तो इसके लिए आप स्वयम जवाबदार व जिम्मेदार होंगे।

अत: सूचना प्रेषित है।

बालाघाट
दिनांक-16-09-2025

प्रेषक
(वास्ते पक्षकार)
हेमेन्द्र बिसेन
अधिवक्ता सिविल कोर्ट
बालाघाट(म.प्र.)

आम सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि स्व. श्रीमति ऐसा बाई पति स्व. श्री भैयालाल वासनिक ग्राम देवरी तहसील जिला बालाघाट म.प्र. निवासी है। जिनका निधन दिनांक 06 जुन 2021 को हो चुका है। इनकी कोई संतान नही है। बे-औलाद फौत हो चुकि है।

मेरे द्वारा प्रमाणित किया गया है सो सत्य है।

सरपंच
ग्राम पंचायत देवरी
जनपद पंचायत बालाघाट

आम सूचना

आम जनता को सूचित किया जाता है कि मैं होलिनबाई पति स्व. जसवंत लरहे जाति अहीर ग्राम पंचायत पांढरवानी (रामजीटोला)तहसील लालबर्रा जिला बालाघाट म.प्र. की निवासी हुं। मेरे पति स्व. जसवंतलाल लरहे की मृत्यु दिनांक २१.०४.२०२१ को हो चुकी है और इनकी मृत्यु के उपरांत पत्नि होलिनबाई, पुत्र संजय व जगदीश वारसान है एवं मुझे ग्राम पंचायत कार्यालय से वारसान प्रमाण पत्र जारी किया जाना है।

अत: जिस किसी भी व्यक्ति को आपत्ति हो तो वे ग्राम पंचायत कार्यालय पांढरवानी ला. पहुंचकर अपनी आपत्ति दर्ज करवा सकता है।

प्रकाशक
होलिनबाई पति स्व. जसवंत
निवासी - ग्राम पंचायत पांढरवानी (रामजीटोला)
तहसील लालबर्रा, जिला बालाघाट (म.प्र.)।

आम सूचना

आम जनता को सूचित किया जाता है कि मैं राजकुमार देशमुख पिता स्व. सहेजलाल उर्फ भूरिया देशमुख जाति मरार ग्राम पंचायत पांढरवानी तहसील लालबर्रा जिला बालाघाट म.प्र. का निवासी हुं। मेरे पिता स्व. सहेजलाल उर्फ भूरिया देशमुख की मृत्यु दिनांक ११.१२.२०२४ को हो चुकी है और इनकी मृत्यु के उपरांत पत्नि तारा देशमुख, पुत्र गुलाब, राजकुमार, पुत्री पेंढारिन बाई व सुनीता वारसान है एवं मुझे ग्राम पंचायत कार्यालय से वारसान प्रमाण पत्र जारी किया जाना है।

अत: जिस किसी भी व्यक्ति को आपत्ति हो तो वे ग्राम पंचायत कार्यालय पांढरवानी ला. पहुंचकर अपनी आपत्ति दर्ज करवा सकता है।

प्रकाशक
राजकुमार देशमुख
निवासी - ग्राम पंचायत पांढरवानी
तहसील लालबर्रा, जिला बालाघाट (म.प्र.)।

आम सूचना

आम जनता को सूचित किया जाता है कि मैं महेश मानेश्वर पिता स्व. भजनलाल मानेश्वर जाति मरार ग्राम पंचायत पांढरवानी तहसील लालबर्रा जिला बालाघाट म.प्र. का निवासी हुं। मेरे पिता स्व. भजनलाल मानेश्वर की मृत्यु दिनांक १५.०८.२०२५ को हो चुकी है और इनकी मृत्यु के उपरांत पत्नि अमरूता मानेश्वर, पुत्र महेश मानेश्वर व पुत्री ललिता वारसान है एवं मुझे ग्राम पंचायत कार्यालय से वारसान प्रमाण पत्र जारी किया जाना है।

अत: जिस किसी भी व्यक्ति को आपत्ति हो तो वे ग्राम पंचायत कार्यालय पांढरवानी ला. पहुंचकर अपनी आपत्ति दर्ज करवा सकता है।

प्रकाशक
महेश मानेश्वर
निवासी - ग्राम पंचायत पांढरवानी
तहसील लालबर्रा, जिला बालाघाट (म.प्र.)।

आम सूचना

आम जनता को सूचित किया जाता है कि मैं हरवेश हरदे पिता गरीबा हरदे जाति मरार वार्ड नंबर ०५ ग्राम पंचायत पांढरवानी तहसील लालबर्रा जिला बालाघाट म.प्र. का निवासी हुं। मेरे पिता स्व. गरीबा हरदे की मृत्यु दिनांक १७.१२.२०२१ को हो चुकी है और इनकी मृत्यु के उपरांत पुत्र बस्ताराम, हरवेश, सावन व पुत्र रामकली वारसान है एवं मुझे ग्राम पंचायत कार्यालय से वारसान प्रमाण पत्र जारी किया जाना है।

अत: जिस किसी भी व्यक्ति को आपत्ति हो तो वे ग्राम पंचायत कार्यालय पांढरवानी ला. पहुंचकर अपनी आपत्ति दर्ज करवा सकता है।

प्रकाशक
हरवेश हरदे
निवासी - वार्ड नंबर ०५ ग्राम पंचायत पांढरवानी
तहसील लालबर्रा, जिला बालाघाट (म.प्र.)।

बहुउद्देशीय प्राथमिक कृषि साख सहकारी समिति मर्यादित (बी.पैक्स) घोटी पं. क्र. १५१

क्रमांक / आमसभा/२०२५ दिनांक - ०१.०९.२०२५

वार्षिक आमसभा की सूचना

महोदय,

बहुउद्देशीय प्राथमिक कृषि साख सहकारी समिति मर्यादित (बी.पैक्स), घोटी पं.क्र. १५१ के समस्त अंशधारी सदस्यों को सूचित किया जाता है कि संस्था की वार्षिक आमसभा का आयोजन दिनांक १८.०९.२०२५ दिन गुरूवार को समय १ बजे दिन से संस्था कार्यालय के प्रांगण में किया गया है।

अत: समस्त अंशधारी सदस्यों से सविनय निवेदन है कि उक्त सभा में उपस्थित होकर बैठक को सफल बनाये।

नोट - यदि निश्चित समय पर साधारण सभा के लिये गणपूर्ति नहीं होती है तो सहकारी समिति नियम १९६२ की धारा ३७/३ के प्रावधान अनुसार ठीक आधा घंटे बाद उसी स्थान एवं दिनांक पर पूर्व निर्धारित विषयों पर ही साधारण सभी की कार्यवाही प्रारंभ होगी, जिसमें गणपूर्ति आवश्यक नहीं होगी।

अतएव आपसे अनुरोध है कि निश्चित स्थान दिनांक एवं समय पर उपस्थित होने का कष्ट कीजिए।

-: विषय सूची :-

१. सोसायटी के क्रियाकलापों का जो कि संचालक मण्डल द्वारा आगामी वर्ष २०२६-२७ के लिए तैयार किया गया है, अनुमोदन करने बाबद्।
२. संपरीक्षा रिपोर्ट के अनुमोदन बाबद् विचार।
३. वार्षिक रिपोर्ट वर्ष २०२४-२०२५ के वित्तीय पत्रक के अनुमोदनार्थ प्रस्तुत।
४. आगामी सहकारी वर्ष २०२६-२०२७ के लिए अनुमानित बजट की स्वीकृति बाबद्।
५. वित्तीय वर्ष में कार्य संचालन के कारण हुए हानि के कारणों का परीक्षण करने बाबद् विचार।
६. वर्ष २०२४-२०२५ का पूरक बजट की स्वीकृति बाबद्।
७. लेखाओं की संपरीक्षा करने के लिए संपरीक्षक की नियुक्ति करने बाबद् विचार।
८. संचालक मंडल के सदस्यों का निर्वाचन कराया जाने बाबद् विचार।
९. किसी अन्य विषय पर जो उपविधि के अनुसार लाया जावे विचार करने के लिये।

-: भवदीय :-

गोपाल लानगे, संस्था प्रबंधक
राजेश दुबे, प्रशासक

एवं समस्त कर्मचारीगण
बहुउद्देशीय प्राथमिक कृषि साख सहकारी समिति मर्यादित (बी.पैक्स) घोटी पं. क्र. १५१

आम सूचना

आम जनता को सूचित किया जाता है कि मैं सरस्वती पति स्व. संतलाल लरहे जाति अहीर ग्राम पंचायत पांढरवानी (रामजीटोला) तहसील लालबर्रा जिला बालाघाट म.प्र. की निवासी हुं। मेरे पति स्व. संतलाल लरहे की मृत्यु दिनांक ११.०९.२०२२ को हो चुकी है और इनकी मृत्यु के उपरांत पत्नि सरस्वती, पुत्र किशोर, सतीष, डिलेश, पुत्री हेमलता, प्रेमलता व पुष्पा वारसान है एवं मुझे ग्राम पंचायत कार्यालय से वारसान प्रमाण पत्र जारी किया जाना है।

अत: जिस किसी भी व्यक्ति को आपत्ति हो तो वे ग्राम पंचायत कार्यालय पांढरवानी ला. पहुंचकर अपनी आपत्ति दर्ज करवा सकता है।

प्रकाशक
सरस्वती यादव
निवासी - ग्राम पंचायत पांढरवानी (रामजीटोला)
तहसील लालबर्रा, जिला बालाघाट (म.प्र.)।

आम सूचना

आम जनता को सूचित किया जाता है कि मैं कारूलाल यादव पिता तंतूलाल यादव जाति अहीर वार्ड नंबर ०६ ग्राम पंचायत पांढरवानी तहसील लालबर्रा जिला बालाघाट म.प्र. का निवासी हुं। मेरी बहन स्व. रीना यादव की मृत्यु दिनांक १७.०७.२०२१ को हो चुकी है और इनकी मृत्यु के उपरांत मैं भाई कारूलाल वारसान हूं एवं मुझे ग्राम पंचायत कार्यालय से वारसान प्रमाण पत्र जारी किया जाना है।

अत: जिस किसी भी व्यक्ति को आपत्ति हो तो वे ग्राम पंचायत कार्यालय पांढरवानी ला. पहुंचकर अपनी आपत्ति दर्ज करवा सकता है।

प्रकाशक
कारूलाल यादव
निवासी - वार्ड नंबर ०६ ग्राम पंचायत पांढरवानी
तहसील लालबर्रा, जिला बालाघाट (म.प्र.)।

आम सूचना

आम जनता को सूचित किया जाता है कि मैं कारूलाल यादव पिता तंतूलाल यादव जाति अहीर वार्ड नंबर ०६ ग्राम पंचायत पांढरवानी तहसील लालबर्रा जिला बालाघाट म.प्र. का निवासी हुं। मेरी माता स्व. फुलबती बाई यादव की मृत्यु दिनांक १०.०१.२०२० को हो चुकी है और इनकी मृत्यु के उपरांत मैं पुत्र कारूलाल व पुत्री सीमा यादव वारसान है एवं मुझे ग्राम पंचायत कार्यालय से वारसान प्रमाण पत्र जारी किया जाना है।

अत: जिस किसी भी व्यक्ति को आपत्ति हो तो वे ग्राम पंचायत कार्यालय पांढरवानी ला. पहुंचकर अपनी आपत्ति दर्ज करवा सकता है।

प्रकाशक
कारूलाल यादव
निवासी - वार्ड नंबर ०६ ग्राम पंचायत पांढरवानी
तहसील लालबर्रा, जिला बालाघाट (म.प्र.)।

बारबेड वायर (कांटेदार तार)
एवं चेन लिंक जाली
उचित दाम पर उपलब्ध
लघु उद्योग निगम भोपाल से संबद्ध
निर्माता
तिरूपति इंजीनियरिंग वर्क्स
मयूर टॉकिज के सामने हनुमान चौक, बालाघाट
फोन:- 07632-243531
मो:- 8989976858, 9425139998

बेलगाम कार की ठोकर से मोटरसाइकिल सवार दो सगे भाई घायल-एक की मौत

वारासिवनी थाने के ग्राम थानेगांव नाले के पास हुई दुर्घटना, दवाई दुकान का संचालन करता था शांतनु भरने

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। वारासिवनी थाना अंतर्गत ग्राम थाने गांव के नाले के पास कार मोटरसाइकिल को ठोस मारकर रोड किनारे खेत में घुस गई। वही इस कार की जबरदस्त ठोकर से मोटरसाइकिल में सवार दो सगे भाई घायल हो गए। जिनमे गंभीर रूप से घायल युवक को जब जिला अस्पताल बालाघाट लाया तब तक उसकी मौत हो चुकी थी। मृतक युवक शांतनु पिता परमानंद भरने 31 वर्ष ग्राम गर्रा थाना रामपायली निवासी की । इस युवक के छोटे भाई विवेक पिता परमानंद भरने 27 वर्ष को पैर में चोटें आई है। 15 सितंबर की रात्रि 9:30 बजे करीब यह सड़क दुर्घटना उस समय हुई जब दोनों भाई मोटर साइकिल में वारासिवनी सेअपने घर ग्राम गर्रा जा रहे थे।जिला अस्पताल पुलिस ने इस युवक का शव पोस्टमार्टम करवा कर उसके परिजनों को सौंप दिया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार शांतनु भरने दो भाई एक बहन है। जिनमे बहन की शादी हो चुकी है ।शांतनु भरने अपने छोटे भाई विवेक भरने के साथ दवाई दुकान का संचालन करते थे। जिनकी दवाई दुकान एफसीआई गोदाम के पास वारासिवनीमें है और दोनों भाई प्रतिदिन अपने घर से मोटरसाइकिल में आने-जाना करते थे। रोज की तरह 15 सितंबर की रात्रि 9:00 बजे शांतनु भरने ने अपने छोटे भाई विवेक भरने के साथ अपनी दवाई दुकान बंद किये और दोनों मोटरसाइकिल में वारासिवनी से अपने घर गर्रा जाने निकले थे। मोटरसाइकिल शांतनु भरने चल रहा था ।9:30 बजे करीब जब दोनों भाई ने ग्राम थाने गांव के समीप नाला पार किए ही थे। तभी थानेगांव की ओर से तेज रफ्तार से आ रही ग्रे कलर की कार मोटरसाइकिल को ठोस मारकर अनियंत्रित हो गई और खेत में घुस गई वही इस कार की ठोकर से मोटरसाइकिल सवार शांतनु भरने और उसका भाई विवेक भरने मोटरसाइकिल सहित गिर गए। जिसमें शांतनु भरने गंभीर रूप से घायल और बेहोश हो गया था वहीं विवेक भरने को दाहिने पैर के घुटने में चोटें आई ।इस दुर्घटना के बाद मौके पर भीड़ लग गई। विवेक भरने ने अपने ग्राम गर्रा अपने परिचित को फोन पर इस दुर्घटना की सूचना दिए। सूचना पाते ही बालू बिसेन और तरुण क्षीरसागर वाहन लेकर घटना स्थल पहुंचे और दुर्घटना में घायल शांतनु भरने और उसके भाई विवेक भरने को बालाघाट नगर के बालाघाट हॉस्पिटल और आरोग्य हॉस्पिटल लेकर गए। वहां के डॉक्टरों ने उन्हें जिला अस्पताल ले जाने की सलाह दिए। शांतनु भरने को जिला अस्पताल लाया गया। जिसे डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिए शांतनु भरने की जिला अस्पताल लाते समय ही मौत हो चुकी थी। 16 सितंबर को सुबह जिला अस्पताल पुलिस पुलिस चौकी के प्रधान आरक्षक सूर्यकांत मरकाम ने शांतनु भरने का शव पंचनामा कार्यवाही पश्चात पोस्टमार्टम करवा कर उसके परिजनों को सौंप दिए और धारा 194 भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता के तहत मर्ग कायम कर मर्ग डायरी घटनास्थल से संबंधित पुलिस थाना वारासिवनी भिजवा दी है।

कार चालक राम राणा और शांतनु भरने आपस में थे गहरे दोस्त

बताया गया है कि दुर्घटना के दौरान कार क्रमांक एमपी 50 सी 98 63 को राम राणा ग्राम गर्रा निवासी चला रहा था। यह भी बताया गया है कि राम राणा और शांतनु भरने आपस में गहरे दोस्त थे। और दोनों मिलकर प्लाटिंग का ब काम करते थे। 15 सितंबर की रात्रि 9:00 बजे करीब राम राणा शांतनु भरने को ही लेने कार से वारासिवनी आ रहा था और राम राणा और शांतनु भरने कार में कहीं जाने वाले थे। जब शांतनु भरने अपने भाई विवेक भरने के साथ मोटरसाइकिल में वारासिवनी से अपने घर गर्रा जाने निकले थे। शांतनु भरने ने जैसे ही थाने गांव के नाला पार किये। इस दौरान राम राणा थानेगांव की ओर से तेज रफ्तार से कार चलाते हुई आ रहा था। राम राणा द्वारा कट करने के दौरान कार मोटरसाइकिल से जा टकराई और यह हादसा हो गया।

नगर पालिका को शहर में आवारा मवेशी और श्वानों को पकड़ने में बाधक बन रहे पशुप्रेमी

बालाघाट(पद्मेश न्यूज) । नगर पालिका द्वारा इन दिनों शहर में आवारा मवेशी और श्वानों को पकड़ने का अभियान लगातार जारी है। जहां नगर पालिका के

कर्मचारी बता रहे हैं कि उन्हें पहले दिन आवारा श्वानों को पकड़ने के लिए कुछ लोगों का विरोध का सामना करना पड़ा तो वही दूसरे दिन चलाये गये अभियान में कुछ पशु प्रेमियों ने गायों को पकड़ कर ले जाने का विरोध किया है, किंतु नगर पालिका के वरिष्ठ अधिकारियों की माने तो वह लगातार इस अभियान को चलाते रहेंगे , इसमें अभी तक आवारा मवेशी सहित आवारा कई श्वानों को पकड़ लिया गया है और अब अलग-अलग वार्डों में नगर पालिका की टीम यह अभियान को चला रही है। आपको बता दे की बीते कुछ महीनो से शहर के प्रमुख चौक ,चौराहा और गलियों में आवारा मवेशी और श्वानों की संख्या बढ़ रही थी, जो दुर्घटना का कारण भी बनते जा रही थी , जिसको लेकर नगर पालिका द्वारा आवारा मवेशी और श्वानों को पकड़ने का अभियान 15 सितंबर से शुरू कर दिया गया है। किंतु कुछ पशु प्रेमी नगर पालिका द्वारा चलाए जा रहे, अभियान का विरोध कर रहे हैं। जिसमें पहले दिन 15 सितंबर को वार्ड क्रमांक 11 में आवारा श्वानों को पकड़ने का विरोध कुछ पशु प्रेमियों ने किया था, तो वही 16 सितंबर को नगर पालिका द्वारा आवारा श्वानों और आवारा मवेशियों को पकड़ने के अभियान में कुछ पशु प्रेमियों अब गायों को पकड़ कर गौशाला ले जाए जाने का विरोध कर रहे हैं । हालांकि नगर पालिका के अधिकारी कर्मचारियों की माने तो उन्हें सख्त निर्देश है कि शहर में घूम रहे आवारा मवेशी और आवारा श्वानों को पकड़ने का यह क्रम लगातार जारी रहेगा , इसमें नगर पालिका द्वारा अभी तक दर्जनों मवेशियों और आवारा श्वानों को पकड़ने की कार्रवाई कर चुकी है और यह कार्रवाई अलग-अलग शहर के वार्डों में लगातार जारी रहेगी । इस अभियान में 16 सितंबर को वार्ड क्रमांक 28 में नगर पालिका से स्वास्थ प्रभारी अजेन्द्र सिंग , स्वछता प्रवेक्षक काजल डोगरे , साधुराम चमकेल, ओमप्रकाश सेन, आकाश भारद्वाज, दिनेश लिल्हारे वार्ड सुपर वाईजर सुनील मिश्रा के नेतृत्व में यह अभियान चलाया गया।

शिक्षिका को बदलने की मांग को लेकर स्कूलीय बच्चों ने कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन

मामला लालबर्रा क्षेत्र की उच्चतर माध्यमिक विद्यालय खमरिया का

बालाघाट(पद्मेश न्यूज) । मंगलवार को लगने वाली जनसुनवाई में लालबर्रा क्षेत्र के खमरिया स्कूल के लगभग एक दर्जन से अधिक बच्चों ने कलेक्टर के नाम ज्ञापन दिया और उन्होंने बताया कि उनके स्कूल में एक शिक्षक उन्हें सही से अध्यापन कार्य नहीं करवा रही है । जिससे वह परेशान है और वह चाहते हैं कि अध्यापिका का स्थानांतरण अन्य स्कूलों में कर दिया जाए और उनके स्थान में किसी और शिक्षक को पदस्थ किया जाए, नहीं तो उनके अध्यापन में उन्हें काफी दिक्कतें आएगी , उन्होंने यह भी बताया कि इसकी शिकायत उन्होंने स्कूल के प्राचार्य से भी की है लेकिन स्कूल प्राचार्य उनकी इस समस्या को गंभीरता से नहीं ले रहे हैं। आपको बता दे कि जिले के स्कूलो में पढ़ाई को लेकर, स्कूली विद्यार्थियों को ना केवल, स्कूल में समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है बल्कि विद्यार्थी, शिक्षक से भी परेशान है। जिले के लालबर्रा खमरिया उच्च माध्यमिक विद्यालय के छात्र, छात्राओ ने मंगलवार को फिजिक्स टीचर भारती बिसेन की शिकायत करते हुए उनके स्थानांतरण की मांग की। छात्रा खुशी बिसेन

ने बताया कि वह भौतिक विषय की छात्र हैं । शिक्षिका भारती बिसेन का, स्कूलीय विद्यार्थियों के प्रति व्यवहार ठीक नहीं है। यही नहीं बल्कि शैक्षणिक स्टॉप से भी उनका आए दिन विवाद होते रहता है। जिससे हम सभी छात्र, छात्राए परेशान है। छात्रा खुशी ने बताया कि कक्षा में फिजिक्स टीचर, पीरियड अवधि में केवल 15 से 20 मिनट ही पण्ाती है और पाठ्यक्रम को जल्दबाजी में समाप्त कर देती है, जिससे हमें फिजिक्स की पढ़ाई समझ नहीं आ रही है। स्वयं कक्षा में देरी से आती है लेकिन यदि आपातकालीन स्थिति में कोई बच्चा, टॉयलेट चला जाए तो, उसे पूरे पीरियड में कक्षा के बाहर खड़ा कर देती है। छात्र, छात्राओं को बेवजह डांटना और अभिभावकों को बताने पर प्रेक्टिकल में कम नंबर देने जैसी धमकी देती है। जिससे छात्र, छात्राएं परेशान है और हम चाहते है कि उनका स्थानांतरण, अन्यत्र किया जाए, ताकि टीचर की नकारात्मकता का असर विद्यार्थियों पर ना पड़े और वह बेहतर तरीके से पढ़ाई कर सके। उन्होंने बताया कि इस मामले की प्रिसिंपल से शिकायत किए जाने के बाद भी कोई सुनवाई नहीं हो रही है। फिलहाल जनसुनवाई में पहुंची, छात्राओं की इस समस्या को सुनते हुए अधिकारी ने समस्या के निराकरण का भरोसा दिलाया है।

कंज़ुमर प्रोडक्ट एशोसिएशन ने व्यापारियों के लिए आयोजित की जीएसटी को लेकर कार्यशाला

बालाघाट(पद्मेश न्यूज) । भारत सरकार ने जीएसटी के स्लेब में परिवर्तन किया है। खासकर आम उपभोक्ताओं के दैनिक उपयोग की सामग्री सहित लग्जरी आईटम में किया गया जीएसटी बदलाव, आगामी 22 सितंबर से लागु होगा। व्यापारियो को जीएसटी में आए परिवर्तन को लेकर बीती रात एक निजी हॉटल में कार्यशाला का आयोजन किया गया था। इस कार्यशाला में ऑनलाईन व्यापारियों से चर्चा करते हुए जीएसटी कमिश्नर लोकेश लिल्हारे ने जीएसटी में हुए रिफार्म से व्यापारियों और उपभोक्ताओ को होने वाले फायदे गिनाए। कार्यशाला में व्यापारियों को जीएसटी रिफार्म से होने वाले फायदे, आम उपभोक्ताओं की जरूरत की सामग्रियो में 10 से 15 प्रतिशत तक होने बचत के बारे में बताया गया। कार्यक्रम में पहुंचे एशोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष उमेश तिवारी ने बताया कि भारत सरकार ने जीएसटी में जो रिफार्म किया है। उससे आम उपभोक्ताओं को 12 से 15 प्रतिशत तक फायदा होगा। सामग्रियो के भाव घटेंगे। उन्होंने बताया कि कुछ कंपनियों ने भाव घटाना भी शुरू कर दिया है। वहीं जीएसटी में सरलीकरण होने से लायसेंस और राईटिंग वर्क में आसान होगा। हालांकि उन्होंने पैकिंग में नए एमआरपी स्टीकर लगाने को अव्यवहारिक बताते हुए सरकार से इसमें विचार करने की बात कही है। वही जीएसटी रिफार्म में व्यापारियों के आईटीसी और सेस को लेकर रिफार्म में स्पष्ट नहीं होने से इसे क्लियर करने की बात कही। एशोसिएशन जिलाध्यक्ष संतोष आहुजा ने बताया कि सेमीनार के माध्यम से, व्यापारियों को होने वाले जीएसटी परिवर्तन के बारे में अवगत कराना था। ताकि सभी को जानकारी मिल सके। इस दौरान संभाग अध्यक्ष सुनील छाबड़ा, सिहोर एशोसिएशन जिलाध्यक्ष अंबर जैन, सत्यनारायण अग्रवाल, सीए पंकज अग्रवाल सहित बड़ी संख्या में व्यापारी मौजूद रहे।

शालेय राज्य स्तरीय ताइक्कांडो प्रतियोगिता में जिले के खिलाड़ियों ने दिखाया जौहर

01 गोल्ड एवं 05 ब्रॉन्ज मैडल पर लगाई किक

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। शालेय राज्य स्तरीय ताइक्कांडो प्रतियोगिता सागर जिले में आयोजित की गई थी जिसमें जिले के खिलाड़ी छात्र छात्राओं ने अद्भूत प्रदर्शन कर 60 मैडल अर्जित किये है। जनजातीय कार्य विभाग बालाघाट अंतर्गत जिला क्रीड़ा प्रभारी दिनेश

कुमार मेश्राम ने बताया कि मार्शल आर्ट ताइक्कांडो की शालेय राज्य स्तरीय ताइक्कांडो प्रतियोगिता जिला सागर में आयोजित की गई थी, जिसमें जनजातीय कार्य विभाग की शालाओं शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय बैहर एवं शासकीय पीएम श्री कन्या उमावि बैहर के खिलाड़ी ने भाग लेकर बैहर, हर्रई, छिंदवाड़ा एवं उमरिया में आयोजित ताइक्वांडो प्रतियोगिता में जीत दर्ज करते हुए शालेय राज्य स्तरीय ताइक्कांडो प्रतियोगिता सागर में सम्मिलित हुए थे। जिला क्रीड़ा प्रभारी दिनेश कुमार मेश्राम ने बताया कि इस शालेय राज्य स्तरीय ताइक्कांडो प्रतियोगिता में 14 वर्ष आयु वर्ग में सत्यम मरकाम, गुरमीत मरकाम, मयंक धुर्वे, कोमेंद्र मरावी, सागर पन्द्रे, नेहा उइके, भारती मेरावी, विशाखा धुर्वे, सिया धुर्वे, नीतू रेखाम एवं सोनम उइके अंडर-17 में सम्मिलित होने सागर गए थे। यहाँ उन्होंने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए गोल्ड एवं ब्रांज को मिलाकर कुल 06 मेडल अर्जित किये है। इस शालेय राज्य स्तरीय ताइक्कांडो प्रतियोगिता में छात्रा नेहा उइके ने गोल्ड मेडल हासिल किया। इसके साथ ही सिया धुर्वे, विशाखा, नीतू रेखाम, सागर पन्द्रे, मयंक धुर्वे, सत्यम मरकाम ने ताइक्वांडो में बेहतरीन प्रदर्शन कर ब्रॉन्ज मैडल अपने नाम किया है। सहायक आयुक्त श्रीमती शकुंतला डामोर, उत्कृष्ट विद्यालय बैहर के प्राचार्य आलोक चौरे, पीएमश्री कन्या उमावि बैहर के प्राचार्य एनसी पटले एवं जिला ताइक्कांडो संघ के सचिव नवजीत सिंह परिहार, खेल समन्वयक राजेश बमहुरे, नेताजी सुभाषचंद्र बोस कन्या छात्रावास की अधीक्षक श्रीमती नीना परिहार ने पदक विजेता छात्र छात्राओं को बधाई एवं शुभकामनाएं प्रेषित की है।

लामता के रेल यात्री एवं क्षेत्रीय विकास समिति का प्रतिनिधि मंडल ने रेल्वे महाप्रबंधक से मुलाकात की

लामता(पद्मेश न्यूज) । आज बिलासपुर जोन के रेल्वे महाप्रबंधक तरुण प्रकाश जी का बालाघाट आगमन हुआ,जिसमें लामता से रेल यात्री एवं क्षेत्रीय विकास समिति के सदस्यों ने बालाघाट पहुंच कर लामता में एक्सप्रेस ट्रेनों के स्टॉपेज को लेकर चर्चा कर एक ज्ञापन सौंपा,जिसमें लामता में जबलपुर -चांदफोर्ट ट्रेन, जबलपुर से रायपुर इंटरसिटी एक्सप्रेस ट्रेनों का लामता स्टेशन में स्टॉपेज दिया जाने एवं लामता स्टेशन में रिजर्वेशन काउंटर खोले जाने पर चर्चा की गई,इस प्रतिनिधि मंडल में अध्यक्ष हुलासमल कोचर,जनरल सेक्रेटरी रामकुमार असाटी,गणेश असाटी, सुशील कोचर शामिल रहे।

रेड रिबन क्लब गोद ग्राम भोंडवा में एड्स सघन जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन

लामता(पद्मेश न्यूज) । स्वामी विवेकानंद शासकीय महाविद्यालय लामता रेड रिबन क्लब और राष्ट्रीय सेवा योजना के द्वारा गोद प्राचार्य डॉ. सुनीता वैद्य के मार्गदर्शन एवं रेड रिबन क्लब प्रभारी डॉ. डुलेश्वरी टेम्भरे के निर्देशन में आज दिनांक 16 सितंबर 2025 दिन मंगलवार के दिन गोद ग्राम भोंडवा में एक दिवसीय एड्स सघन जागरूकता संगोष्ठी का आयोजन किया गया । जिसमें संगोष्ठी के माध्यम से एड्स जन जागरूकता एवं स्वास्थ्य के बारे में चर्चा-परिचर्चा की गई । कार्यालय मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी जिला बालाघाट , जिला एड्स नियंत्रण समिति जिला बालाघाट मध्य प्रदेश के तत्वाधान में मुख्य अतिथि श्रीमती सीमा बोपचे आईसीटीसी, परामर्श दाता सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लालबर्रा ने बड़े ही सारगर्भित-मनोनीत ढंग से एचआईवी फैलने और उसकी रोकथाम के बारे में बताया और कहा कि एचआईवी असुरक्षित यौन संबंध, संक्रमित सुई या सिरिंज का उपयोग, संक्रमित रक्त और संक्रमित गर्भवती मां से पैदा होने वाले शिशु में फैलता है । हमें एचआईवी संक्रमित व्यक्ति के साथ किसी प्रकार का भेदभाव नहीं करना चाहिए , उनके साथ संवेदना व्यक्त करना चाहिए । कार्यक्रम अधिकारी डॉ. डुलेश्वरी टेम्भरे ने कहा कि एड्स संक्रमित लाइलाज बीमारी है , उन्होंने टैटू के माध्यम से एड्स होने को बताया । ग्राम पंचायत के उपसरपंच जयपाल मर्सकोले ने कहा कि एड्स के रोकथाम और बचाव की मुहिम ग्राम में चलाई जाएगी एवं लोगों को जागरूक किया जाएगा । कार्यक्रम का कुशल संचालन डॉ. ढालसिंह गौतम ने किया और आभार प्रदर्शन डॉ. डुलेश्वरी टेम्भरे ने किया । कार्यक्रम में जिला अस्पताल बालाघाट से आशा शेंडे समग्र परियोजना बालाघाट, मंच का सफल संचालन रेड रिबन क्लब सहयोगी डॉ ढाल सिंह गौतम के द्वारा किया गया महाविद्यालय से यशवंत बिसेन,उपसरपंच जयपाल द्दड्डुह्लद्मद्मशद्यद्द, सहायक सचिव विमल बोरिकर, आंगनबाड़ी की मैडम स्कूल के सर और मैडम रेड रिबन क्लब के सदस्य विद्यार्थी, ग्राम पंचायत के सभी सदस्य , ग्राम की महिलाएं एवं

बहने की कगार पर देवरी से ददिया पहुंच मार्ग , प्रशासन मौन

मार्ग पर बढ़ा खतरा, जनता ने प्रशासन की निष्क्रियता पर जताया आक्रोश

बालाघाट एक्सप्रेस
लालबर्रा पद्मेश
www.balaghatexpress.in
4
प्रशासन एवं जनप्रतिनिधियों की अनदेखी कहीं पड़ न जाये भारी

लालबर्रा(पद्मेश न्यूज)।नगर मुख्यालय से महज 6 किलोमीटर की दूरी पर स्थित ग्राम पंचायत देवरी से ददिया जाने वाला मुख्य मार्ग इन दिनों गंभीर संकट से गुजर रहा है। सर्राती नदी में तेज बहाव के चलते लगातार हो रहे मिट्टी के कटाव से यह मार्ग लगभग 80 प्रतिशत तक बह चुका है। सड़क के नीचे से मिट्टी पूरी तरह से कट गई है और ऊपर से मात्र डामरीकरण की परत बची हुई है, जो कभी भी ध्वस्त होकर बड़ी दुर्घटना का कारण बन सकती है और वर्तमान में खतरे की स्थिति भी बनी हुई है फिर भी प्रशासन के द्वारा कोई कार्रवाई नहीं की जा रही है जबकि इस मार्ग से रोजाना बड़ी संख्या में लोग आवाजाही करते हैं, जिनमें स्कूली बच्चे भी शामिल हैं। सड़कके किनारे बहुत से मकान बने हुए हैं, जिनमें नदी का पानी भरने और मकानों के क्षतिग्रस्त होने का खतरा लगातार मंडरा रहा है। ऐसे हालात में स्थानीय नागरिकों को जान और माल का भारी नुकसान झेलना पड़ सकता है। शासन-प्रशासन की बेपरवाही और निष्क्रियता से लोगों में गहरी नाराजगी व्याप्त है। आपको बता दें कि विगत कई महीनों से यह मार्ग क्षतिग्रस्त पड़ा हुआ है जिसका अब तक प्रशासन के द्वारा किसी तरह का कोई भी मरम्मत कार्य नहीं करवाया गया है जिसकी वजह से गत दो दिनों से हो रही तेज बारिश के कारण नदी में पानी का बहाव बढ़ गया है जिससे अब सड़क की मिट्टी का कटाव भी तेजी से प्रारंभ हो चुका है और लगभग 80 फीसदी सड़क पूरी तरह से बह चुकी है जिससे कभी भी दुर्घटना घटित हो सकती है जिसको ध्यान में रखते हुये ग्राम पंचायत देवरी के द्वारा सावधानी बरते हुये मार्ग के किनारे पर रेत से भरी बोरी रखी गई है और लाल रिबिन बांधकर खतरे को दर्शाया गया है जिससे लोग सावधानी पूर्वक आवागमन कर सके एवं किसी तरह की कोई अप्रिय घटना घटिन ना हो सके।

बार-बार अवगत कराने के बाद भी चुप्पी

स्थानीय जनप्रतिनिधियों और नागरिकों ने बार-बार उच्च अधिकारियों एवं प्रशासन को सड़क की स्थिति से अवगत कराया। यहां तक कि स्थानीय समाचार पत्र बालाघाट एक्सप्रेस ने भी इस समस्या को प्रमुखता से 14 जुलाई के अंक में लालबर्रा पृष्ठ पर ''प्रशासन एवं जनप्रतिनिधियों की अनदेखी कही पड़ न जाये भारी'' शीर्षक के साथ प्रकाशित कर प्रशासन को चेताया था, लेकिन न तो मरम्मत कार्य शुरू हुआ और न ही सुरक्षा के कोई पुख्ता इंतजाम किये गये जिससे यह प्रतीत होता है कि प्रशासन बड़ी दुर्घटना होने का इंतजार कर रहा है।

जनता का आक्रोश, आंदोलन की चेतावनी

क्षेत्रवासियों का कहना है कि अब स्थिति बेकाबू होती जा रही है। यदि शीघ्र ही मरम्मत कार्य शुरू नहीं हुआ और सड़क को बचाने के ठोस प्रयास नहीं किए गए, तो वे आंदोलन करने पर मजबूर होंगे। लोगों ने साफ कहा है कि यह प्रशासन की लापरवाही और असंवेदनशील रवैया है, जिसका खामियाजा आम जनता और ब%चों को भुगतना पड़ सकता है।

प्रशासन से जनता का सवाल

स्थानीय लोगों का प्रश्न है कि आखिर बार-बार इस भीषण समस्या से शासन प्रशासन को अवगत कराये जाने के बावजूद प्रशासन क्यों सोया पड़ा है ? क्या सड़क पूरी तरह बह जाने और किसी की जिंदगी जाने के बाद ही जिम्मेदार जागेंगे ? आज जब सड़क पूरी तरह खतरे में है और नदी के पानी से मकानों में जनहानि का अंदेशा है, ऐसी स्थिति में प्रशासन का मौन रहना सीधे तौर पर उसकी निष्क्रियता और संवेदनहीनता को दर्शाता है।

जनप्रतिनिधि एवं प्रशासनिक अधिकारी नहीं दे रहे है ध्यान - प्रमिला

सरपंच ग्राम पंचायत देवरी प्रमिला पटले ने बताया कि विगत एक वर्षो से इस मार्ग पर यह समस्या बनी हुई है जिसके संबंध में हमारे द्वारा अनेक बार जनप्रतिनिधियों एवं प्रशासनिक अधिकारियों को भी अवगत करवाया गया है परंतु उनके द्वारा कोई ध्यान नहीं दिया जा रहा है जिससे स्थिति और खराब होते जा रही है। हमारे द्वारा खतरे को देखते हुये बोरी में रेत भरकर सड़क के किनारों में रखी जा रही है और चेतावनी के लिये लाल रिबिन बांधकर खतरे के निशान को दर्शाया जा रहा है जिससे लोग सर्तकतापूर्वक आवागमन कर सके।

सड़क पर उतरकर करेंगें आंदोलन - रामचंद्र

ग्रामीण रामचंद्र झंझाड़े ने बताया कि यह एक व्यस्तम मार्ग है जिससे रोजाना बड़ी संख्या में लोग अपने छोटे-बड़े वाहनों से आवागमन करते है और स्कूली बच्चे भी इस मार्ग स्कूल जाते है विगत एक वर्ष से मिट्टी का कटाव होने की वजह से यह मार्ग खराब हो चुका है एवं गत दिनों से हो रही बारिश के कारण नदी में पानी का बहाव बढ़ गया है जिससे मिट्टी का कटाव भी बढ़ रहा है जो धीरे धीरे बढ़कर सड़क को खराब कर रहा है जिससे सड़क के धसकने का खतरा बना हुआ है। श्री झंझाड़े ने बताया कि इस समस्या से अनेक बार शासन प्रशासन को अवगत करवाया गया है परंतु उनके द्वारा कोई ध्यान नहीं दिया जा रहा है यदि समय पर मरम्मत कार्य नहीं किया जाता है तो हम सभी ग्रामीण सड़क पर उतरकर आंदोलन करेंगें ।

घर गिरने का बना है खतरा - ईश्वरी

ग्रामीण ईश्वरी बाहेश्वर ने बताया कि इस मार्ग से लगकर लगभग 8 से 10 मकान बने हुये है जहां पर ग्रामीण अपने परिवार के साथ निवास करते है और निरंतर बारिश से नदी में पानी का बहाव बढ़ रहा है एवं मिट्टी का कटाव निरंतर बढ़ते जा रहा है जो धीरे धीरे हमारे घरों तक भी पहुंच रहा है जिससे हमारे घर गिरने का भी खतरा बना हुआ है। इस समस्या से हमारे द्वारा प्रशासन को अवगत करवाया दिया गया है परंतु उनके द्वारा कोई ध्यान नहीं दिया जा रहा है और विगत कई दिनों से यह समस्या बनी हुई है परंतु अब तक कोई मरम्मत कार्य प्रशासन के द्वारा नही करवाया गया है जिससे ग्रामीणों में शासन प्रशासन के प्रति आक्रोश व्याप्त है यदि समय रहते मरम्मत कार्य नहीं करवाया गया तो हमें मजबूरन सड़क पर उतरकर आंदोलन करना पड़ेगा।

हिंदी दिवस पर बालाघाट के हास्य कवि लक्ष्मीचंद ठाकरे हुए सम्मानित

लालबर्रा (पद्मेश न्यूज)। मध्यप्रदेश शासन एवं साहित्य अकादमी द्वारा हिन्दी दिवस के अ वसर पर 14-15 सितंबर को भोपाल में मध्यप्रदेश साहित्य उत्सव के युवा रचनाधर्मी कुंभ एवं भारतीय मातृभाषा अनुष्ठान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम मुख्यमंत्री मोहन यादव व राज्यमंत्री धर्मेंद्र लोधी की मुख्य उपस्थिति में संपन्न हुआ है। जिसमें हिंदी भाषा और साहित्य के प्रति गहरी रुचि रखने वाले डोंगरिया क्षेत्र के लोकप्रिय हास्य कवि लक्ष्मीचंद ठाकरे को सम्मानित किया गया। इसके साथ ही बालाघाट के कवि के.के. विरूरकर और मंतोष मजूमदार को भी उनके साहित्यिक योगदान के लिए सम्मानित किया गया। बालाघाट जिले के लिए यह सम्मान अत्यंत गौरव की बात है क्योंकि यह साबित करता है कि जिले की सांस्कृतिक विरासत और समृद्धि प्रदेश के साहित्यिक मंच पर चमक रही है। कार्यक्रम में उपस्थित कवि, साहित्यकारों और वक्ताओं ने हिंदी भाषा की महत्ता पर जोर देते हुए कहा कि हिंदी केवल हिंदी दिवस तक सीमित नहीं रहनी चाहिए, बल्कि यह अपनी मातृभाषा के रूप में हर दिन अपनाई जानी चाहिये। उन्होंने हिंदी को बचाने और बढ़ावा देने के लिए सभी समाज के सदस्यों से आग्रह किया कि वे दैनिक जीवन में हिंदी का प्रयोग बढ़ाएं। लक्ष्मीचंद ठाकरे ने इस अवसर पर अपनी हास्य कविता के माध्यम से हिंदी की सुंदरता और जीवन में उसकी उपयोगिता पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि हास्य साहित्य के द्वारा हम न केवल सामाजिक कड़वाहट को कम कर सकते हैं, बल्कि हमारी भाषा और संस्कृति को भी जीवित रख सकते हैं। यह सम्मान बालाघाट के साहित्यिक व सांस्कृतिक जगत के लिए नई प्रेरणा लेकर आया है और युवा कवियों को अपनी मातृभाषा में रचनात्मकता बढ़ाने हेतु प्रोत्साहित करेगा।

गुरु दक्षिणा कार्यक्रम के समर्थन में अतिथि शिक्षकों की बैठक संपन्न

सरकार से नियमित शिक्षकों जैसी सुविधाएं दिए जाने की मांग तेज

लालबर्रा (पद्मेश न्यूज)। नगर मुख्यालय में स्थित हाई स्कूल मैदान के सरस्वती सभा मंच पर 16 सितंबर को अतिथि शिक्षक संघ की आवश्यक बैठक संपन्न हुई। यह बैठक भोपाल में आयोजित गुरु दक्षिणा कार्यक्रम को समर्थन प्रदान करने के लिये आयोजित की गई थी। जिसमें बड़ी संख्या में अतिथि शिक्षकों ने उपस्थित होकर स्थानीय स्तर पर कार्यक्रम को सहयोग प्रदान किया। बैठक में अतिथि शिक्षकों के द्वारा अपने कार्यक्षेत्र में आ रही विभिन्न समस्याओं से संघ को अवगत करवाया गया जिसमें प्रमुख रूप से ई अटेंडेस, वेतन का भुगतान न होना, नियमित शिक्षकों की तरह सुविधा का अभाव सहित विभिन्न समस्याओं पर विस्तृत चर्चा की गई और भोपाल में आयोजित गुरू दक्षिणा कार्यक्रम को अपना समर्थन स्थानीय स्तर दिया गया है। चर्चा में अतिथि शिक्षक संघ ब्लॉक अध्यक्ष उत्तम नगपुरे ने बताया कि गुरु दक्षिणा कार्यक्रम का उद्देश्य सरकार का ध्यान अतिथि शिक्षकों की समस्याओं की ओर आकर्षित करना है। अतिथि शिक्षक शिक्षा व्यवस्था का महत्वपूर्ण हिस्सा हैं, लेकिन उन्हें नियमित शिक्षकों जैसी सुविधाएं उपलब्ध नहीं कराई जाती है जिससे अतिथि शिक्षकों को बेहद परेशानियों का सामना करना पड़ता है। श्री नगपुरे ने बताया कि वर्तमान में लागू की गई अटेंडेंस प्रक्रिया को लेकर असमानता है। नियमित शिक्षकों के लिए यह प्रक्रिया बाध्यकारी नहीं है, जबकि अतिथि शिक्षकों की ऑनलाइन उपस्थिति न होने पर उनका वेतन काट लिया जाता है। वहीं जुलाई माह से अब तक हमारे अतिथि शिक्षक साथियों के वेतन भुगतान शासन स्तर पर लंबित है, जिससे आर्थिक तंगी और परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। इस बैठक में सर्वसम्मति से तय किया गया कि भोपाल में गुरु दक्षिणा कार्यक्रम के तहत लिए जाने वाले निर्णयों को स्थानीय स्तर पर भी पूर्ण सहयोग और समर्थन दिया जाएगा।

स्वच्छता पखवाड़ा के रूप में भाजपा मनायेगी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का जन्मदिन आज

भाजपा मंडल लालबर्रा की बैठक संपन्न, पौधारोपण, स्वच्छता अभियान सहित होंगे विभिन्न आयोजन

लालबर्रा (पद्मेश न्यूज)। नगर मुख्यालय में स्थित विश्रामगृह में सोमवार को भारतीय जनता पार्टी मंडल लालबर्रा की आवश्यक बैठक संपन्न हुई। जिसमें बड़ी संख्या में भाजपा के वरिष्ठ कार्यकर्ता व विभिन्न विंगों के पदाधिकारीगण बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। यह बैठक देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के जन्मदिन को स्वच्छता पखवाड़े के रूप में मनाने के संबंध में विचार विमर्श करने आयोजित की गई थी जिसमें सर्वसम्मति से यह निर्णय लिया गया है कि प्रधानमंत्री का जन्मदिन स्वच्छता पखवाड़े के रूप में मनाया जायेगा जो 17 सितंबर से प्रारंभ होकर 2 अक्टूम्बर गांधी जयंती तक निरंतर चलेगा। इस स्वच्छता पखवाड़े में भाजपा के कार्यकर्ता प्रतिदिन विभिन्न कार्यक्रमो में भाग लेंगे। जिसके तहत सार्वजनिक स्थलों, सड़कों, गलियों की सफाई, वृक्षारोपण तथा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पर फल वितरण जैसे महत्वपूर्ण कार्य शामिल हैं और यह अभियान मंडल प्रभारी कन्हैया चौहान के मार्गदर्शन में सम्पन्न किया जाएगा। इस अभियान में प्रथम दिन 17 सितंबर को सुबह 10.30 बजे सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में मरीजों को फल का वितरण किया जायेगा। जिसमें पार्टी के ऊर्जावान मंडल कार्यकारिणी सदस्य, शक्ति केंद्र प्रभारी, संयोजक, सहसंयोजक, बूथ अध्यक्ष, युवा मोर्चा और महिला मोर्चा के समस्त पदाधिकारी तथा श्रेष्ठ कार्यकर्ता भाग लेंगे।

चर्चा में भाजपा मंडल लालबर्रा अध्यक्ष प्रसन्न अवधिया ने बताया कि देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का जन्मदिन 17 सितंबर को भाजपा के द्वारा स्वच्छता पखवाड़े के रूप में मनाने का निर्णय लिया गया है, जिसके तहत पौधारोपण, मरीजों को फल वितरण एवं साफ सफाई सहित विभिन्न जनहितैषी कार्य किये जायेगें और यह स्वच्छता पखवाड़ा न केवल प्रधानमंत्री जी के जन्मदिन को विशेष बनाएगा, बल्कि जिले में सफाई और स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता भी बढ़ाएगा। इस अभियान के तहत हमारा उद्देश्य प्रधानमंत्री जी की स्वच्छता के प्रति जो सोच है उसे जन-जन तक पहुंचाना है।

सीहोर में साहित्य श्री पुरूस्कार से सम्मानित हुए कवि शैलेन्द्र इनायत

कटंगी (पद्मेश न्यूज)। गत 14 सितम्बर हिंदी दिवस के उपलक्ष्य में प्रदेश के सीहोर जिले में आयोजित साहित्य सम्मेलन में कटंगी क्षेत्र के ग्राम मिरगपुर निवासी प्रसिद्ध हास्य व्यंग्य कवि शैलेन्द्र इनायत को साहित्य श्री सम्मान से सम्मानित किया गया। सम्मान स्वरूप श्री इनायत को शाल श्रीफल भेंटकर एवं प्रमाण पत्र प्रदान किया गया। उल्लेखनीय है कि शैलेन्द्र इनायत का सामाजिक एवं साहित्यिक क्षेत्र में सराहनीय योगदान रहा है। वे जिले की पंजीबद्ध संस्था इनायत एवं अमाविमा के संस्थापक है। इसके अलावा श्री इनायत के लिखे लोकगीतों का बालाघाट आकाशवाणी के माध्यम से प्रसारण भी हो चुका है। हिंदी दिवस के अवसर पर मध्यप्रदेश साहित्य साधना मंच, राष्ट्रीय कल्चुरी कवि परिषद्, भारत जन परिषद् सीहोर द्वारा आयोजित कार्यक्रम में साहित्य क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य के लिए मिरगपुर के हास्य व्यंग कवि शायर शैलेन्द्र इनायत को साहित्य श्री सम्मान से सम्मानित किया गया। श्री इनायत की इस उपलब्धि पर कवि संजय अश्क, भुवन सिंह धांसू, तन्हा नागपुरी, दिनेश देहाती, भैयालाल नागवंशी, राज राहांगडाले, दीपक देशमुख द्वारा बधाई प्रेषित कर उनके उज्जवल भविष्य की कामना की गई।

मार्ग की मरम्मत करना भूले जिम्मेदार राहगीरो में आक्रोश

मामला आमाटोला से कोस्ते कच्चे मार्ग का दुर्घटना की बनी हैं संभावना

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। वारासिवनी जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम पंचायत कासपुर के ग्राम आमाटोला से कोस्ते पहुंच मार्ग बहुत खस्ता हाल हो गया है। यह कच्चा मार्ग है जहां से आवागमन मुश्किल से हो पा रहा है हर जगह दुर्घटना की संभावना बनी हुई है। लोगों को मार्ग पर कई प्रकार की परेशानी का सामना करना पड़ रहा है,हालांकि समीप का मार्ग होने से लोग इसका उपयोग कर रहे हैं। क्योंकि करीब ५ किलोमीटर का फेर वारासिवनी होते पड़ता है ,इस बायपास मार्ग में लोगों को कई बार दुर्घटनाग्रस्त होकर चोटिल होना पड़ रहा है। ऐसे में ग्रामीणों के द्वारा मार्ग का डामरीकरण करने या जिम्मेदारों के द्वारा मार्ग का व्यवस्थित मरम्मत किए जाने की मांग की जा रही है ताकि आवागमन सुरक्षित रूप से किया जा सके। यह मार्ग ग्राम पंचायत कोस्ते से सीधे आमाटोला के लिए आता है ,जहां से लोग सीधे बालाघाट और कायदी के लिए आना जाना करते हैं। ऐसे में वारासिवनी से डोंगरमाली मार्ग पर स्थित विभिन्न ग्राम के लोग यही मार्ग का उपयोग करते हैं। यह पूरा कच्चा मार्ग है जहां पर मुरम मिट्टी मिलाकर बारिश के कारण कीचड़ के रूप में रोड़ पर लोगों के लिये परेशानी बनी हुई है। शुरू से अंत तक मार्ग में बड़े.बड़े गिट्टे बाहर निकल गए हैं जिन पर से लगातार मोटरसाइकिल जंप करती हुई गुजरती है। मार्ग में छोटे बड़े गड्ढे भी निर्मित हो गए हैं जिनमें पानी भरा होने से गहराई स्पष्ट नहीं होती है मोटरसाइकिल अनियंत्रित हो जाती है। कुछ स्थानों पर कीचड़ और पत्थर इस प्रकार निकाले हुए हैं कि वहां से गुजरने में लोगों को काफी परेशानी होती है। कुछ लोग दुर्घटनाग्रस्त हो जाते हैं तो हर कोई की मोटरसाइकिल अनियंत्रित होती है ।इस प्रकार करीब यह २ किलोमीटर से अधिक लंबा मार्ग है जिस पर यह स्थिति बनी हुई है। वर्तमान में खेती कार्य में ट्रैक्टर चलने से रोड़ बहुत ज्यादा बत्तर हो गई है जहां पर साइकिल और बैलगाड़ी चलाना भी मुश्किल होता जा रहा है। ऐसे में अधिकांश दूर दराज के किसान पैदल ही खेतों की तरफ जाना पसंद कर रहे हैं कि सड़क की परेशानी से उन्हें दुर्घटनाग्रस्त या किसी परेशानी का सामना नही करना पड़े। जबकि लंबे समय से ग्राम के लोगों के द्वारा मार्ग की मरम्मत करने और मार्ग को व्यवस्थित बनाए जाने के साथ संभवत मार्ग का डामरीकरण किए जाने की भी मांग की जा रही है। किंतु जिम्मेदार व्यक्तियों के द्वारा इस तरफ कोई ध्यान नहीं दिया गया है ,इसी का परिणाम है कि मार्ग की स्थिति यथावत बनी हुई है।

इस मार्ग को बनाने जनप्रतिनिधि नही दे रहे ध्यान-मंगलप्रसाद हरिनखेंड़े

ग्रामीण मंगल प्रसाद हरिनखेंड़े ने बताया कि यह सड़क पर हमारा खेत स्थित है और वह गांव से करीब १ किलोमीटर से अधिक दूरी पर पड़ता है। परंतु सड़क की बहुत बेकार स्थित है जगह जगह गड्ढे हो गए हैं ,इधर थोड़ा ठीक है यहां पत्थर निकले हुए हैं पर नाले के पास से पूरे गड्ढे हो गए हैं। यह कच्ची रोड़ है ट्रैक्टर ने इसे बहुत खराब कर दिया है ,मरम्मत इसकी व्यवस्थित रूप से नहीं हुई है बीच में मुरम गिट्टी मिट्टी डाली गई थी। अब जैसा भी है हमारी मजबूरी है खेत आना जाना साइकिल चलती नहीं तो ढकेल के ले जा रहे हैं। इस रोड़ का यदि डामरीकरण हो जाए तो अच्छा होगा सभी को सुविधा होगी सीधा कोस्ते के लिए यहां से लोग जाते हैं। ग्रामीणों का हर समय आना जाना लगा रहता है सभी की सुविधा को देखते हुए कार्य होने चाहिए मार्ग में अभी तो बहुत समस्या है।

मार्ग पर गड्ढे बहुत है दुर्घटना की संभावना बनी हुई है-रोहित नेवारे

राहगीर रोहित नेवारे ने बताया कि यह कोस्ते से सीधा आमाटोला मार्ग है जिससे मैं आ रहा हूं। इसमें गड्ढे बहुत है रोड़ पूरा खस्ता हाल हो गया है कीचड़ भी जगह जगह बहुत है मोटरसाइकिल आराम से आना जाना नहीं कर पाती है। अभी हम आ रहे थे तो दो से तीन जगह मोटरसाइकिल अनियंत्रित हो गई गिरते गिरते हम बचे दुर्घटना की हर जगह संभावना बनी हुई है ऊंची नीची रोड़ है। यह बायपास रोड़ है इसलिए सीधा हम यहां से आते हैं यदि वारासिवनी होते जाएंगे तो ४ किलोमीटर का फासला पड़ता है इस रोड़ को बनाना चाहिए क्योंकि ग्रामीण क्षेत्र का यह बाईपास है। तेज गति से मोटरसाइकिल सड़क पर नहीं चला सकते धीरे.धीरे चलना पड़ता है क्योंकि जगह.जगह गिट्टी के बड़े पत्थर जो निकले हैं वह भी समस्या बने हुए हैं।

महाविद्यालय में एक दिवसीय व्याख्यान कार्यक्रम का हुआ आयोजन

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। शासकीय एसएसपी महाविद्यालय में मंगलवार को प्राचार्य एस एस गेडाम के निर्देशन एवं स्वामी विवेकानंद कैरियर मार्गदर्शन प्रकोष्ठ प्रभारी नरेन्द्र डोंगरे एवं संयोजक विजय कुमार दांदरे के नेतृत्व में स्वामी विवेकानंद के शिकागो उद्बोधन के परिप्रेक्ष्य में एक दिवसीय व्याख्यान कार्यक्रम आयोजन किया गया। कार्यक्रम में महाविद्यालय की छात्रा कु. श्रद्धा घोडे एवं मुस्कान कुमरे के द्वारा स्वामी विवेकानंद की

जीवन एवं उनके शिकागों पर अपने विचार व्यक्त किये। डॉ. अनिरूद्ध सिंह काकोडिया के द्वारा उक्त विषय पर अपने विचार प्रस्तुत किये। कार्यक्रम का सफल मंच संचालन डॉ. इमरान खान के द्वारा किया गया। इस दौरान डॉ. सज्जाद मीर, श्रीमती मोनिका सोनी, पंकज वाहने, श्रीमती रश्मिबाला पारधी एवं समस्त महाविद्यालय परिवार उपस्थित रहे।

स्काउट गाइड का जिला स्तरीय द्वितीय सोपान शिविर जारी

शिविर के माध्यम से विद्यार्थियों को बनाया जा रहा आत्मनिर्भर

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। नगर के टिहलीबाई शासकीय माध्यमिक शाला परिसर स्थित स्काउट गाइड जिला प्रशिक्षण कार्यालय में जिला स्तरीय द्वितीय सोपान स्काउट गाइड शिविर जारी है। यह शिविर १३ से १७ सितंबर तक आयोजित किया गया है ,जिसमें प्रथम दिन १३ सितंबर को शिविर का प्रारंभ किया गया। इस शिविर में वारासिवनी ,खैरलांजी, तिरोड़ी विकासखंड के करीब १८० स्काउट गाइड के द्वारा भाग लिया गया है। जिन्हें प्रतिदिन विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से आत्मनिर्भर बने और समाज की सहायता करने के लिए सीख दी जा रही है। इस दौरान प्रतिदिन प्रात: व्यायाम के बाद ध्वजारोहणकर सामूहिक प्रार्थना के पश्चात पाठ्यक्रम में प्रथम सोपान की गांठ, द्वितीय सोपान की गांठ, जीवन में उपयोगी हस्तकला, खोज चिन्हो की पहचान, तंबू टेंट का निर्माण करना, बिना बर्तन के भोजन तैयार करना जैसे विषयों पर विस्तार पूर्वक जानकारियां दी जा रही है। तो वहीं शाम ५ बजे से विभिन्न प्रकार की खेल गतिविधियां आयोजित हो रही है ,इसके अलावा प्रतिदिन रात्रि के समय विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किया जा रहे हैं। जिसमें गीत ,भाषण और नृत्य के माध्यम से क्षेत्र कला संस्कृति परंपरा को दर्शाया जा रहा है । इस माध्यम से भी उपस्थित विद्यार्थियों को संदेश देने का कार्य किया जा रहा है। वहीं १६ सितंबर को समापन की पूर्व संध्या पर विशेष कार्यक्रम एवं विशेष भोज आयोजित किया गया। जिसमें विद्यार्थियों को क्षेत्र के गणमान्य नागरिकों का मार्गदर्शन प्राप्त हुआ। तो वहीं १७ सितंबर की सुबह ११ बजे शिविर का समापन किया जायेगा। स्काउट गाइड के पदाधिकारियों ने बताया कि स्काउट गाइड का यह द्वितीय सोपान जिला स्तरीय शिविर है जो जिला प्रशासन के निर्देश अनुसार आयोजित किया गया है। इसमें जिले के स्काउट गाइड से जुड़े विद्यार्थियों को शिविर के माध्यम से विभिन्न प्रकार की गतिविधियां आयोजित कर कार्य सिखाए जा रहे हैं। प्रतिवर्ष यह शिविर आयोजित होते हैं विद्यार्थियों की संख्या के आधार पर अलग अलग भाग में यह आयोजित हो रहे हैं। तीन विकासखंड को लेकर यह आयोजित किया गया था जिसका समापन १७ सितंबर को होने के बाद दूसरे तीन विकासखंड के विद्यार्थियों के लिए यह कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा यह निरंतर प्रक्रिया है। हमारे द्वारा लगातार ऐसी गतिविधियों के माध्यम से विद्यार्थियों को तैयार किया जा रहा है ,जिसमें कई विद्यार्थियों के द्वारा राज्यपाल पुरस्कार में प्राप्त किया गया है। इस अवसर पर डोलीराम भगत, इनेंद्र डहरवाल ,हरिप्रसाद देशमुख ,सोहनलाल पटले ,नीता बोपचे ,लक्ष्मी पटले ,जुगा भलावी ,दयावंती मार्को ,आशा हनवत ,प्रीति दमाहे सहित अन्य प्रशिक्षक मौजूद रहे।

मॉ तुझे प्रणाम योजना अंतर्गत अंतर्राष्ट्रीय सीमाओं का अनुभव कराने दो छात्र का हुआ चयन

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। शासकीय शंकर साव पटेल महाविद्याल में संचालित एनएसएस इकाई के विरिष्ठ स्वंय सेवको में रविन्द्र पटले एवं दीपेश उंदीरवाड़े का चयन मध्यप्रदेश शासन के निर्देशानुसार एवं खेल युवा कल्याण विभाग बालाघाट के संयोग से संचालित मॉ तुझे प्रणाम योजना अंतर्गत अंतर्राष्ट्रीय

सीमाओं, एतिहासिक, सांस्कृतिक भौगोलिक स्थलों से प्रत्यक्ष अनुभव कराने हेतु किया गया। जिसे वर्तमान में मण्डू (धार) ओंकारेश्वर, महेश्वर (खण्डवा) जिले में भ्रमण हेतु बालाघाट जिले से ४४ स्वयं सेवको का चयन किया गया। जिसमें महाविद्यालय के दो वरिष्ठ स्वयं सेवक शामिल थे। भ्रमण हेतु समस्त स्वयं सेवको को ११ से १४ सितंबर २०२५ तक ले जाया गया। इस योजना का उद्देश्य युवाओं को सीमाओं का प्रत्यक्ष अनुभव कराया जाना और युवाओं में देश भक्ति की भावना विकसित करना। साथ ही सीमाओं की सैन्य गतिविधियों के बारे में व्यापक जानकारी प्रदान करना है। जिससे युवाओं को राष्ट्रीय सुरक्षा और रक्षा की गहन समझ मिलती रहे। रवन्द्रि पटले ने बताया कि मॉ तुझे प्रणाम योजना अंतर्गत सभी १५ से २९ वर्ष आयु के मध्यप्रदेश निवासी साथ ही एनएसएस, एनसीसी खेल से जुड़े युवा, शैक्षणिक रूप से मेधावी छात्र या स्काउटिंग के सभी छात्र-छात्राएँ शामिल हो सकते है। सभी को नि:शुल्क यात्रा, आवास, भोजन, स्थानीय परिवहन, रेल कोच, ट्रैकसूट, टी-शर्ट एवं किट बैग विभाग के द्वारा प्रदान किया जाता है। दीपेश उंदीरवाड़े ने बताया कि हमारी टीम बालाघाट से प्रस्थान कर जबलपुर होते हुए इंदौर, माण्डु (धार), ओंकारेश्वर ज्योतिर्लिंग, महेश्वर (खण्डवा) पंहुचे। सभी स्थलों का हमने प्रत्यक्ष अनुभव कर भारत की सांस्कृतिक धरोहर एवं उनके ऐतिहासिक महत्व की जानकारी गाइड द्वारा प्राप्त की गई। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. एस एस गेड़ाम ने कहा कि एनएसएस के समस्त स्वयं सेवक रविन्द्र एवं दीपेश से प्रेरणा लेकर आगे भविष्य में शासन की विभिन्न योजनाओं तथा राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई में शामिल राज्य स्तरीय, राष्ट्रीय स्तर शिविर, साहसिक शिविर तथा आरडी परेड में शमिल होकर अपने महाविद्यालय का नाम गौरवान्वित कर अपने उज्ज्वल भविष्य का निर्माण कर सकते है।

कीटनाशक के सेवन से कैलाश सुलाखे बीमार

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। रामपायली थाना अंतर्गत ग्राम नवेगांव तीन निवासी ३२ वर्षीय कैलाश सुलाखें कीटनाशक के सेवन से बीमार हो गया जिसका उपचार सिविल अस्पताल में जारी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार कैलाश पिता कुन्नूलाल सुलाखे ३२ वर्ष नवेगांव ३ निवासी का विवाह हो चुका है। जिसकी दो बेटियां है मंगलवार को उसके

द्वारा मानसिक तनाव में शराब सेवन के बाद कीटनाशक का सेवन कर लिया गया था। जिसकी जानकारी उसके द्वारा तबियत बिगड़ने पर घर में आकर परिजनों को दी गई। जिसे परिजनों के द्वारा तत्काल सिविल अस्पताल में लाकर भर्ती किया गया जहां उसका उपचार जारी है।

हिंदी दिवस पर विश्व हिंदी रत्न मानद उपाधि से सम्मानित हुये प्रणय श्रीवास्तव

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। नेपाल में अंतर्राष्ट्रीय हिंदी दिवस पर विश्व हिंदी कविता प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें विश्व के लगभग २८ देशों के छह हजार से अधिक कवियों और कवयित्रियों ने भाग लिया। जिनमें से राष्ट्रीय हिंदी दिवस पर २६५ उत्कृष्ट रचनाकारों को विश्व हिंदी रत्न सम्मान उपाधि से सम्मानित किया गया। जिनमें कवि प्रणय श्रीवास्तव को नेपाल के लुंबिनी नगर में आयोजित समारोह में सम्मानित किया गया। इसके पूर्व भी नेपाल में प्रणय श्रीवास्तव को नोबल टेलेंट इंटरनेशनल अवॉर्ड २०२४ से नेपाल के कृषि एवं भूमि व्यवस्था मंत्री भंडारी लाल अहीर के कर कमलों साहित्य सृजन के क्षेत्र में सम्मानित किया गया था।

परिवार, संस्कृति और विकास- एक बदलता हुआ समाज

मनुष्य के बच्चे अधिकांश जानवरों की तुलना में कहीं अधिक समय तक अपने माता-पिता पर निर्भर रहते हैं। यदि उन्हें सही देखभाल न मिले, तो वे केवल रेंगने या आसपास की आवाज़ों की नकल करने तक ही सीमित रह सकते हैं। यह लंबा निर्भरता का चरण देखभाल को और अधिक महत्वपूर्ण बना देता है — जो आमतौर पर एक समर्पित देखभालकर्ता, अक्सर परिवार का ही सदस्य, प्रदान करता है। इस संदर्भ में, विवाह की संस्था पारंपरिक रूप से स्थिरता की नींव रखती रही है। एक मजबूत पारिवारिक ढांचा न केवल बच्चे के विकास को सहारा देता है, बल्कि समाज की स्थिरता और एकता को भी मजबूती प्रदान करता है। यह रिश्तों की व्यवस्था पीढ़ियों दर पीढ़ियों संस्कृति को बनाए रखने में एक अहम भूमिका निभाती रही है। इस प्रक्रिया में भाषा एक महत्वपूर्ण कड़ी के रूप में काम करती है। मातृभाषा केवल संचार का माध्यम नहीं होती — उसमें संस्कृति, परंपरा और पहचान की आत्मा समाई होती है। जैसा कि मलेशिया की एक कहावत कहती है- भाषा समुदाय की आत्मा होती है। लेकिन आज शहरी उत्तराखंडी परिवारों में दूसरी और तीसरी पीढ़ी अपनी मातृभाषा शायद ही बोलती है। यह बदलाव सिर्फ शब्दों का नहीं है — यह परंपराओं और भावनात्मक संबंधों के धीमे क्षरण का संकेत है। जब भाषा खो जाती है, तो हमारे किस्से, गीत, लोकज्ञान और पहचान भी धीरे-धीरे मिटने लगते हैं। उदाहरण के तौर पर हमारे पारंपरिक वस्त्र — कुर्ता, पायजामा और धोती — अब केवल शादियों या धार्मिक अवसरों पर ही दिखाई देते हैं। यहां तक कि सांस्कृतिक आयोजनों में भी लोग अक्सर पश्चिमी या आधुनिक पोशाकों को प्राथमिकता देते हैं। आज की पीढ़ी की भाषा, भोजन और पहनावा अब एक वैश्विक रंग ले चुके हैं। विवाह, जो कभी एक पवित्र और पारिवारिक संस्कार हुआ करता था, अब एक सामाजिक आयोजन बनता जा रहा है। पहले दिन की नौतार — जहाँ रिश्तेदारों में भावनाएं, यादें और किस्से साझा होते थे — अब शहरी क्षेत्रों में एक कॉकटेल पार्टी में बदल चुकी है, जिसमें भावनात्मक जुड़ाव की कमी साफ़ दिखती है। दूसरे दिन की बाना-हल्दी हाथ — जो खासकर दुल्हन के परिवार के लिए एक भावनात्मक और पारंपरिक रस्म होती थी — अब हंसी-मज़ाक का एक हिस्सा बन गई है। शाम को बारात, जयमाला, भोजन और फिर लाइन तोड़ की रस्म होती है। सात फेरे, जो कभी विवाह का सबसे पवित्र हिस्सा माने जाते थे, अब केवल कुछ करीबी रिश्तेदारों तक सीमित रह गए हैं, जबकि पूरा आयोजन अब नृत्य, संगीत और शराब-युक्त पार्टियों के इर्द-गिर्द घूमता है। भारतीय विवाह, जो कभी एक पवित्र संस्कार होता था, अब फैशन शो और मनोरंजन का साधन बनता जा रहा है। इसी के साथ, जैसे-जैसे उत्तराखंड के लोग शिक्षा और रोज़गार के लिए शहरों की ओर गए, जाति और समुदाय की पारंपरिक सीमाएँ धुंधली होने लगीं। अनुमानों के अनुसार, अब 50त्न से अधिक युवक-युवतियाँ जाति या समुदाय से बाहर विवाह कर रहे हैं। आने वाले वर्षों में ये मिश्रित विवाह रिश्तों के स्वरूप, सांस्कृतिक पहचान और सामाजिक ढांचे को गहराई से प्रभावित करेंगे। जहाँ तक पहाड़ों में विकास का सवाल है — कोविड के दौरान जो लोग गांव लौटे थे, वे अब फिर से शहरों की ओर लौट चुके हैं। यह स्वयं इस बात का प्रमाण है कि पहाड़ों में रोज़गार और अवसरों की कितनी कमी है। जो लोग रिवर्स माइग्रेशन की बात करते हैं, उन्हें इस कड़वे सच का सामना करना होगा। अब समय है ठोस कदम उठाने का। उदाहरण के लिए, चकबंदी — यानी ज़मीनों का समेकन — कृषि को फिर से लाभदायक बनाने की दिशा में एक अहम कदम हो सकता है। इसके साथ-साथ गैरसैंण को स्थायी राजधानी बनाने के मुद्दे को भी गंभीरता से पुन: विचारने की आवश्यकता है। एक छोटा लेकिन सार्थक प्रयास यह हो सकता है कि हर साल एक ग्रामोत्सव का आयोजन किया जाए। इससे कम से कम साल में एक बार परिवार अपने गांव लौट सकते हैं, और युवाओं में अपनी जड़ों से जुड़ने की रुचि भी जाग सकती है। पहाड़ी समाज का परिवर्तन केवल बदलाव की कहानी नहीं है — यह चुनावों की भी कहानी है। आधुनिकता को अपनाना गलत नहीं है, लेकिन अपनी जड़ों को थामे रखना अब एक सामूहिक जिम्मेदारी बन चुका है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी : स्वदेशी का संकल्प और राष्ट्र निर्माण के प्रेरक

'परिश्रम में जो तपा है, उसने ही
तो इतिहास रचा है,
जिसने फौलादी चट्टानों को तोड़ा है,
उसने ही समय को मोड़ा है,
समय को मोड़ देने का भी यही
समय है, सही समय है।'

यह उद्घोष करने वाले हमारे प्रेरक, मार्गदर्शक और भारत निर्माण के दृष्टा यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी को उनके जन्मदिवस पर अनंत शुभकामनाएं। हमारा सौभाग्य है कि प्रधानमंत्री जी आज इस विशेष दिवस पर मध्यप्रदेश आ रहे हैं। उनकी इस यात्रा से प्रदेश को एक बड़ी सौगात मिलने जा रही है। वे धार जिले के भैंसोला ग्राम में देश के पहले फ्रपीएम मित्र पार्कफ्र की आधारशिला रखेंगे। इसके साथ ही वे 'स्वस्थ नारी-सशक्त परिवार और पोषण अभियान' तथा 'स्वच्छता ही सेवा% पखवाड़े का शुभारंभ करेंगे। मैं प्रदेश की साढ़े आठ करोड़ जनता के साथ प्रधानमंत्री जी का हार्दिक स्वागत और अभिनंदन करता हूँ।

प्रधानमंत्री जी का संपूर्ण जीवन परिश्रम, पुरुषार्थ और सेवा के प्रेरणादायी संकल्प की यात्रा है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के माध्यम से राष्ट्र और समाज सेवा का संकल्प लेकर उन्होंने अपने सार्वजनिक जीवन की यात्रा आरंभ की, जो प्रधानमंत्री के रूप में भी ध्येयनिष्ठ रही है। उनके लिए राष्ट्र प्रथम और सर्वोपरि है। यह उनके राष्ट्र निर्माण और देशहित में लिए गए निर्णयों और नेतृत्व क्षमता का ही परिणाम है कि आज भारत की गणना विश्व के अग्रणी राष्ट्रों में हो रही है।

उनके प्रत्येक निर्णय में राष्ट्र की नींव को सशक्त करने की झलक है। कश्मीर में धारा 370 को समाप्त करना और उच्चतम न्यायालय के निर्णय के बाद श्रीरामलला को अपने जन्म स्थान अयोध्या में प्रतिष्ठित करने में उनकी पहल अविश्वसनीय है। उन्होंने एक राष्ट्र, एक पहचान के लिए विभाजनकारी प्रवृत्तियों को समाप्त किया और समाज में एकत्व का भाव स्थापित किया।

उनका दूरदर्शी नेतृत्व आधुनिक भारत को आत्मनिर्भर, सुरक्षित, समृद्ध और सांस्कृतिक रूप से गौरवशाली राष्ट्र बनाने की दिशा में निरंतर प्रेरित कर रहा है। यह हम सभी के लिए गर्व की बात है कि उनके मार्गदर्शन में जनकल्याण, आर्थिक सुदृढ़ीकरण, सांस्कृतिक पुनर्जागरण और राष्ट्रीय सुरक्षा के क्षेत्र में भारत को अनेक ऐतिहासिक उपलब्धियां प्राप्त हुई हैं।

प्रधानमंत्री के रूप में दायित्व संभालते ही सबसे पहले उन्होंने देशवासियों के स्वस्थ जीवन के लिए स्वच्छता अभियान छेड़ा। वे स्वयं हाथ में झाड़ू लेकर दिल्ली के प्रगति मैदान पहुँचे। गांव-गांव में स्वच्छता अभियान चलाया गया। प्रधानमंत्री जी के आह्वान पर मध्यप्रदेश की जनता भी इस अभियान में जुट गई और गांव से लेकर नगर तक स्वच्छता अभियान में मध्यप्रदेश अग्रणी राज्य बना। इंदौर ने लगातार 8 बार देश में स्वच्छ शहर के रूप में प्रथम स्थान प्राप्त किया।

मोदी जी ने आम नागरिक को आधुनिक चिकित्सा सेवा प्रदान करने के लिए आयुष्मान भारत योजना शुरू की, जिससे गरीब और असहाय परिवारों को उपचार में सहायता मिली। इस योजना से 40 करोड़ से अधिक नागरिकों को मुफ्त स्वास्थ सेवाएं प्राप्त हो रही हैं। समाज को अपने सांस्कृतिक गौरव के प्रति आत्मविश्वास उत्पन्न कराने के लिये प्रधानमंत्री जी ने हमें 'विरासत के साथ विकास' का नारा दिया। भारतीय संस्कृति के गौरव और आधुनिकता के संतुलन को साधते हुए उन्होंने लोगों में आत्मनिर्भरता और राष्ट्रप्रेम की भावना जगाई।

मुझे यह बताते हुए गर्व का अनुभव हो रहा है कि श्री मोदी जी ने भारत की अर्थव्यवस्था को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया। जब उन्होंने कार्यभार संभाला था तब भारत विश्व की ग्यारहवीं अर्थव्यवस्था था। केवल ग्यारह वर्षों में भारत चौथे स्थान पर पहुंचा और अब तीसरी अर्थव्यवस्था बनने की ओर अग्रसर है।

तेल आयात, व्यापार, रक्षा उत्पादन और तकनीकी नवाचार में भारत ने नई मिसाल कायम की है। आयुध निर्यातक देश के रूप में भी भारत ने अपनी सैन्य क्षमता का प्रदर्शन किया। %स्पेस टेक्नोलॉजी% में भारत ने चंद्रमा के दक्षिण ध्रुव पर तिरंगा फहराकर विश्व को चकित कर दिया और विज्ञान तथा तकनीक में अपनी श्रेष्ठता सिद्ध की है।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के व्यक्तित्व की सबसे बड़ी विशेषता है कि वे जो कहते हैं उसका क्रियान्वयन भी करते हैं। उन्होंने इसी वर्ष स्वतंत्रता दिवस पर लाल किले

की प्राचीर से जीएसटी रिफॉर्म की घोषणा की थी और एक माह के भीतर इसे लागू करने का निर्णय ले लिया। इस फैसले से देश की कर-प्रणाली सरल होगी, महंगाई कम होगी और आर्थिक न्याय के साथ समावेशी विकास को गति मिलेगी।

प्रधानमंत्री जी की आर्थिक नीतियों ने निवेश, उत्पादन और रोज़गार के क्षेत्र में नई संभावनाएं निर्मित की हैं। ये नीतियाँ देशवासियों को राहत देने के साथ वैश्विक स्तर पर भारत के आत्म-सम्मान का प्रतीक बनी। अमेरिका जैसी आर्थिक महाशक्ति ने भारत पर भारी टैरिफ लागू कर दबाव बनाने की कोशिश की, लेकिन श्री मोदी जी की रणनीति ने उन्हें पीछे हटने पर मजबूर कर दिया। रूस और चीन के साथ सहयोग कर नए व्यापारिक मार्ग स्थापित करना और जीएसटी जैसे आर्थिक सुधार लागू करना उनकी कुशल और निर्णायक नेतृत्व क्षमता का परिणाम है।

प्रधानमंत्री जी का लक्ष्य है कि देश का युवा आत्मनिर्भर बने और राष्ट्र निर्माण में अग्रणी भूमिका निभाए। युवाओं को उनकी क्षमता के अनुरूप रोज़गार देने के लिए उन्होंने 'प्रधानमंत्री विकसित भारत रोज़गार योजना' लागू की। इसका उद्देश्य साढ़े तीन करोड़ से अधिक युवाओं को रोज़गार उपलब्ध कराना है।

प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व में युवाओं को कौशल विकास, स्वरोज़गार, स्टार्टअप, तकनीकी नवाचार और वैश्विक प्रतिस्पर्धा में आगे बढ़ने के अवसर मिल रहे हैं। मुद्रा योजना के तहत लगभग 52.5 करोड़ छोटे उद्यमियों को वित्तीय सहायता प्रदान कर उनके व्यवसाय को गति दी गई।

प्रधानमंत्री जी का मानना है कि किसी भी परिवार, समाज और राष्ट्र की नींव में महिलाओं की भागीदारी महत्वपूर्ण होती है। उन्होंने महिलाओं के कल्याण, सुरक्षा और आर्थिक स्वावलंबन के लिए अनेक योजनाएँ लागू की हैं। उज्ज्वला योजना से 10.33 करोड़ से अधिक महिलाओं को धुएं से मुक्ति दिलाई। इससे महिलाओं के स्वास्थ्य में भी सुधार हुआ और उन्हें सम्मान जनक जीवन जीने का अवसर भी मिला।

प्रधानमंत्री आवास योजना से 4 करोड़ से अधिक लोगों को संपत्ति का अधिकार मिला। महिला आरक्षण लागू कर उन्होंने महिलाओं की राजनीतिक सहभागिता को बढ़ावा दिया। %लखपति दीदी अभियान% के माध्यम से 3 करोड़ महिलाओं को आर्थिक सशक्तिकरण की दिशा में आगे बढ़ाया जा रहा है। पिछले 10 वर्षों में उन्होंने 25 करोड़ लोगों को गरीबी से बाहर निकाला है।

उन्होंने जनकल्याण की योजनाओं को जन-जन तक पहुँचाने के लिए निरंतर प्रयास किए। %प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना% के तहत 81 करोड़ से अधिक नागरिकों को नि:शुल्क खाद्यान्न दिया गया। स्वच्छ भारत मिशन के अंतर्गत 12 करोड़ से अधिक शौचालय बनाए गए, जिससे स्वच्छता और स्वास्थ्य में सुधार हुआ। %जल जीवन मिशन% के तहत 15 करोड़ से अधिक घरों तक नल से जल पहुंचाया गया। इन योजनाओं ने देश के हर वर्ग को सीधे लाभ पहुँचाया।

रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' से वे देश के हर जन-मन से जुड़े, हरेक की समस्या को जाना और समाधान पहुँचाने का प्रयास किया। उन्होंने राष्ट्र की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी। सीमाओं की सुरक्षा, आतंकवाद का सामना और वैश्विक मंच पर भारत की स्थिति को सुदृढ़ करने के लिए उन्होंने अनेक निर्णय लिए। %ऑपरेशन सिंदूर% से भारत ने अपनी सैन्य क्षमता का प्रदर्शन किया और विश्व को भारत की शक्ति से परिचित कराया। उनके नेतृत्व में भारतीय सेना को आधुनिक उपकरणों से सुसज्जित किया गया।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी का नेतृत्व सेवा, त्याग, अनुशासन, आत्मनिर्भरता और राष्ट्रप्रेम का प्रतीक है। उनके द्वारा चलाए गए कार्यक्रमों ने आम नागरिक को राहत दी, स्वास्थ्य सुरक्षा प्रदान की, आर्थिक विकास की राह दिखाई, सांस्कृतिक चेतना को बढ़ावा दिया। उनके नेतृत्व में भारत ने संघर्ष से समाधान, संकट से अवसर और सीमित संसाधनों से वैश्विक प्रतिष्ठा की यात्रा तय की है।

आज प्रधानमंत्री जी के जन्मदिवस पर हम यह संकल्प लें कि उनके आदर्शों का अनुसरण करते हुए राष्ट्रहित में कार्य करेंगे और विकसित भारत के निर्माण में अपना योगदान देंगे। देश को विश्व शक्ति बनाने के लिए प्रधानमंत्री जी ने सेवा और स्वदेशी का आह्वान किया है।

मुझे विश्वास है कि प्रदेश के कपास उत्पादक क्षेत्र में टैक्सटाइल उद्योग के लिए स्थापित होने वाला 'पीएम मित्र पार्क' प्रधानमंत्री जी की स्वदेशी की संकल्पना को आकार देने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। प्रदेश को मिलने वाले इस आशीर्वाद से हम सभी अभिभूत हैं। 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका कल्याण' करने वाले युगदृष्टा माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी को पुन: जन्मदिवस की हार्दिक शुभकामनाएँ...।

(लेखक, मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री हैं)

- डॉ. मोहन यादव

नरेन्द्र मोदी युगांतरकारी नेतृत्व के प्रतीक महामानव

नरेंद्र मोदी आज केवल भारत के प्रधानमंत्री नहीं, बल्कि वैश्विक परिदृश्य के सबसे प्रभावशाली नेताओं में गिने जाते हैं। उनका व्यक्तित्व और कृतित्व भारतीय लोकतंत्र की गौरवगाथा को नई ऊँचाइयों तक ले गया है। साधारण परिवार में जन्मा एक बालक, जिसने जीवन के संघर्षों को तपस्या की तरह जिया, आज विश्व राजनीति ही नहीं, सम्पूर्ण मानवता का मार्गदर्शक बन गया है। उनका जीवन इस बात का प्रमाण है कि यदि व्यक्ति में अटूट परिश्रम, कर्मनिष्ठा और राष्ट्रनिष्ठा का अदम्य संकल्प हो, तो वह इतिहास की धारा को भी मोड़ सकता है। नरेंद्र मोदी का उदय किसी एक व्यक्ति की उपलब्धि भर नहीं है, बल्कि यह भारत की जाग्रत चेतना और आत्मविश्वास का प्रतीक है। इक्कीसवीं सदी के भाल पर अपने कर्तृत्व की जो अमिट रेखाएं उन्होंने खींची हैं, वे विश्व राजनीति, मानवता एवं राष्ट्रीयता के इतिहास में स्वर्णाक्षरों में अंकित रहेगी। राजनीति-क्रांति के साथ-साथ वे व्यक्ति-क्रांति एवं समाज-क्रांति के सूत्रधार है। उनके विराट व्यक्तित्व को किसी उपमा से उपमित करना उनके व्यक्तित्व को ससीम बनाता है। उनके लिये तो इतना ही कहा जा सकता है कि वे अनिर्वचनीय हैं। इस वर्ष उनका 75वां जन्मोत्सव मनाते हुए समूचा राष्ट्र अपूर्व गर्व और गौरव की अनुभूति कर रहा है। मोदी का व्यक्तित्व अनेक विलक्षणताओं का समवाय है, वह कठोर परिश्रम और मिशनरी दृष्टिकोण का जीवंत उदाहरण है। उनके दिन और रात का प्रत्येक क्षण राष्ट्र के लिए समर्पित रहता है। वे चौबीस घंटे भारत के लिए जीते हैं और योजनाओं को केवल कागजों पर नहीं छोड़ते, बल्कि उन्हें धरातल पर उतारते हैं। उनका मंत्र सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास केवल राजनीतिक नारा नहीं, बल्कि भारत के सामाजिक-सांस्कृतिक जीवन को नई दिशा देने वाला दर्शन है। उन्होंने राजनीति को सत्ता की होड़ से निकालकर सेवा और राष्ट्रनिर्माण का साधन बना दिया। काल के अनंत प्रवाह में 75 वर्षों का मूल्य बहुत नगण्य होता है, पर मोदी ने उद्देश्यपूर्ण जीवन जीकर जो ऊंचाइयां और उपलब्धियां हासिल की हैं, वे किसी कल्पना की उड़ान से भी अधिक है। अपने जीवन के सार्थक प्रयत्नों से उन्होंने इस बात को सिद्ध किया है कि साधारण पुरुष वातावरण से बनते हैं, किन्तु महामानव वातावरण बनाते हैं। समय और परिस्थितियां उनका निर्माण नहीं करती, वे स्वयं समय और परिस्थितियों का निर्माण करते हैं। साधारण पुरुष जहां अवसर को खोजते रहते हैं, वहां महापुरुष नगण्य अवसरों को भी अपने कर्तृत्व की छेनी से तराश कर महान् बना देते हैं। नरेन्द्र मोदी का जन्म एवं पालन-पोषण वडनगर, बॉम्बे राज्य (वर्तमान गुजरात) में 17 सितंबर 1950 को हुआ। जहाँ उन्होंने अपनी माध्यमिक शिक्षा पूरी की। आठ साल की उम्र में उनका आरएसएस से परिचय हुआ और वे 1971 में गुजरात में संगठन के पूर्णकालिक कार्यकर्ता बन गए। और 1998 में महासचिव बने। वे भारतीय राजनीति के जुझारू, कर्मठ एवं जीवट वाले नेता हैं जो 2014 से भारत के प्रधानमंत्री के रूप में कार्यरत हैं। मोदी 2001 से 2014 तक गुजरात के मुख्यमंत्री रहे और वाराणसी से सांसद हैं। इस वर्ष अपने 75वें जन्मदिन पर मोदी मध्य प्रदेश के धार जिले के भैंसोला गांव में रहेंगे। इस दिन प्रधानमंत्री मेगा इंटीग्रेटेड टेक्सटाइल रीजन एंड एपेरल पार्क का भूमि पूजन करेंगे। कपास आधारित उद्योगों पर आधारित यह पार्क 6 लाख किसानों को फायदा देगा। इसके अलावा स्वस्थ नारी, सशक्त परिवार अभियान का शुभारंभ करेंगे, इस अभियान का उद्देश्य महिलाओं और बच्चों के लिए स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत कर उनकी पहुंच को बेहतर करना, गुणवत्तापूर्वक देखभाल और जागरूकता सुनिश्चित करना है। इसके अलावा महिलाओं के लिए कई अन्य योजनाओं की भी शुरुआत होगी। मोदी के नेतृत्व में भारत ने जिन उपलब्धियों को हासिल किया है, वे युगांतरकारी कही जा सकती हैं। आर्थिक क्षेत्र में जीएसटी, डिजिटल इंडिया, स्टार्टअप इंडिया, मेक इन इंडिया जैसी योजनाओं ने देश को नई गति दी। वैश्विक मंच पर नरेंद्र मोदी ने भारत की प्रतिष्ठा को नई ऊँचाइयों पर पहुँचाया। संयुक्त राष्ट्र महासभा में उनके विचार, जी-20 शिखर सम्मेलन में भारत की अध्यक्षता, कोप-26 जैसे पर्यावरण मंचों पर उनकी स्पष्ट प्रतिबद्धता, विश्व को यह संदेश देती है कि भारत अब केवल दर्शक नहीं, बल्कि निर्णायक भूमिका निभाने वाला राष्ट्र है। कोविड महामारी के दौरान वैक्सीन मैत्री योजना ने यह सिद्ध कर दिया कि भारत अपनी सीमाओं से परे जाकर पूरी मानवता के लिए सोचता है। यही कारण है कि आज भारत को विश्वगुरु की भूमिका निभाने वाला देश माना जाने लगा है और नरेंद्र मोदी इस नई पहचान के प्रेरक बने हैं। मेरे लिए भी नरेंद्र मोदी का व्यक्तित्व केवल दूर से देखने का विषय नहीं रहा, बल्कि उनके साथ जुड़े अनेक आत्मीय अनुभव आज भी मेरे जीवन की स्मृतियों में ताजा है। वर्ष 2007 में जब मैं सुखी परिवार फाउंडेशन के महामंत्री के रूप में कार्य कर रहा था, तब गुजरात के आदिवासी अंचल कवांट में एक विशाल आदिवासी सम्मेलन गणि राजेन्द्र विजयजी के नेतृत्व में हमने आयोजित किया था। उस सम्मेलन में नरेंद्र मोदी स्वयं पधारे थे। गणि राजेंद्र विजयजी के प्रभाव से उस सम्मेलन में करीब डेढ़ लाख आदिवासी एकत्र हुए थे और मोदीजी ने उस सम्मेलन को जिस संवेदनशीलता और गंभीरता से संबोधित किया, वह उनकी लोकमंगलकारी दृष्टि और आदिवासी समाज के प्रति गहरी प्रतिबद्धता का प्रमाण था। मेरे लिए यह केवल एक व्यक्तिगत संस्मरण नहीं, बल्कि इस बात का साक्षात अनुभव है कि मोदीजी किस तरह जीवन के हर स्तर पर मिलने वाले लोगों और परिस्थितियों को दूरगामी दृष्टि से देखते हैं और उनमें राष्ट्र निर्माण की संभावनाएँ खोजते हैं। मोदीजी के व्यक्तित्व का एक बड़ा पक्ष मानवीय संवेदनाओं से भरा हुआ है। चाहे गरीबों को पक्का मकान उपलब्ध कराना हो, किसानों की आय बढ़ाने की दिशा में ठोस कदम उठाना हो, बेटियों की शिक्षा और सुरक्षा को सुनिश्चित करना हो या स्वास्थ्य और शिक्षा जैसी बुनियादी सुविधाएँ आम जन तक पहुँचाना हो, मोदी का हर कदम जीवन को सरल और सम्मानजनक बनाने पर केंद्रित है। वे न्यूनतम सरकार और अधिकतम शासन के सिद्धांत पर चलते हुए प्रशासन को अधिक सक्षम और प्रभावी बनाते हैं। उनका नेतृत्व केवल आधुनिकता और विकास तक सीमित नहीं है, बल्कि भारतीय संस्कृति और अध्यात्म से भी गहराई से जुड़ा हुआ है। उनके प्रयासों से योग को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर पहचान मिली और 21 जून को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के रूप में मनाने का निर्णय हुआ। अयोध्या में राम मंदिर निर्माण, काशी विश्वनाथ धाम और केदारनाथ धाम का पुनरुद्धार उनके सांस्कृतिक राष्ट्रवाद और आस्था के प्रति गहरे सम्मान को प्रकट करता है। इस प्रकार वे आधुनिक भारत और प्राचीन भारत की आत्मा के बीच एक सेतु का कार्य करते हैं। आज नरेंद्र मोदी का नाम विश्व के शीर्ष नेताओं में गिना जाता है। टाइम और फोर्ब्स जैसी प्रतिष्ठित पत्रिकाएँ उन्हें दुनिया के सबसे शक्तिशाली व्यक्तियों की सूची में शामिल करती हैं। अमेरिका, रूस, फ्रांस, जापान जैसे देशों के शीर्ष नेतृत्व के साथ उनके व्यक्तिगत रिश्ते भारत की कूटनीति को नई ऊँचाइयों तक ले गए हैं। आतंकवाद, जलवायु परिवर्तन, शांति और विकास जैसे मुद्दों पर उनकी स्पष्ट और निर्णायक आवाज आज पूरी दुनिया सुनती है। उनका 75वां जन्मोत्सव केवल एक व्यक्ति के जीवन का उत्सव नहीं है, बल्कि उस युगांतरकारी यात्रा का प्रतीक है जिसने भारत को नई ऊँचाइयों की ओर अग्रसर किया है। वे उस नेतृत्व के धनी हैं जिसने भारत को विश्वगुरु बनाने की दिशा में ठोस कदम बढ़ाए हैं। कठोर परिश्रम, राष्ट्रनिष्ठा और मिशनरी दृष्टि से ओतप्रोत नरेंद्र मोदी भारतीय राजनीति का ही नहीं, विश्व राजनीति का भी स्वर्णिम अध्याय हैं। आने वाला समय इस बात का साक्षी बनेगा कि उनका नेतृत्व न केवल एक नए भारत का निर्माण करेगा, बल्कि विश्व को भी शांति, सहयोग और विकास का नया मार्ग दिखाएगा।

-ललित गर्ग

निर्माण और शिल्पकला के देवता भगवान विश्वकर्मा

भगवान विश्वकर्मा को निर्माण एवं सृजन का देवता माना जाता है। हिंदू धर्म में इन्हें सृष्टि के दिव्य शिल्पकार, देवताओं के वास्तु विशेषज्ञ और पहले इंजीनियर के रूप में पूजा जाता है। विश्वकर्मा रचनात्मकता, तकनीकी कौशल और नवाचार के प्रतीक हैं। उनके सम्मान में भाद्रपद मास की सूर्यकन्या संक्रांति पर विश्वकर्मा जयंती मनाई जाती है। यह वह दिन है जब सूर्य सिंह राशि से कन्या राशि में प्रवेश करता है। इस दिन मजदूर, कारीगर, इंजीनियर, आर्किटेक्ट और उद्योगपति अपने औजारों और मशीनों की पूजा करते हैं। पौराणिक मान्यताओं के अनुसार चार युगों में विश्वकर्मा जी ने कई नगर और भवनों का निर्माण किया था। विश्वकर्मा पूजा एक ऐसा त्योहार है जहां शिल्पकार, कारीगर, श्रमिक भगवान विश्वकर्मा का त्योंहार मनाते हैं। कहा जाता है कि भगवान ब्रह्मा के पुत्र विश्वकर्मा ने पूरे ब्रह्मांड का निर्माण किया था। विश्वकर्मा को देवताओं के महलों का वास्तुकार भी कहा जाता है। विश्वकर्मा दो शब्दों विश्व (संसार या ब्रह्मांड) और कर्म (निर्माता) से मिलकर बना है। इसलिए विश्वकर्मा शब्द का अर्थ है दुनिया का निर्माण करने वाला। विश्वकर्मा शिल्पशास्त्र के आविष्कारक और सर्वश्रेठ ज्ञाता माने जाते हैं। जिन्होने विश्व के प्राचीनतम तकनीकी ग्रंथों की रचना की थी। इन ग्रंथों में न केवल भवन वास्तु विद्या, रथ आदि वाहनों के निर्माण बल्कि विभिन्न रत्नों के प्रभाव व उपयोग आदि का भी विवरण है। माना जाता है कि उन्होनें ही देवताओं के विमानों की रचना की थी। भगवान विश्वकर्मा की उत्पत्ति ऋवेद में हुई है। जिसमें उन्हें ब्रह्मांड के निर्माता के रूप में वर्णित किया गया है। भगवान विष्णु और शिवलिंग की नाभि से उत्पन्न भगवान ब्रह्मा की अवधारणाएं विश्वकर्मण सूक्त पर आधारित हैं। विश्वकर्मा प्रकाश को वास्तुतंत्र का अपूर्व ग्रंथ माना जाता है। इसमें अनुपम वास्तुविद्या को गणितीय सूत्रों के आधार पर प्रमाणित किया गया है। ऐसा माना जाता है कि सभी पौराणिक संरचनाए भगवान विश्वकर्मा द्वारा निर्मित हैं। भगवान विश्वाकर्मा के जन्म को देवताओं और राक्षसों के बीच हुए समुद्र मंथन से माना जाता है। पौराणिक युग के अस्त्र और शस्त्र भगवान विश्वकर्मा द्वारा ही निर्मित हैं। विश्वकर्मा जयंती का औद्योगिक जगत और भारतीय कलाकारों, मजदूरो, इंजीनियर्स आदि के लिए खास महत्व है। विश्वकर्मा जयन्ती भारत के जम्मू कश्मीर, पंजाब, हिमाचल, हरयाणा, दिल्ली, राजस्थान, मध्यप्रदेश,

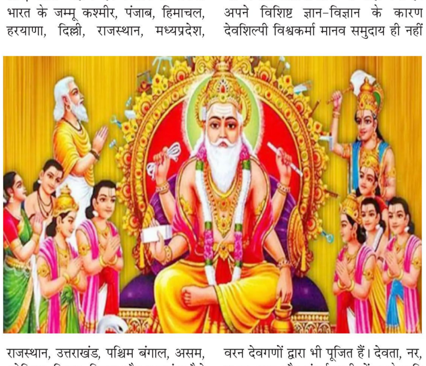

राजस्थान, उत्तराखंड, पश्चिम बंगाल, असम, ओडिशा, त्रिपुरा, बिहार और झारखंड जैसे राज्यों में मनायी जाती है। नेपाल में भी विश्वकर्मा पूजा को बड़े उत्साह के साथ मनाया जाता है। विश्वकर्मा के पूजन और उनके बताये वास्तुशास्त्र के नियमों का अनुपालन कर बनवाये गये मकान और दुकान शुभ फल देने वाले माने जाते हैं। इनमें कोई वास्तुदोष नहीं माना जाता। औद्योगिक श्रमिकों द्वारा इस दिन बेहतर भविष्य, सुरक्षित कामकाजी परिस्थितियों और अपने-अपने क्षेत्र में सफलता के लिए प्रार्थना की जाती हैं। विश्वकर्मा जयन्ती के दिन देश के कई हिस्सों में काम बंद रखा जाता है और खूब पंतगबाजी की जाती है। विभिन्न प्रदेशों की सरकार विश्वकर्मा जयन्ती पर अपने कर्मचारियों को सावेतनिक अवकाश प्रदान करती है। यह त्योहार मुख्य रूप से दुकानों, कारखानों और उद्योगों द्वारा मनाया जाता है। इस अवसर पर, कारखानों और औद्योगिक क्षेत्रों के श्रमिक अपने औजारों की पूजा करते हैं। विश्वकर्मा वैदिक देवता के रूप में सर्वमान्य हैं। इनको गृहस्थ आश्रम के लिए आवश्यक सुविधाओं का निर्माता और प्रवर्तक भी कहा गया है। अपने विशिष्ट ज्ञान-विज्ञान के कारण देवशिल्पी विश्वकर्मा मानव समुदाय ही नहीं वरन देवगणों द्वारा भी पूजित हैं। देवता, नर, असुर, यक्ष और गंधर्व सभी में उनके प्रति सम्मान का भाव है। भगवान विश्वकर्मा के पूजन- अर्चना किये बिना कोई भी तकनीकी कार्य शुभ नहीं माना जाता। इसी कारण विभिन्न कार्यो में प्रयुक्त होनेवाले औजारों, कल-कारखानों और विभिन्न उद्योगों में लगी मशीनों का पूजन विश्वकर्मा जयंती पर किया जाता है।

विश्वकर्मा को सृष्टि के रचयिता ब्रह्माजी का वंशज माना गया है। ब्रह्माजी के पुत्र धर्म तथा धर्म के पुत्र वास्तु देव थे। जिन्हें शिल्पशास्त्र का आदि पुरुष माना जाता है। इन्हीं वास्तु देव की अंगिरसी नामक पत्नी से विश्वकर्मा का जन्म हुआ। अपने पिता के पद चिन्हों परचलते हुए विश्वकर्मा भी वास्तुकला के महान आचार्य बने। मनु, मय, त्वष्टा, शिल्पी और देवज्ञ इनके पुत्र हैं। इन पांचों पुत्रों को वास्तुशिल्प की अलग-अलग विधाओं में विशेषज्ञ मानाजाता है। पौराणिक साक्ष्यों के मुताबिक स्वर्ग लोक की इन्द्रपुरी, यमपुरी, वरुणपुरी, कुबेरपुरी, असुर राजरावण की स्वर्णनगरी लंका, भगवान श्रीकृष्णकी समुद्र नगरी द्वारिका और पांडवों की राजधानी हस्तिनापुर के निर्माण का श्रेय भी विश्वकर्मा को ही जाता है। पौराणिक कथाओं में इन उत्कृष्ट नगरियों के निर्माण के रोचक विवरण मिलते हैं। उ?ीसा का विश्व प्रसिद्ध जगन्नाथ मंदिर तो विश्वकर्मा के शिल्प कौशल का अप्रतिम उदाहरण माना जाता है। विष्णु पुराण में उल्लेख है कि जगन्नाथ मंदिर की अनुपम शिल्प रचना से खुश होकर भगवान विष्णु ने उन्हे शिल्पावतार के रूप में सम्मानित किया था। महाभारत में पांडव जहां रहते थे उस स्थान को इंद्रप्रस्थ के नाम से जाना जाता था। इसका निर्माण भी विश्ववकर्मा ने किया था। कौरव वंश के हस्तिनापुर और भगवान कृष्ण के द्वारका का निर्माण भी विश्वणकर्मा ने ही किया था। सतयुग का स्वर्ग लोक, त्रेतायुग की लंका, द्वापर की द्वारिका और कलयुग के हस्तिनापुर आदि के रचयिता विश्वकर्मा जी की पूजा अत्यन्त शुभकारी है। सृष्टि के प्रथम सूत्रधार, शिल्पकार और विश्व के पहले तकनीकी ग्रन्थ के रचयिता भगवान विश्वकर्मा ने देवताओं की रक्षा के लिये अस्त्र-शस्त्रों का निर्माण किया था। विष्णु को चक्र, शिव के त्रिशूल, इंद्र को वज्र, हनुमान को गदा और कुबेर को पुष्पक विमान विश्वकर्मा ने ही प्रदान किये थे। सीता स्वयंवर में जिस धनुष को श्रीराम ने तो?ा था वह भी विश्वकर्मा के हाथों बना था। जिस रथ पर निर्भर रहकर श्रेष्ठ धनुर्धर अर्जुन संसार को भस्म करने की शक्ति रखते थे उसके निर्माता विश्वकर्मा ही थे। पार्वती के विवाह के लिए जो मण्डप और वेदी बनाई गई थी वह भी विश्वकर्मा ने ही तैयार की थी। माना जाता है कि विश्वकर्मा ने ही लंका का निर्माण किया था। इसके पीछे कहानी है कि शिव ने माता पार्वती के लिए एक महल का निर्माण करने के लिए भगवान विश्वकर्मा को कहा तो विश्वकर्मा ने सोने का महल बना दिया। इस महल के पूजन के दौरान भगवानशिव ने राजा रावण को आंमत्रित किया। रावण महल को देखकर मंत्रमुग्ध हो गया और जब भगवानशिव ने उससे दक्षिणा में कुछ देने को कहा तथा उसने महल ही मांगलिया। भगवान शिव ने उसे महल देकर वापस पर्वतों पर चले गए। विश्वकर्मा ने देवताओं के लिए उड़ने वाले रथों का निर्माण किया था। विश्वकर्मा ने देवताओं के राजा इंद्र का हथियार वज्र का निर्माण किया था। वज्र को ऋषि दधीचि और अज्ञेयस्त्र की हड्डियों से बनाया गया है। भगवान विष्ण का सुदर्शन चक्र उनकी शक्तिशाली रचनाओं में से एक था। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 17 सितंबर 2023 को प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना प्रारम्भ की थी। जिसमें अपने हाथों और औजारों से काम करने वाले कारीगरों और शिल्पकारों को संपूर्ण सहायता प्रदान की जाती है। इस योजना में 18 व्यवसायों में लगे कारीगर और शिल्पकार शामिल हैं, जैसे बढ़ई, नाव निर्माता, कवचकार, लोहार, हथौड़ा और औजार बनाने वाला, ताला बनाने वाला, सुनार, कुम्हार, मूर्तिकार, पत्थर तोड़ने वाला, चर्मकार, जूते बनाने वाला, राजमिस्त्री, टोकरी,चटाई, झाड़ू बनाने वाला, बुनकर, गुड़िया और खिलौने बनाने वाला (पारंपरिक), नाई, माला बनाने वाला (मालाकार), धोबी, दर्जी और मछली पकड़ने के जाल बनाने वाले लोग शामिल हैं। पीएम विश्वकर्मा योजना में पीएम विश्वकर्मा प्रमाणपत्र और पहचान पत्र के माध्यम से मान्यता, कौशल सत्यापन के माध्यम से कौशल उन्नयन, बुनियादी कौशल, उन्नत कौशल प्रशिक्षण, उद्यमशीलता ज्ञान, 15,000 रुपये तक के टूलकिट प्रोत्साहन, तीन लाख रुपये तक की ऋष्ण सहायता दी जाती है।

-रमेश सर्राफ धमोरा

इंदौर बाजार भाव

इंदौर। छुटपुट मॉंग से मंगलवार को खाद्य तेलों में बाजार मजबूती के रहे। तिलहनों में टिकाव रहा। दलहनों में लेवाली से चना व मसूर में टिकाव रहा। किराना जिंसों में शक्कर में सुधार रहा। व्यापारिक सूत्रों के अनुसार खाद्य तेलों में ताजा पूछपरख के बाद बाजार में मजबूती बनी हई है। तिलहनों में टिकाव देखा जा रहा है। दलहनों में लेवाली से चने व मसूर में टिकाव देखा गया। किराना जिंसों में शक्कर पूछपरख से मजबूत रही। भाव इस प्रकार रहे-

किराना- शक्कर 4240-4260, खोपरा गोला 325-375, खोपरा बूरा 4400-6600 (15 कि.ग्रा.), जीरा राजस्थान 250-260, ऊंझा हल्का 270-275, मीडियम 280-290, बेस्ट 290-320, हल्दी निजामाबाद 170-210, सांगली 265-270, साबूदाना हल्का 4800-4900, मीडियम 5000-5100, बेस्ट 5100-5200, सच्चा मोती 5300, मोरधन 7200-8200, सौंफ मोटी 110-250, एस्ट्रा बेस्ट 300-400, सौंफ बारिक 280-400, राई दाल 90-95, सरसो दाल 85-95, कालीमिर्च एटम 770-770, गरबल 711-715, मटरदाना 830-835, खसखस अनक्लीन 900-1200, क्लीन 1300-1500, दालचीनी 250-265, जायफल 725-750, बेस्ट 780-790, वाद्यान फूल 440-495, शाहजीरा 385, तेजपान 90-95, पत्थर फूल 340-425, बेस्ट 475-500, जावत्री 1675-1750, बेस्ट 1850-1890, केसर 175-185, सौंठ 375-400, धोली मूसली 2175-2250, लौंग 725-780, हींग (वनदेवी 751) 2600, पाउच 2650, 121 नं. दाना 2400, पाउच 2250, 111 नं. डिब्बी 2200, पाउच 2250, सिंघाडा 100-135, सिंदूर 6600, देशी कपूर 720-770, पूजा बादाम 115-200, पूजा सुपारी 450-475, अरीठा 130-145, हरि इलायची शंकर 2750-2900, विरूद्ध नगर 2950-3150, मीडियम 2900-3150, बोल्ड 3200-3300, एक्ट्रा बोल्ड 3375-3400, पानबार 2700, बड़ी इलायची 1550-1750, बेस्ट1800-1900, तरबूज मगज 665-690, काजू (240) 950-980, काजू (210) 950-1000, काजू (320) 870-900, काजू एस. डब्ल्यू 825-850, एस.एस. डब्ल्यू 800-825, जे.एच. 840-860, टुकड़ी 780-850, बादाम मगज 845-870, अमेरिकन 750-780, सिंगापुरी 795-815, अखरोट 510-800, जर्दालु 250-350, बेस्ट 450-600, किशमिश कंधारी 420-470, बेस्ट 550-650, इंडियन 140-150, बेस्ट 170-190, चारौली 1550-1650, बेस्ट 1700, मुनक्का 450-550, बेस्ट 650-900, अंजीर 750-1450, मखाना 1100-1625, खारक 115-135, मीडियम 140-180, बेस्ट 225-250, एक्ट्रा बेस्ट 300-310, पिस्ता 1400-1600, कंधारी 1750-1900, गेहूँ आटा 1820, मैदा कट्टा 1850, रवा कट्टा 1880, बेसन 4675 (50 कि.ग्रा.), नारियल (120) 3700-3750, (160) 4300-4350, (200) 5200-5400, (250) 5800-6000

तेल- सींगदाना 1330-1350, मुम्बई 1360, राजकोट तेलिया 2140-2150, सोया साल्वेंट 1180-1185, सोया रिफाइंड 1250-1260, कपास्या 1290-1295, धूलिया 1295, कड़ी 1295,

रात की धारणा- गुजरात लुज 1320, मुम्बई पाम 1270, मुम्बई सोया 1285,

खली- कपस्या खली (60 कि.ग्रा.) इन्दौर 2400, देवास-उज्जैन 2400, खंडवा-बुरहानपुर 2375, अकोला 3800 (प्रति क्विंटल)

तिलहन- सरसो 7000-7200, रायडा 6600-6800, सोयाबीन 4400, टोली (महुआ बीज) 4400-4600, करंज 4400-4500, अलसी 6800-7000, अरंडी 4500-4700, तिल्ली पुरानी 6500-7000, तिल्ली नई 7200-7500,

दलहन- चना कांटेवाला बेस्ट 5950-6000, एवरेज 5800-5900, विशाल 5450-5550, काबूली डॉलर 8500-9000, काबुली रशि?यन 5600-5800, बिटकी 5300-5400, मसूर बेस्ट 6100-6150, एवरेज 5800-5900, मूंग देशी 7800-7900, पाला 7900-8000, चमकी 8000-8100, नायलोन 8000-8100, तुअर निमाड़ी बेस्ट 6600-6700, एवरेज 6500-6600, हल्की 6400-6500, तुअर महाराष्ट्र 6600-6700, महाराष्ट्र लाल 6600-6900, उड़द बेस्ट 7600-7700, एवरेज 7400-7500, शंकर 7200-7300, हल्की 7000-7100,

दाल- चना दाल एवरेज 7700-8300, बोल्ड 8600-8800, तुअर दाल सवा नं. 7300-7400, तुअर दाल फूल 9000-9100, तुअर दाल बोल्ड 9900-10100, मसूर दाल एवरेज 7750-7850, बेस्ट 7950-8100, मूंग दाल 9500-9600, बोल्ड 9800-10000, मूंग मोगर 9300-9400, बोल्ड 9700-9800, उड़द दाल 8500-8600, बोल्ड 8700-8900, मोगर 9800-10000, बोल्ड 10100-10200,

अनाज- गेहूं मिल क्वालिटी 2625-2650, लोकवन 2800-2850, (147) 2600-2650, बेस्ट 2650-2800, मालवराज 2650-2675, पूर्णा 2750-2800, चन्द्रोसी 3000-3800, ज्वार देशी 2400-2550, मक्का पीली 2275-2300,

चावल- चावल हंसा सफेद 3000-3200, सेला 3500-3800, परमल 3400-3500, दुबराज 4000-4500, राजभोग 7000-7200, काली मुंछ 8500-8900, बासमती दुबार 9000-10000, मीनी दुबार 8000-8500, मोगरा 4500-6000, तिबार 10500-11000, बासमती (921) 12000-13000, बासमती सेला 7500-9500, पोहा 4800-5300,

मावा- इन्दौर 340, उज्जैन 280, रतलाम 320 रू. प्रति किलो।

इंदौर सर्राफा बाज़ार

इन्दौर। मंगलवार को स्थानीय सराफा बाजार में व्यापार अच्छा ही रहा। दोनों ही मूल्यवान धातुओं में बाजार तेजी के रहे। भाव इस प्रकार रहे-

चॉंदी (9999) 131500, चॉंदी (99) 131400, टंच 130600, सिक्का 1500, सोना 10 ग्राम 113500,

रुपया बढ़त के साथ बंद

मुंबई। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले मंगलवार को भारतीय रुपया सात पैसे की बढ़त के साथ ही 88.09 पर बंद हुआ। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में आज सुबह शुरुआती कारोबार में रुपया 12 पैसे की बढ़त के साथ 88.04 प्रति डॉलर पर पहुंच गया। निवेशक नयी दिल्ली में होने वाली अमेरिका-भारत व्यापार वार्ता से संकेतों का इंतजार कर रहे हैं। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में, रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 88.05 पर खुला और फिर 88.04 पर पहुंच गया, जो पिछले बंद भाव से 12 पैसे की बढ़त है। शुरुआती कारोबार में, घरेलू मुद्रा डॉलर के मुकाबले 88.16 पर भी पहुंच गई थी। सोमवार को, रुपया 10 पैसे बढ़कर 88.16 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था।

आज का राशिफल

मेष- आज का दिन आपके लिए किसी नए घर या वाहन आदि की खरीदारी के लिए बेहतर रहने वाला है। परिवार में यदि कोई कलह चल रही थी, तो वह भी दूर होगी और किसी सदस्य के विवाह प्रस्ताव पर मोहर लगने से माहौल खुशनुमा रहेगा। आप सामाजिक आयोजनों में बढ़ चढ़कर हिस्सा लेंगे। आपको कुछ बड़े नेताओं से भी मिलने का मौका मिल सकता है। आपको अपने किसी पुराने साथी के वापस आने से खुशी होगी।

वृषभ- आज का दिन आपके लिए साहस और पराक्रम में वृद्धि लेकर आने वाला है। रोजगार को लेकर परेशान चल रहे लोगों को अच्छी सफलता मिलेगी। यदि आपके स्वास्थ्य में कुछ समस्या चल रही थी, तो वह भी दूर होती दिख रही है। आपका किसी बात को लेकर मन परेशान रहेगा। आपको वाहनों के प्रयोग को सावधान रहकर करना होगा। कोर्ट कचहरी से संबंधित मामले को लेकर लापरवाही बिल्कुल ना दिखाएं।

मिथुन- आज का दिन आपके लिए आर्थिक दृष्टिकोण से अच्छा रहने वाला है। शेयर मार्केट में यदि आपने पहले इन्वेस्टमेंट किया था, तो वह आपको अच्छा लाभ देंगे। घूमने-फिरने के दौरान आपको कोई महत्वपूर्ण जानकारी प्राप्त होगी। आपके कुछ नए शत्रु उत्पन्न हो सकते हैं, जो आपको परेशान करने की कोशिश करेंगे। व्यापार में भी आपको अच्छा लाभ मिलेगा। आपके धन आगमन के रास्ते खोलेंगे और आपका दिमाग भी खूब चलेगा।

कर्क- आज का दिन आपके लिए सुख साधनों में वृद्धि लेकर आने वाला है। आप अपनी ऊर्जा को सही कामों में लगाएं और संतान से यदि पढ़ाई-लिखाई को लेकर परेशान है, तो आपको उनके मन में चल रही उलझनों को जानकर उसे दूर करना होगा। आपकी सुख साधनों में वृद्धि होने से खुशी होगी। आपको पारिवारिक बिजनेस को लेकर अपने भाइयों से बातचीत करनी होगी। आप अपने जीवनसाथी से कोई बात गुप्त ना रखें और सामाजिक कामों में आपको एक नई पहचान मिलेगी।

सिंह- आज का दिन आपके लिए पारिवारिक रिश्तों में मजबूती लेकर आएगा, लेकिन आपके खर्च आपकी टेंशनों को बढ़ा सकते हैं। आपको कोई सिरदर्द और आंखों से संबंधित समस्या परेशान करेगी। प्रेम जीवन जी रहे लोग साथी के साथ रोमांटिक समय व्यतीत करेंगे और उन्हें कोई गिफ्ट भी दे सकते हैं। आपको अपनी जेब का ख्याल रखते हुए खर्च करना बेहतर रहेगा।

कन्या- आज का दिन आपके लिए इनकम के मामले में बढ़िया रहने वाला है। आपकी इनकम का सोर्स बढ़ेंगे और यदि आपको कोई शारीरिक संबंधित समस्या चल रही थी, तो वह भी दूर होगी। आप काम को लेकर कुछ नई-नई खोज करेंगे, कहीं बाहर भी जा सकते हैं और आपको अत्यधिक बाहर के खाने से परहेज रखना होगा, क्योंकि उनको पेट से संबंधित कोई समस्या आपको परेशान करेगी। माता-पिता के आशीर्वाद से आपके काम आसानी से पूरे होंगे।

तुला- आज का दिन व्यापार कर रहे लोगों के लिए बढ़िया रहने वाला है, उनको पार्टनरशिप से भी अच्छे लाभ मिलेंगे और कुछ नए लोग भी उनके साथ काम करने की हामी भर सकते हैं। यदि आपका कोई मामला कोर्ट-कचहरी में विवादित था, तो उसमें फैसला आपके पक्ष में आने से खुशी होगी। आपके घर किसी पार्टी का आयोजन हो सकता है। आपको अपनी जरूरत के हिसाब से खर्च करना बेहतर रहेगा, क्योंकि आप कुछ खर्च दिखावे के चक्कर में करेंगे, जो बाद में आपकी मुश्किलों को बढ़ा सकते हैं।

वृश्चिक- आज का दिन आपके लिए भाग्य के दृष्टिकोण से अच्छा रहने वाला है। यदि आपके कामों में विघ्न आ रहे थे, तो वह भी दूर होंगे। आप जीवनसाथी के साथ किसी नए काम की शुरुआत कर सकते हैं। संतान की पढ़ाई-लिखाई से संबंधित यदि कोई समस्या थी, तो वह भी दूर होगी।

धनु- आज आपको कोई निवेश सोच समझकर करना होगा, क्योंकि आपका ध्यान भटकने की संभावना है और परिवार में किसी सदस्य से आपको कोई निराशाजनक सूचना सुनने को मिल सकती हैं। आप किसी अजनबी से लोगों अपनी बात शेयर न करे। बेवजह किसी बात को लेकर क्रोध न करें, नहीं तो आपकी इस आदत को लेकर लोग आपसे नाराज हो सकते हैं। आप वाहनों का प्रयोग भी थोड़ा सावधान रहकर करें और आपके स्वास्थ्य में भी उतार-चढ़ाव लगा रहेगा।

मकर- आज का दिन आपके लिए ठीक-ठाक रहने वाला है। नौकरी में यदि आपकी बॉस से खटपट चल रही थी, तो वह भी दूर होगी। आपको किसी नए काम में हाथ आजमाने का मौका मिलेगा। आपको प्रमोशन आदि मिलने से एक स्थान से दूसरे स्थान पर भी जाना पड़ सकता है। आप अपने मन की इच्छा को लेकर अपनी माताजी से बातचीत कर सकते हैं, जिनसे आप प्रेम करते हैं, आप उनसे अपने प्रेम का इजहार करें, तो आपको बेहतर रिजल्ट मिलेंगे।

कुंभ- आज आपको अपनी वाणी और व्यवहार पर संयम रखना होगा। किसी से कोई जरूरी जानकारी शेयर ना करें। जीवनसाथी से भी आपकी कहासुनी होने की संभावना है। संपत्ति को लेकर आप अपने भाई- बहनों से मिल बैठकर बातचीत करें। एक साथ कई काम हाथ लगने से आपकी व्याकाग्रता बढ़ेगी।

मीन- आज का दिन आपके लिए बढ़िया रहने वाला है। संतान आपकी उम्मीदों पर खरी उतरेगी, जो विद्यार्थी किसी परीक्षा को लेकर परेशान चल रहे हैं, उन्हें उसमें अच्छी सफलता हासिल होगी। भगवान के भक्ति में आपका खूब मन लगेगा। व्यापार में आप कुछ नई योजनाओं की शुरुआत कर सकते हैं, जो आपके लिए अच्छी रहेगी। यदि आप किसी बात को लेकर परेशान चल रहे थे, तो आपकी वह इच्छा भी पूर्ण होगी।

शब्दजाल - 8023

शब्दजाल में रणजी ट्राफी में तिहरा शतक बनाने वाले 10 नाम ढूंढिए. नाम उपर से नीचे एवं तिरछे भी हैं.

सु	रा	मा	त	र	र	अ	ट	गु	क	वि
दी	नी	सू	ह	का	ल	जी	दि	ल	को	ज
वा	र	ल	द	अं	त	त	मा	मो	ल	य
सं	वि	दा	गा	ल	क	वा	हा	ह	व	म
टा	ज	न	ष	व	म	डे	डी.	म्म	सी	चें
दि	य	य	स	जि	स्क	क	इ	द	म	ट
ने	ह	बु	मां	या	म	र	ह	र	जा	श
श	जा	ब	ला	ज	र	सौ	डी.	ट	फ	धी
मों	रे	त	सू	ह	रे	दा	ने	जे.	र	र
गि	ल	च	त्त	र	ट	क	बें	न	गां	थ
या	र	म	न	लां	बा	इ	र	म्हे	ह	धी

विजय मर्चेंट, सुनील गावस्कर, रमन लांबा, संजय मांजरेकर, गुल मोहम्मद, विजय हजारे, वसीम जाफर, दिनेश मोंगिया,अजीत वाडेकर, डी. जे. गांधी

शब्दजाल - 8022 का हल

गु	मी	रा	कु	मा	र	अ	फा	न	प	रा
न	ला	क	प	इं	डे	र्जु	शि	या	ड़	म
अ	दा	म	ला	र	ग	न	द	द	प	वि
प्र	ग	ल	न	ब	दू	सिं	प	या	लि	ला
त	ण	अ	सौ	बी	जा	ह	कि	नि	ला	स
आ	इ	व	मो	व	आ	व	त	धि	लू	पा
ग	जी	ल	मु	व	प	जा	न	मा	प्र	स
र	रि	भा	र	ख	प	स	द	र	सा	वा
क	म	ल	ना	थ	जी	ज	जी	न	द	न
न	ट	व	र	सिं	ह	ब्रा	स	अ	प	श
ब	शि	वा	जी	पा	टि	ल	त्ता	प	क	र

Jagrutidaur.com, Bangalore

फिल्म वर्ग पहेली - 6967

बायें से दायें:-

१. अभिषेक, करीना की 'जिसे तू ना मिला उसे कुछ' गीत वाली फिल्म-३
३. 'कितनी खूबसूरत ये' गीत वाली अमिताभ, विनोद, राखी की फिल्म-४
६. 'दिल विल प्यार व्यार' में आर. माधवन के साथ नायिका-३
७. सनी, प्रीति जिंटा की 'देखें भी तो क्या देखें' गीत वाली फिल्म-२
८. 'कैसी है दिल की लगी' गीत वाली विकास भल्ला, काजोल की फिल्म-३
१०. फिल्म 'ताजमहल' में प्रदीपकुमार की नायिका कौन थी?-२
१२. 'दिल में जागी धड़कन' गीतवाली लक्कीअली, गौरी की फिल्म-२
१४. 'माया मेमसाब' में शाहरूख के साथ नायिका कौन थी-२
१५. अजय देवगन, रवीना की 'एक से लेकर दस तक' गीत वाली फिल्म-४
१७. 'लिखे जो खत तुझे' गीत वाली शशिकपूर, आशापारेख की फिल्म-४
२१. प्रशांत, संध्या की 'पंख होते तो उड़ आती रे' गीत वाली फिल्म-३
२३. 'आज मदहोश हुआ जाए रे' गीत वाली शशिकपूर, राखी की फिल्म-३
२५. मनोज वाजपेयी, तब्बू की 'बाबा मेरी ये जवानी' गीत वाली फिल्म-२
२६. फिल्म 'इंडियन' में शिल्पा शेट्टी के साथ नायक कौन था?-२
२७. फिल्म 'बँबई से आया मेरा दोस्त' की नायिका कौन थी?-२
२९. 'आज फिर तुम पे प्यार आया है' गीत वाली फिल्म-४
३१. 'बंबई से रेल चली' गीत वाली फिल्म-३
३३. नसीर, अतुल, पूजाभट्ट की 'आज हमने दिल का' गीत वाली फिल्म-२
३४. 'गम का फसाना बन' गीत वाली फिल्म-४

ऊपर से नीचे:-

१. 'शरारत' में अभिषेक की नायिका?-३
२. 'अजनबी' में राजेश की नायिका?-३
३. अरशद, मयूरी कांगो की 'गुनगुनाती हुई इक नदी' गीत वाली फिल्म-३
४. जॉन अब्राहम, तारा शर्मा की फिल्म-२
५. सनी, सुनील, शिल्पा की 'शाम भी खूब है' गीत वाली फिल्म-२
७. 'जंगल' में उर्मिला का नायक?-४
९. संजय कपूर, जूही चावला की 'प्यार में दिल का' गीत वाली फिल्म-३
११. 'दूल्हा-दुल्हन की जोड़ी' गीत वाली अमिताभ, हेमा की फिल्म-३
१३. 'इश्क कमीना' गीतवाली फिल्म-२
१५. 'तू ही तू सतरंगी' गीतवाली फिल्म-२,१
१६. राज कुमार, हेमा, शत्रुघ्न, विजयेंद्र, मिथुन की १९८४ की एक फिल्म-३
१८. चंद्रचूड़सिंह, महिमा की फिल्म-२
१९. मिलिंद, विक्रम सलूजा, किरण की 'चंदा की चांदनी' गीत वाली फिल्म-३
२०. 'जैसे इक चाँद का टुकड़ा' गीत वाली सनी, अनिल, किमी की फिल्म-४
२२. 'बॉक्सर भाई' गीत वाली फिल्म-४
२४. 'चंपई धूप के साये' गीतवाली फिल्म-२
२६. 'आँखों में नींदें ना दिल में करार' गीत वाली फिल्म-३
२८. संजय कपूर, माधुरी की 'तूने अगर प्यार से' गीत वाली फिल्म-२
२९. 'चाँदनी रूप की' गीत वाली फिल्म-२
३०. 'ये कैसा है शहर' गीत वाली फिल्म-२
३२. 'कसूर' में आफताब शिवदासानी के साथ नायिका कौन थी-२

फिल्म वर्ग पहेली - 6966

अं	जा	म		जै		बा	द	श	ह
गा		न	म	की	न		म		म
रे	खा		हा		गी	त		ही	श
	मो	ह	श		ना	श	ज		ज
	शी		जा	नू		जू		फ	
स		गो		त	ब्बू		दो	श	स्ते
ती	स	श	कौ	न		बा		र	
श			न		जं	जी	र		घा
शा	र	दा		जं	ग		क्ष	त्रि	य
ह		सी	मा		ल		क		ल

Jagrutidaur.com, Bangalore

शब्द पहेली - 8491

बाएँ से दाएँ

1. शमशीर, कृपाण-4
4. उपद्रवी, आतंकी-4
6. अनुबंध, संधि-3
8. धोखा, छल, मक्कारी-3
9. चांदी-3
11. अश्रु-2
13. नीचता-5
15. कुंजी, जिससे ताला खोलते हैं-2
16. पुराना जुकाम-3
18. प्रश्न-3
19. चांदी-3
20. जहां ताजिये दफन किए जाते हैं-4
22. बोरिया-बिस्तर-4

ऊपर से नीचे

1. झगड़ा, कहासुनी-4
2. संगीत यंत्र-2
3. बहुत बड़ा, विशाल-3
4. अपनत्व, अपनापा-5
5. अनबन, झगड़ा-4
7. कपड़े धोनेवाला-3
10. तहजीबदार-5
12. अकस्मात, सहसा-4
14. दृष्टि, निगाह-3
17. बेमिसाल, अनूठा-4
18. बलवान-3
21. उम्मीद, आशा-2

शब्द पहेली -8490 का हल

आ	म	रा	य		सा	व	धा	न
रा		ह	म	स	फ	र		फ
ध	न			ली			का	र
ना	क		ना	का	रा		न	त
	ब	हा	र		श	र	भ	
खो	ज		द	ह	न		र	म
फ	न			र			ना	न
ना		स	र	फ	रो	श		च
क	र	त	ब		ना	मा	व	ली

Jagrutidaur.com, Bangalore

दैनिक पंचांग

17 सितम्बर 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	सिंह में	कन्या	05.50 बजे से
चंद्र	कर्क में	तुला	08.01 बजे से
मंगल	तुला में	वृश्चिक	10.15 ब.से
बुध	कन्या में	धनु	12.31 बजे से
गुरु	मिथुन में	मकर	14.37 बजे से
शुक्र	सिंह में	कुंभ	16.23 बजे से
शनि	मीन में	मीन	17.56 बजे से
राहु	कुंभ में	मेष	19.26 बजे से
केतु	सिंह में	वृष	21.07 बजे से
राहुकाल 12.00 से 1.30 बजे तक		मिथुन	23.05 बजे से
		कर्क	01.18 बजे से
		सिंह	03.34 बजे से

बुधवार 2025 वर्ष का 260 वा दिन **दिशाशूल** उत्तर **ऋतु** शरद। **विक्रम संवत्** 2082 **शक संवत्** 1947 **मास** आश्विन (दक्षिण भारत में भाद्रपद) **पक्ष** कृष्ण **तिथि** एकादशी 23.40 बजे को समाप्त। **नक्षत्र** पुनर्वसु 06.26 बजे को समाप्त। **योग** परिघ 22.55 बजे को समाप्त। **करण** बव 11.58 बजे तदनन्तर बालव 23.40 बजे को समाप्त। **चन्द्रायु** 24.8 घण्टे **रवि क्रान्ति** उत्तर 02° 14' **सूर्य** उत्तरायन **कलि अहर्गण** 1872470 **जूलियन दिन** 2460935.5 **कलियुग संवत्** 5126 **कल्पारंभ संवत्** 1972949123 **सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885123 **वीरनिर्वाण संवत्** 2551 **हिजरी सन्** 1446 **महीना** रवि उलावल **तारीख** 24 **विशेष** इंदिरा एकादशी, एकादशी श्राद्ध, कन्या संक्रांति, विश्वकर्मा पूजा।

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
लाभ	05.54 से 07.22 बजे तक	उद्वेग	05.41 से 07.12 बजे तक
अमृत	07.22 से 08.51 बजे तक	शुभ	07.12 से 08.44 बजे तक
काल	08.15 से 10.19 बजे तक	अमृत	08.44 से 10.16 बजे तक
शुभ	10.19 से 11.47 बजे तक	चर	10.16 से 11.47 बजे तक
रोग	11.47 से 01.16 बजे तक	रोग	11.47 से 01.19 बजे तक
उद्वेग	01.16 से 02.44 बजे तक	काल	01.19 से 02.51 बजे तक
चर	02.44 से 04.12 बजे तक	लाभ	02.51 से 04.23 बजे तक
लाभ	04.12 से 05.41 बजे तक	उद्वेग	04.23 से 05.54 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

प्रसंगत: तीन गहने

ईश्वरचंद्र विद्यासागर का बचपन बंगाल के मेदिनीपुर जिले के वीर सिंह गांव में बीता। एक बार ईश्वरचंद्र के मन में सवाल उठा कि गांव में सभी महिलाएं अच्छे - अच्छे गहने पहनती हैं, लेकिन उनकी मां कभी कोई गहना क्यों नहीं पहनती। एक दिन उन्होंने मां से बड़े प्यार से पूछा, 'मां, तुम्हें कौन - कौन से गहने अच्छे लगते हैं ?' मां हंसती हुई बोली, 'क्यों पूछ रहे हो बेटा ?' ईश्वर चंद्र ने कहा, 'जब मैं बड़ा होऊंगा न, तो तुम्हारे लिए ढेर सारे गहने बनवाऊंगा। 'यह सुन कर मां ने कहा, 'बेटा, मुझे बहुत सारे गहने तो नहीं चाहिए मगर तुम बनवा सको तो मेरे लिए तीन गहने अवश्य बनवाना। 'ईश्वरचंद्र ने पूछा, 'बताओ न मां, वे तीन गहने कौन - कौन हैं।' मां बोली, 'बेटा, पहला गहना यह है कि तुम बड़े होकर गांव में एक स्कूल बनवाना। यहां एक भी स्कूल नहीं है। गांव के बच्चों को पढ़ने के लिए बहुत दूर जाना पड़ता है। दूसरा गहना यह होगा कि गांव में एक दवाखाना बनवाना और तीसरा गहना यह होगा कि तुम यहां के अनाथ और गरीब बच्चों के लिए भोजन की व्यवस्था करना। मुझे यही गहने सबसे प्रिय हैं। 'यह सुन कर ईश्वरचंद्र की आंखों में आंसू आ गए। वह बोले, 'मां, मैं आप की इच्छानुसार आप के ये तीनों गहने अवश्य बनवाऊंगा। 'उन्होंने उसी समय प्रण किया कि जब तक मां की इच्छा पूरी नहीं होगी वह दूसरा कोई काम नहीं करेंगे। बड़े होने पर उन्होंने सबसे पहले मां के नाम पर भगवती देवी विद्यालय की स्थापना की, फिर एक दवाखाना बनवाया और ऐसी व्यवस्था की कि गांव के गरीब और अनाथ बच्चे कभी भूखा न सोएं। उनके काम की प्रशंसा सुन कर एक दिन एक विद्वान उनके योगदान की सराहना करने आए। उन्होंने कहा, 'तुम्हारी समझ बहुत अच्छी है जो ऐसा काम कर रहे हो। 'ईश्वचंद्र ने कहा, 'यह मेरी समझ नहीं है। यह तो बचपन में मां की दी हुई शिक्षा का फल है।'

सूडोकु नवताल- 7276

★☆☆☆☆ सरल

	7	9	4	2		6		3
	6		8		7		2	
4	1				3	5	8	
	9	8	3					
7		4		5		8		1
					9	7	3	
	8	5	7				4	6
	2		9		1		5	
3		1		6	8	9	7	

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7275 का हल

8	9	5	1	3	7	2	4	6
7	3	2	6	5	4	1	8	9
1	6	4	8	9	2	7	5	3
5	7	3	4	2	9	6	1	8
4	2	8	5	6	1	3	9	7
6	1	9	3	7	8	5	2	4
3	5	1	9	4	6	8	7	2
2	4	6	7	8	5	9	3	1
9	8	7	2	1	3	4	6	5

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद

मुंबई। भारतीय शेयर बाजार मंगलवार को तेजी के साथ बंद हुआ। सप्ताह के दूसरे ही कारोबारी दिन बाजार में ये उछाल दुनिया भर से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही वाहन शेयरों में खरीददारी हावी रहने से आया है। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 594.95 अंक बढ़कर 82,380.69 जबकि 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 169.90 अंक ऊपर आकर 25,239.10 पर बंद हुआ। आज कारोबार के दौरान अधिक सूचकांकों में तेजी रही। स्मॉलकैप, मिडकैप और लार्जकैप शेयरों में तेजी देखी गयी। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 313.45 अंक की तेजी के साथ 58,799.55 और निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 171.35 अंक बढ़कर 18,298.35 पर था।बाजार में तेजी वाहन शेयरों के कारण रही। निफ्टी ऑटो इंडेक्स 1.44 फीसदी की बढ़त के साथ बंद हुआ। वहीं निफ्टी रियल्टी 1.07 फीसदी , निफ्टी आईटी 0.86 फीसदी , निफ्टी एनर्जी 0.89 फीसदी और निफ्टी इन्फ्रा 1.02 फीसदी की तेजी का साथ बंद हुआ। वहीं सेंसेक्स पैक में कोटक महिंद्रा बैंक, एलएंडटी, एमएंडएम, मारुति सुजुकी, भारती एयरटेल, टाटा स्टील, एक्सिस बैंक, अल्ट्राटेक सीमेंट, एचसीएल टेक, एनटीपीसी, बीईएल, टीसीएस, अदाणी पोर्ट्स और एसबीआई के शेयर लाभ में रहे जबकि बजाज फाइनेंस और एशियन पेंट्स के शेयर गिरे हैं। अमेरिकी फेड के ब्याज दरों में 25 आधार अंक की कटौती की उम्मीद से भी बाजार में उत्साह का माहौल है। इसके अलावा भारत-अमेरिका के बीच ट्रेड वार्ता शुरू होने से भी निवेशकों का उत्साह बढ़ा हुआ है। इससे भी बाजार को बल मिला। ऑटो और उपभोक्ता क्षेत्र के शेयरों में विशेष तेजी रही। इससे पहले आज सुबह भारतीय शेयर बाजार की शुरुआत तेजी के साथ हुई। सुबह बीएसई सेंसेक्स 65 अंकों की तेजी के साथ 81,852.11 पर खुला और शुरुआती कारोबार में 137 अंक बढ़कर 81,922.96 पर पहुंच गया। वहीं, निफ्टी 50 भी 25,073.60 पर खुलने के बाद 45.95 अंकों की तेजी के साथ 25,115 पर कारोबार करता दिखा। बाजार की नजर इस सप्ताह अमेरिकी फेडरल रिजर्व की ब्याज दरों पर फैसले पर टिकी है। वॉल स्ट्रीट पर इस हफ्ते होने वाली फ़ेडरल रिज़र्व की बैठक से पहले अमेरिकी शेयर बाज़ार बढ़त के साथ बंद हुए। एसएंडपी 500 इंडेक्स 0.5 प्रतिशत बढ़कर पहली बार 6,600 के पार 6,615.28 पर बंद हुआ। नैस्डेक कंपोजिट इंडेक्स 0.9 फीसदी बढ़कर रिकॉर्ड 22,348.75 पर पहुंच गया। जबकि डॉव जोन्स इंडस्ट्रियल एवरेज 0.1 फीसदी बढ़कर 45,883.45 पर पहुंच गया।

यूपीआई से बिना एटीएम कार्ड के कैश निकासी जल्द होगी संभव

नई दिल्ली। अब आपको एटीएम कार्ड या बैंक शाखा तक जाने की जरूरत नहीं होगी। जल्द ही यूपीआई के जरिए आप अपने नजदीकी बिजनेस कॉरेस्पोंडेंट के आउटलेट से सीधे कैश निकाल सकेंगे। यह सुविधा खासकर ग्रामीण और छोटे शहरों के लोगों के लिए मददगार साबित होगी, जहां बैंकिंग सुविधाएं कम होती हैं। इस नए सिस्टम में आपको बिजनेस कॉरेस्पोंडेंट के आउटलेट पर लगे क्यूआर कोड को अपने यूपीआई ऐप से स्कैन करना होगा। फिर आप जितनी राशि निकालना चाहते हैं, वह भरेंगे और अपना यूपीआई पिन डालेंगे। आपकी राशि सीधे आपके बैंक खाते से कॉरेस्पोंडेंट के खाते में ट्रांसफर हो जाएगी। इसके बाद आप उनसे नकद राशि ले सकेंगे। पहले भी कुछ चुनिंदा एटीएम पर कार्डलेस कैश निकासी संभव थी, लेकिन वह सुविधा सीमित और बायोमेट्रिक या कार्ड पर निर्भर थी। नया सिस्टम बिना फिंगरप्रिंट या एटीएम कार्ड के भी काम करेगा। इससे उन लोगों को काफी फायदा होगा जिन्हें कार्ड या बायोमेट्रिक इस्तेमाल करने में दिक्कत होती है। इस नई सेवा को लागू करने के लिए भारतीय रिज़र्व बैंक (आरबीआई) की मंजूरी का इंतजार है। एनपीसीआई (भारतीय राष्ट्रीय भुगतान निगम) जल्द से जल्द इसे शुरू करना चाहता है ताकि डिजिटल भुगतान के दायरे को बढ़ाया जा सके और बैंकिंग सुविधाओं से दूर रहने वाले लोग भी आसानी से कैश निकाल सकें।

खाद्यान्न, फल या सब्जियों की कोई कमी नहीं.......भारत दुनिया की फूड बास्केट बनेगा

नई दिल्ली। केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने बताया कि देश में खाद्यान्न, फल या सब्जियों की कोई कमी नहीं होगी और भारत दुनिया की फूड बास्केट बनेगा। दिल्ली में दो दिवसीय 'राष्ट्रीय कृषि सम्मेलन रबी अभियान 2025' को संबोधित कर कृषि मंत्री चौहान ने कहा कि देश में कृषि 3.7 प्रतिशत की दर से बढ़ रही है, जो दुनिया में सबसे अधिक है, और इसका श्रेय हमारे किसानों और वैज्ञानिकों की कड़ी मेहनत और सरकार की किसान-हितैषी नीतियों को जाता है। उन्होंने कहा कि केंद्र और राज्य एकजुट हैं और हमारे राष्ट्र, हमारे लोगों और हमारे किसानों के लिए, हम पूरी ताकत से मिलकर काम करते करने वाले हैं, क्योंकि उनका कल्याण हमारे लिए सर्वोपरि है। केंद्रीय मंत्री चौहान ने कहा, हम भाग्यशाली हैं कि हमें भारत के कृषि परिदृश्य को बदलने की जिम्मेदारी मिली है। हम साधारण लोग नहीं हैं। हम वे लोग हैं जो देश की आधी आबादी का भाग्य गढ़ते हैं। हमें पूरी लगन से काम करना होगा। कृषि मंत्री चौहान ने कहा कि अब केवल सभी मानकों और मानदंडों को पूरा करने वाले बायो-स्टिमुलैंट्स (पौधों की वृद्धि बढ़ाने वाले) ही बिक्री के लिए उपलब्ध होगा। केंद्र के साथ मिलकर सभी राज्य कृषि विभागों, कृषि विश्वविद्यालयों, कृषि विज्ञान केंद्रों और सभी संबंधित संगठनों को ठोस कार्यक्रम और रणनीति तैयार करनी चाहिए और जमीनी स्तर पर तेजी से काम करना चाहिए। अधिकारियों को अपने काम में मूल्यवर्धन करना चाहिए। उन्होंने कहा कि मौसम का अब पूर्वानुमान लगाना मुश्किल है, इसलिए ज्यादा से ज्यादा किसानों को फसल बीमा के दायरे में लाया जाना चाहिए और अधिकारियों को यह सुनिश्चित करने के लिए प्रयास करने चाहिए।

निर्भया संकुल स्तरीय संगठन की वार्षिक आम सभा सम्पन्न

लांजी (पद्मेश न्यूज)। विकासखंड लांजी में निर्भया संकुल स्तरीय संगठन की वार्षिक आम सभा का आयोजन किया गया। इस सभा में 29 ग्राम संगठनों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। बैठक में संगठन के वार्षिक आय-व्यय का विवरण प्रस्तुत किया गया, साथ ही कृषि, पशुपालन, मछली पालन और अन्य लघु उद्यम गतिविधियों की प्रगति पर चर्चा हुई। सभा में सामुदायिक संसाधन व्यक्तियों (सीआरपी) की संख्या, बैंक से प्राप्त सीसीएल और मुद्रा लोन के माध्यम से संचालित गतिविधियों पर विस्तृत चर्चा की गई। लखपति दीदियों ने अपने अनुभव साझा किए, जिसमें उन्होंने समूह से जुड़ने से पहले और बाद की स्थिति में आए सकारात्मक बदलावों को रेखांकित किया। विकासखंड प्रबंधक राजा राम परते ने आजीविका मिशन की प्रगति और इसके प्रभावों पर प्रकाश डाला। डॉ. अक्षय उपराडे ने स्वास्थ्य विभाग की योजनाओं की जानकारी दी और स्वस्थ नारी, सशक्त परिवारफ्र कार्यक्रम में भाग लेकर अधिक से अधिक महिलाओं को स्वास्थ्य लाभ लेने की अपील की। डॉ. देवेश एडे ने दीदियों को स्वावलंबी बनने और गतिविधियों से जुड़ने के लिए प्रेरित किया। जिला पंचायत सदस्य ज्योति उमरे ने कहा कि समूहों से जुड़ने के बाद महिलाओं में जागरूकता बढ़ी है। वे घर से बाहर निकलकर बैंकिंग, दुकानदारी और हिसाब-किताब में सक्रिय हो रही हैं। कई महिलाएं अब जनप्रतिनिधि बनकर समाज में बदलाव ला रही हैं। विधायक प्रतिनिधि सोहन उपराडे ने आजीविका मिशन की टीम को ग्रामीण महिलाओं में आए बदलाव के लिए बधाई दी और दीदियों को ईमानदारी से कार्य करने पर बल दिया। जनपद पंचायत लांजी के उपाध्यक्ष ने दीदियों के जीवन में आए बदलाव और भविष्य की प्रगति पर चर्चा की। जनपद सदस्य दिनेश लाडे ने गतिविधियों पर जोर देते हुए सामाजिक और आर्थिक बदलाव की सराहना की। जिला पंचायत प्रतिनिधि गौरव बैस ने शासकीय योजनाओं की जानकारी दी और स्वरोजगार के लिए प्रोत्साहित किया। कार्यक्रम में खंड पंचायत अधिकारी लेखराज रामटेक्कर, आजीविका मिशन के राजाराम परते, सुनीता चन्ने, अतीत फुलमारी, निर्भया संकुल स्तरीय संगठन की अध्यक्ष कविता कोसरे, पूर्व अध्यक्ष ममता दानदरे, सचिव अखतरी शेख, कोषाध्यक्ष सुभद्रा कोठारे, सीएलएफ मैनेजर रविता साबले, लेखापाल कविता कुचलाहे, निशा उईके, कुशन मताले सहित 29 ग्राम संगठनों के लगभग 250 समूह सदस्य और संकुल स्तरीय संगठन के पदाधिकारी उपस्थित रहे। यह सभा महिलाओं के सशक्तिकरण और ग्रामीण विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम रही।

कोटवारों ने रूका हुआ पारिश्रमिक भुगतान किए जाने की मांग को लेकर तहसीलदार को सौंपा ज्ञापन

किरनापुर(पद्मेश न्यूज)। मध्य प्रदेश ग्राम रक्षक कोटवार चौकीदार संघ तहसील शाखा किरनापुर के पदाधिकारियों ने तहसीलदार किरनापुर को ज्ञापन सौंपते हुए रुके हुए पारिश्रमिक का भुगतान किए जाने की मांग की है। तत्संबंध में जानकारी देते हुए संगठन के तहसील अध्यक्ष अचरित गेडाम ने बताया कि राज्य शासन द्वारा जारी आदेश दिनांक 01/10/2023 के द्वारा यह निर्णय था कि, ऐसे कोटवार जिनके पास कोई सेवा भूमि नही है, उनके मासिक पारिश्रमिक में वित्त विभाग से परामर्श के अनुसार रुपए 500 प्रतिवर्ष वृद्धि की जावेगी। उक्त आदेश का पालन करते हुये तहसील- किरनापुर के कोटवारों को भी पारिश्रमिक कि राशि भुगतान की जा रही है, किन्त शासन के आदेश का अमल लरह से नहीं बने के कारण माह-अक्टूबर एवं नवम्बर 2024 का 500 रूपए वृद्धि का पारिश्रमिक का भुगतान नहीं किया गया जो कि माह-दिसम्बर से वृद्धि की राशि कोटवारों के बैंक रखते में भुगतान कि जा रही है। इसी तरह प्रतिवर्ष वृद्धि कि राशि माह- अक्टूबर से 500 रूपए वृद्धि कर भुगतान करने की मांग को लेकर तहसीलदार किरनापुर को ज्ञापन सौंपा है। तहसीलदार किरनापुर को ज्ञापन सौंपे जाने के दौरान तहसील अध्यक्ष अचरित गेडाम मध्यप्रदेश ग्राम रक्षक कोटवार चौकीदार संघ तहसील शाखा,सचिव रंजीत हुमनकर, उपाध्यक्ष राधेलाल बोरकर ,कोषाध्यक्ष रमेश मेश्राम ,संगठन प्रभारी कुंभराज वैध ,प्रह्लाद गजबिए, मीडिया प्रभारी विनोद गेडाम, प्रकाश रावते, तनोज़ हुमने, राजू मेश्राम, संतोष बारमाटे,संतोष डोंगरे ,भाग्यश्री डोंगरे, प्रतिभा मेश्राम, मंजू ऊके एवं समस्त कोटवार साथियों की उपस्थिति रही।

हट्टा के छात्र का संभाग स्तर पर चयन

हट्टा(पद्मेश न्यूज)। मध्य प्रदेश शासन उच्च शिक्षा विभाग के निर्देशानुसार जिला स्तरीय कबड्डी प्रतियोगिता शासकीय महाविद्यालय लालबर्रा जिला बालाघाट में दिनांक 15- 9- 2025 को आयोजित हुई थी जिसमें शासकीय महाविद्यालय हट्टा जिला बालाघाट से अलपित सययाम विनय देशमुख छवि पटले विवेक खोबरागडे नीरज कावड़े वैभव काटेकट रंजीत पाचे पवन जामरे जय चौधरी रूपेश पाचे भूपेंद्र पाचे ने प्रतियोगिता में भाग लिया था उत्कृष्ट प्रदर्शन के आधार पर संभाग स्तरीय प्रतियोगिता के लिए शासकीय महाविद्यालय हटा से अलपित सययाम का चयन बालाघाट जिले की टीम में हुआ है जो 18- 9- 2025 को लालबर्रा में आयोजित संभाग स्तरीय पुरुष कबड्डी प्रतियोगिता में भाग लेगा छात्र के चयन पर संस्था के प्राचार्य मुकेश बिसेन क्रीड़ा अधिकारी डॉ. सचिन तिवारी एवं संस्था के सभी शिक्षक एवं छात्र खिलाडियों ने बधाई दी।

एप्रोच रोड में चलना हुआ मुश्किल

नगर परिषद पर ठीकरा फुटने से पहले की गई मरम्मत

कटंगी(पद्मेश न्यूज)। बालाघाट सिवनी संसदीय क्षेत्र की सांसद भारती पारधी की उदासीनता, दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे डीआरएम की घोर लापरवाही और नगर परिषद कटंगी के अनावश्यक रेल भूमि में दखलअंदाजी ने दर्जनों गांवों के राहगीरों और स्कूली विद्यार्थियों के लिए परेशानी खड़ी कर दी है. मामला कटंगी से छतेरा-सेलवा को जोड़ने वाली रेलवे की एप्रोच रोड़ का है. इस रोड़ का काफी लंबे समय से निर्माण अधूरा पड़ा है. बारिश के बाद बदहाल हो चुकी रोड़ के गड्ढों में जलभराव की समस्या बन रही थी. जिससे राहगीरों, स्कूली विद्यार्थियों का आवागमन करना मुश्किल हो गया था. सेलवा की एक निजी मैंगनीज खदान का वाहन ने रोड़ के गड्ढे की वजह से करवट ले ली थी जिसके बाद खदान के कर्मचारियों ने सड़क के गड्ढों में मलबा डलवा दिया. यहीं से राहगीरों के लिए परेशानी की शुरुआत हुई. मलबा डालने से आवागमन में दोहरी परेशानी खड़ी हो गई. राहगीरों को आवागमन में हो रही परेशानी की शिकायत विधायक गौरव सिंह पारधी तक पहुंची तो उन्होंने रविवार 14 सितंबर को नगर परिषद के उपयंत्री राजेश चौकसे के साथ रोड़ का निरीक्षण किया और जनता को होने वाली परेशानी को देखते हुए नगर परिषद को सुधार करने के लिए कहा. उपयंत्री राजेश चौकसे ने सुधार के नाम पर रोड़ के गड्ढों और मलबे के उपर मिट्टी डलवा दी. सोमवार की शाम बारिश के बाद मिट्टी कीचड़ में तब्दील हो गई और रात्रि में सफर करने वाले राहगीर परेशान हो गए कई राहगीरों के गिरकर चोटिल होने की जानकारी सामने आई। मंगलवार की सुबह जब ग्रामीणों और स्कूली विद्यार्थियों का तहसील मुख्यालय की तरफ अपने से आवागमन शुरू हुआ तो सड़क में फैले कीचड़ से आना-जाना मुश्किल हो गया. जिससे ग्रामीण आक्रोशित हो गए. सेलवा, बड़गांव की ग्रामीण जनता शहर में आकर नगर परिषद कार्यालय में उपद्रव करती लेकिन इससे पहले ही नगर परिषद ने अपनी गलती को सुधारते हुए रोड़ से मिट्टी हटवाने का काम शुरू करवा दिया. लेकिन सुधार कार्य से पहले जो विद्यार्थी स्कुल जाने के लिए निकले थे रोड़ में गिरकर उनके कपड़े खराब हो गए और वह स्कूल की बजाए अपने घर वापस लौट गए. मंगलवार को बड़ी संख्या में ग्रामीण अंचलों से विद्यार्थी स्कूल नहीं जा पाए. दरअसल, जिन चारपहिया वाहनों में बैठकर छोटे-छोटे बच्चे स्कूल आना-जाना करते थे. वह वाहन सड़क के कीचड़ में फंस रहे थे ऐसे में वाहन चालकों ने बच्चों को उनके घर से स्कूल तक लाने और ले जाने से साफ इंकार कर दिया। करीब 05 वर्ष से रेलवे की एप्रोच रोड़ खराब है ग्रामीणों ने एक नहीं बल्कि कई बार मौजूदा सांसद भारती पारधी और पूर्व सांसद डॉ ढालसिंह बिसेन को सड़क की वास्तविकता से अवगत करवाया. इसके अलावा कई बार दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के अधिकारी डीआरएम को भी ज्ञापन सौंपा. रेल अधिकारी ने हर बार आश्वासन दिया कि शीघ्र ही रोड़ का निर्माण होगा लेकिन आज तक निर्माण नहीं हो पाया. भारी वाहनों की आवाजाही से सड़क के हाल लगातार खराब होते रहे. सड़क गड्ढों में तब्दील हो गई. राहगीरों को चलते वक्त सड़क तलाश करनी पड़ रही है. नगर परिषद ने जनता के आक्रोश को देखते जेसीबी की मदद से रोड़ के कीचड़ की सफाई करवाई है. ध्यान देने वाली बात यह है कि सड़क की बदहाली पर जहां सत्ताधारी दल के नेता उदासीन है वहीं प्रमुख विपक्षी दल कांग्रेस के नेता जनता की समस्याओं को सुनने की बजाए अपने घरों में बैठे हुए है यह चुनाव आने का इंजतार कर रहे है. चुनाव आने पर यह भी भाजपा के नेताओं की तरफ ही जनता को हर हाल में सहयोग करने का भरोसा देकर मूर्ख बनाने का काम करेंगे।

टेमनी में शासकीय भूमि पर किया गया अतिक्रमण हटाया गया

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। खैरलांजी तहसील के अंतर्गत ग्राम टेमनी में शासकीय भूमि पर किये गए अतिक्रमण को न्यायालय तहसीलदार खैरलांजी के आदेश पर नायब तहसीलदार श्री दुलारेलाल परते द्वारा 15 सितम्बर को राजस्व एवं पुलिस बल के साथ हटा दिया गया है। ग्राम टेमनी में शासकीय भूमि पर अतिक्रमण कर किराना दुकान एवं चाय-पानी की दुकान बना ली गई थी और इसके चारो ओर बाउंड्रीवॉल बनाकर पक्का अतिक्रमण कर दिया गया था। 15 सितम्बर को ग्राम टेमनी की इस शासकीय भूमि को अतिक्रमण से मुक्त करा दिया गया है। जेसीबी मशीन के द्वारा पक्के अतिक्रमण को तोड़ने की कार्यवाही की गई। इस कार्यवाही से ग्रामीणजन खुश है।

न संगठन में मिलेगी जगह, न चुनाव लड़ सकेंगे!

बड़बोले नेताओं की बन रही कुंडली...

भोपाल। सत्ता और संगठन की हिदायत और पचमढ़ी प्रशिक्षण के बाद भी भाजपा के नेताओं का बड़बोलापन जारी है। भाजपा के सांसद हो या विधायक हों या फिर पूर्व विधायक या पदाधिकारी सभी को निर्देश है कि वे सोच-समझकर पार्टी की गाइड लाइन के अनुसार ही बयान दें। लेकिन सारे दिशा निर्देशों को दरकिनार कर भाजपा नेता ऐसे बयान दे रहे हैं जिससे पार्टी की साख पर सवाल उठ रहे हैं। इसको देखते हुए भाजपा बड़बोले नेताओं की कुंडली बना रही है। सूत्रों का कहना है कि इन नेताओं को संगठन में जगह नहीं दी जाएगी। यही नहीं अगर उनका बड़बोलापन नहीं रूका तो उनको चुनावी टिकट भी नहीं मिलेगा।दरअसल, भाजपा के नेताओं के बड़बोलेपन पर लगाम नहीं लग पा रही है। ऐसे में पार्टी की गाइडलाइन से इतर बयान देने वाले नेताओं से अब प्रदेश संगठन किनारा करने की तैयारी में है। इनमें जनप्रतिनिधि भी शामिल हैं, जिन्हें पहले समझाइश दी जाएगी और यदि नहीं माने तो पार्टी नेतृत्व उसे अनुशासनहीनता मानकर कड़े कदम उठाएगा। समझाने के बाद भी यदि नेता और कार्यकर्ता गाइडलाइन से विपरीत जाकर बयान देते हैं, तो उनके खिलाफ एक्शन होने चाहिए। सूत्रों की मानें तो पार्टी ने तय किया है कि यदि कोई विधायक या दूसरे मौजूदा या पूर्व जनप्रतिनिधियों द्वारा ऐसी बयानवाजी की जाती है, जो पार्टी लाइन से हटकर है, तो उनसे संगठन दूरी बना लेगा। बताया जा रहा है कि अब ऐसे बड़बोले नेताओं को संगठन में कोई जिम्मेदारी नहीं दी जाएगी और इनका टिकट भी खतरे में रहेगा। गौरतलब है कि पिछले कुछ दिनों से मप्र के कई विधायक, पूर्व विधायक, पूर्व मंत्रियों से लेकर कुछ बड़े नेताओं के बयानों से सरकार और दल की किरकिरी हुई है। इस पर प्रदेश नेतृत्व द्वारा ऐसे बयानवीरों को समझाइश भी दी गई। इनमें से कुछ ने तो चुप्पी साध ली, लेकिन कई अब भी ऐसे बयान दे रहे हैं, जिससे पार्टी को अपना बचाव करने में दिक्कत आ रही है। सूत्र बताते हैं कि इससे बचने के लिए पार्टी ने ठोस रणनीति पर काम करना शुरू कर दिया है। पार्टी के नए प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल ने अनुशासन को प्राथमिकता बताते हुए जिला संगठनों से कहा कि किसी भी स्तर पर अनुशासनहीनता बर्दाश्त नहीं की जानी चाहिए। ऐसे नेताओं को भविष्य में न तो संगठन से जुड़ी जिम्मेदारी दी जाएगी और न उन्हें महत्वपूर्ण काम सौंपे जाएंगे। इन नेताओं को पूरी तरह से हाशिए पर डाल दिया जाएगा। भविष्य में उन्हें न उन्हें न तो कोई राजनीतिक पद ही दिया जाएगा और न ही चुनावी राजनीति के लिए उनके नाम पर विचार होगा। गौरतलब है कि पाक के साथ सीजफायर को लेकर उठे विवादों के बीच भाजपा नेताओं के बयान भी चर्चाओं में रहे हैं। फग्गन सिंह कुलस्ते हों या फिर मनगवां से विधायक नरेन्द्र प्रजापति के कुछ बयान ऐसे थे कि जिसकी सफाई देने में भाजपा संगठन को पसीना आ गया। पचमढ़ी प्रशिक्षण के बाद भाजपा को उम्मीद थी कि पार्टी के नेता सोच-समझकर बोलेंगे। लेकिन बड़बोले नेताओं पर उसका असर नहीं दिख रहा है। इनमें गुना से विधायक पन्नालाल शाक्य का बयान सुर्खियों में है। उन्होंने कहा था कि भारत में भी नेपाल जैसे हालात बन सकते हैं और देश में गृह युद्ध जैसी स्थिति बन सकती है। इसलिए हमें अपने युवाओं को सैन्य प्रशिक्षण दिलाना चाहिए। शाक्य का ये बयान कोई पहला नहीं है, इससे पहले भी उन्होंने कहा था कि प्रशासन उन्हें गंभीरता से नहीं लेता, सिर्फ कुछ खास नेताओं की ही सुनी जाती है। उन्होंने पार्टी पर आरोप लगाया कि वे एससी वर्ग से आते हैं, इसलिए उनकी आवाज दबा दी जाती है। नेपाल वाले बयान पर प्रदेश भाजपा के मीडिया प्रभारी आशीष ऊषा अग्रवाल ने आपत्ति जताते हुए कहा कि पार्टी ऐसे बयान का समर्थन नहीं करती है। पिछोर विधायक प्रीतम लोधी तो कई बार अपने बयानों की वजह से पार्टी संगठन द्वारा तलब किए जा चुके हैं। उनके द्वारा स्थानीय प्रशासन और प्रभारी मंत्री के खिलाफ लगातार आवाज उठाई जाती रही है। शिवपुरी विधायक देवेन्द्र जैन भी भ्रष्टाचार की बात करते हुए सरकार और पार्टी को कठघरे में खड़ा कर चुके हैं। सोहागपुर विधायक विजयपाल सिंह और मऊगंज विधायक प्रदीप पटेल ने आरोप लगाया था कि उन्हें पुलिस पुलिस की ओर से लगातार धमकियां मिल रही हैं। पूर्व गृहमंत्री व खुरई विधायक भूपेंद्र सिंह अपनी ही पार्टी भाजपा और कांग्रेस दोनों पर आरोप लगाते हुए कहा था कि दोनों ही उनके खिलाफ कोई साजिश रच रहे हैं।

मप्र में पहली बार कोदो-कुटकी की खरीदी

भोपाल। मध्य प्रदेश सरकार पहली बार किसानों से कोदो-कुटकी खरीदेगी। इसकी शुरुआत जबलपुर के कुंडम तहसील से हो रही है। 15 सितंबर से सरकार को फसल बेचने वाले किसानों का पंजीयन शुरू हो गया है। कुंडम तहसील में करीब सात हजार हेक्टेयर क्षेत्रफल में किसानों ने कोदो-कुटकी की खेती की है। सरकार ने 2500 रुपये प्रति क्विंटल कोदो और 3500 रुपये प्रति क्विंटल कुटकी की दर निर्धारित की है। खरीदी का काम फार्मर प्रोड्यूसर कंपनी (एफपीओ) को दिया गया है। यह खरीदी धान-गेहूं और उड़द-मूंग की तरह नहीं होगी। इसमें प्रदेश सरकार सिर्फ खरीदी का काम संभालेगी और जो भी फसल खरीदी जाएगी, उसका भुगतान श्री अन्न फेडरेशन कंपनी भोपाल करेगी। खरीदी में सरकार समन्वय की भूमिका निभाने के साथ किसानों को समर्थन मूल्य भी देगी। राज्य सरकार 10 रुपये प्रति किलो समर्थन मूल्य देगी। प्रशासन ने यह जिम्मा कृषि विभाग को सौंपा है। जिसके बाद विभाग, किसानों से फसल खरीदने के लिए एफपीओ चयनित करेगा। पहले चरण में सिर्फ एक एफपीओ, फार्मर प्रोड्यूसर कंपनी को यह काम दिया जाएगा।

लांजी में ''पद्मेश''
इंटरनेट (ब्राडबेंड) कनेक्शन के लिये संपर्क करें
Mo. 8319969927

मप्र की राजनीति में परिवारवाद का दबदबा

21 प्रतिशत नेता परिवार की राजनीतिक विरासत को बढ़ा रहे

भोपाल। मप्र में इनदिनों भाजपा और कांग्रेस में संगठन विस्तार हो रहा है। इसके लिए दोनों पार्टियों ने परिवारवाद पर नकेल कस रही है। भाजपा ने हाल ही में जिला कार्यकारिणियों से नेताओं के परिजनों को हटाया, लेकिन विधानसभा और लोकसभा चुनाव के टिकट दिए। ऐसा ही हाल कांग्रेस का भी है। इसके उलट विधानसभा और लोकसभा चुनाव में तस्वीर उलट दिख रही है। कई पूर्व मुख्यमंत्री, पूर्व सांसद, पूर्व विधायकों की विरासत को आगे बढ़ाते हुए उनके बच्चों और रिश्तेदारों को टिकट देकर चुनाव मैदान में उतारा गया। मध्य प्रदेश में वर्तमान में पति और पत्नी सांसद और विधायक हैं। एडीआर की रिपोर्ट के अनुसार भाजपा और कांग्रेस दोनों के ही 270 जनप्रतिनिधियों में 57 नेता यानी 21 प्रतिशत को राजनीति विरासत में मिली है।

दरअसल, मप्र सहित देश की राजनीति में परिवारवाद को लेकर बहस जारी है। इस बीच एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स (एडीआर)ने एक रिपोर्ट जारी की है। इस रिपोर्ट के अनुसार, देश में लोकसभा, राज्यसभा और विधानसभा में कुल 5204 सांसद और विधायक है। इनमें से 1107 यानी लगभग 21 प्रतिशत ऐसे लोग हैं, जिनका राजनीतिक जुड़ाव किसी राजनीतिक परिवार से है। इसका मतलब यह है कि हर 5 में से एक जनप्रतिनिधि का संबंध किसी राजनीतिक परिवार से है। रिपोर्ट के मुताबिक मप्र के 230 विधायकों में से

48 विधायकों के परिवार राजनीति से जुड़े हैं। इसमें भाजपा के 28, तो कांग्रेस के 20 विधायक शामिल हैं। वहीं 9 सांसदों में अधिकांश महिला सांसद वंशवाद की राजनीति को आगे बढ़ा रही हैं।

विधानसभा में भाजपा का परिवारवाद

मप्र के 230 विधायकों में 48 विधायकों को राजनीति विरासत के तौर पर मिली है। भाजपा के 163 विधायक में से 28 विधायक अपने परिवार की राजनीतिक विरासत आगे बढ़ा रहे हैं। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल हरसूद से विधायक हैं। इनके पिता विजय खंडेलवाल सांसद रह चुके हैं। मप्र सरकार में कैबिनेट मंत्री विश्वास सारंग के पिता कैलाश सारंग भाजपा के संस्थापक सदस्य और राज्यसभा सांसद रहे। 8 महिला विधायकों ने भी वंशवाद के जरिए राजनीति में कदम रखा है। गोविंदपुरा सीट से भाजपा विधायक कृष्णा गौर पूर्व मुख्यमंत्री बाबूलाल गौर की बहू हैं। बाबूलाल गौर ने भोपाल की राजनीति पर दशकों तक दबदबा बनाए रखा और 2004 से 2005 तक मप्र के मुख्यमंत्री भी रहे। सिद्धार्थ तिवारी के पिता सुंदरलाल तिवारी सांसद और दादा श्रीनिवास तिवारी मप्र विधानसभा अध्यक्ष रह चुके हैं। सुरेंद्र पटवा अपने चाचा पूर्व मुख्यमंत्री सुंदरलाल पटवा की विरासत को आगे बढ़ा रहे हैं। जावद से विधायक ओम प्रकाश सकलेचा को भी पिता पूर्व मुख्यमंत्री वीरेंद्र कुमार सकलेचा से विरासत में राजनीति मिली। इसी तरह मालिनी गौड़, प्रतिभा बागरी, विक्रम सिंह, उमाकांत शर्मा जैसे कई विधायक भी पारिवारिक राजनीतिक पृष्ठभूमि से आते हैं।

कांग्रेस में परिवारवादी विधायक

मप्र में कांग्रेस के 63 में से 20 विधायक राजनीतिक पृष्ठभूमि से आते हैं। राघोगढ़ विधायक जयवर्धन सिंह तीसरी पीढ़ी हैं, जो परिवार की राजनीति को आगे बढ़ा रहे हैं। सीधी के चुरहट से विधायक अजय सिंह कांग्रेस का बड़ा चेहरा हैं, विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष भी रह चुके हैं। अजय सिंह मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और देश के दिग्गज कांग्रेसी नेता अर्जुन सिंह के बेटे हैं। अर्जुन सिंह 2 बार मप्र के मुख्यमंत्री और 2 बार केंद्रीय मंत्री भी रहे। वहीं नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार को राजनीति की विरासत चाची जमुना देवी से मिली, जो उपमुख्यमंत्री रह चुकी हैं। पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय के बेटे जयवर्धन इस समय मध्य प्रदेश के सबसे सक्रिय कांग्रेस नेताओं में से एक हैं। इनके चाचा लक्ष्मण सिंह भी विधायक और सांसद रहे। पूर्व मंत्री कांतिलाल भूरिया के बेटे विक्रांत भूरिया और हेमंत कटारे भी अपने पिता सत्यदेव कटारे की विरासत को आगे बढ़ा रहे हैं। इसी तरह सतना विधायक डब्बू सिद्धार्थ कुशवाह, बघेल सुरेंद्र सिंह हनी, झूमा सोलंकी जैसे विधायकों को भी राजनीति विरासत में मिली है।

9 सांसद बढ़ा रहे परिवारवाद

मप्र में लोकसभा और राज्यसभा में 9 सांसद परिवारवार को आगे बढ़ा रहे हैं ।मप्र में 29 लोकसभा सांसद हैं। इनमें से 5 परिवार की राजनीति को आगे बढ़ा रहे हैं। इनमें से 4 महिला सांसद हैं। पुरुषों में एकमात्र नाम गुना-शिवपुरी से सांसद केंद्रीय दूरसंचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया का है। उनके पिता माधवराव सिंधिया, दादी विजयाराजे सिंधिया, बुआ वसुंधरा राजे और यशोधरा राजे सिंधिया भी राजनीति में हैं। बालाघाट सांसद भारती पारधी के ससुर भोलाराम पारधी सांसद रहे हैं। रतलाम सांसद अनिता चौहान के पति नागर सिंह चौहान राज्य सरकार में कैबिनेट मंत्री हैं। सागर सांसद लता वानखेड़े के पति नंद किशोर वानखेड़े भाजपा में पदाधिकारी रहे हैं। शहडोल सांसद हिमाद्री सिंह पूर्व सांसद दलबीर सिंह की बेटी हैं। वहीं राज्यसभा में मप्र की 11 सीटें हैं। इसमें 8 सदस्य भाजपा के हैं, जबकि 3 सदस्य कांग्रेस के हैं। राज्यसभा में भी 11 में 4 सदस्य अपने परिवार की राजनीतिक विरासत को आगे बढ़ा रहे हैं। इसमें सबसे बड़ा नाम दिग्विजय सिंह का है। दिग्विजय के पिता बलभद्र सिंह राघौगढ़ के शासक रहे। उनके बेटे जयवर्धन विधायक हैं। भाई लक्ष्मण सिंह भी सांसद विधायक रह चुके हैं। अशोक सिंह के पिता राजेंद्र सिंह प्रदेश सरकार में कैबिनेट मंत्री रहे हैं। भाजपा के सुमेर सिंह सोलंकी के चाचा माखन सिंह खंडवा-बड़वानी सीट से सांसद रहे हैं। कविता पाटीदार के पिता भेरूलाल पाटीदार चार बार विधायक और विधानसभा उपाध्यक्ष रहे हैं।

मंत्रालय में खुल गया डब्ल्यूआरआई इंडिया का कार्यालय

जीएडी को कानों-कान खबर तक नहीं

भोपाल। प्रदेश के सबसे सुरक्षित क्षेत्र मंत्रालय में सामान्य प्रशासन विभाग से अनुमति लिए बिना ही प्रायवेट कंपनी डब्ल्यूआरआई इंडिया का कार्यालय खुल गया है। इस बात की खबर जैसे ही अन्य विभागों को लगी है हडकंप मच गया है। इससे लोग मंत्रालय की सुरक्षा पर सवाल उठने लगे हैं। मंत्रालयीन नियमों के अनुसार, यहां बिना सामान्य प्रशासन विभाग की अनुमति के अफसरों की नेम प्लेट तक नहीं लगती है, लेकिन नियमों को ताक पर रखकर एक प्राइवेट कंपनी का कार्यालय ही खुल गया है।

जानकारी के अनुसार ऐसा पहली बार है जब मंत्रालय में प्रायवेट कंपनी के लिए कक्ष आवंटित हुआ। जिसमें सरकारी अधिकारियों की तरह प्रायवेट कंपनी डब्ल्यूआरआई इंडिया का स्टाफ बैठकर काम निपटाता है। मंत्रालय में हुई प्रायवेट कंपनी की घुसपैठ की सामान्य प्रशासन विभाग को खबर तक नहीं है। एनेक्सी बनने से पहले मंत्रालय में कक्ष आवंटित करने का काम सामान्य प्रशासन द्वारा होता था, लेकिन अब एनेक्सी में विभाग ही अपने स्तर पर कक्ष आवंटित करते हैं। सामान्य प्रशासन विभाग के अपर मुख्य सचिव संजय कुमार शुक्ल का कहना है कि मंत्रालय में प्रायवेट कंपनी को कक्ष देने का वैसे तो कोई प्रावधान नहीं है। मैं इसको दिखवाता हूं।

सीएमओ वाली बिल्डिंग में खुला कार्यालय

मंत्रालय एनेक्सी-2 (मुख्यमंत्री सचिवालय वाली इमारत) के प्रथम तल पर स्थित परिवहन विभाग के सचिव, उपसचिव एवं अवर सचिव स्तर के अधिकारियों के कक्षों में इन दिनों प्रायवेटे कंप्रनी डब्ल्यूआरआई इंडिया के अधिकारी बैठ रहे हैं। हालांकि कंपनी को कक्ष आटित करने का कोई लिखित आदेश सामान्य प्रशासन विभाग के पास भी नहीं है। साथ ही परिवहन विभाग में भी इसको लेकर सन्नाटा है। परिवहन विभाग में डब्ल्यूआरआई इंडिया कंपनी का स्टाफ दो कक्षों में बैठ रहे हैं। जिनमें एक कक्ष में परिहवन विभाग की आईटी सलाहकार अभिलेखा शुक्ला के नाम की तख्ती लगी है। हालांकि इस कक्ष में श्रीमती शुक्ला की जगह प्रायवेट कंपनी का स्टाफ बैठता है। क्योंकि श्रीमती शुक्ला संविदा मप्र इलेक्ट्रॉनिक्स विकास निगम के माध्यम से परिवहन विभाग में सलाहकार हैं, लेकिन पिछले कुछ महीनों से अवकाश पर हैं। दूसरे कक्ष में डब्ल्यूआरआई इंडिया के अधिकारी डॉ. देवल मिश्रा के नाम की तख्ती लगी हुई है। डब्ल्यूआरआई इंडिया कंपनी शहरी क्षेत्र में पब्लिक ट्रांसपोर्ट का प्लान तैयार करती है। जनवरी में परिवहन विभाग के अपर मुख्य सचिव एसएन मिश्रा के सेवानिवृत्त होने के बाद विभाग ने प्रायवेट कंपनी को मंत्रालय में कक्ष दे दिया। बताया गया कि डब्ल्यूआरआई इंडिया कंपनी मुख्यमंत्री बस करने पर जिम्मेदार जवाब देने से बच रहे हैं। क्योंकि मप्र सरकार के परिवहन सेवा का प्लान तैयार कर रही है।

तीन माह में 144 घंटे के ओवर टाइम को मंजूरी

भोपाल। मध्य प्रदेश सरकार ने दुकान तथा स्थापना अधिनियम 2025 लागू किया है। नए नियमों के अनुसार अब कोई भी कर्मचारी 3 महीने में 144 घंटे ओवर टाइम कर सकता है। पहले के नियम में एक माह में 24 घंटे ही ओवरटाइम कर सकता था। तीन माह में 72 घंटे ओवर टाइम कर सकता था। अब इसे बढ़ाकर 144 घंटे कर दिया गया है।

अब हर चोट की तस्वीर होगी सबूत

भोपाल। मारपीट, दुर्घटना, एसिड अटैक या किसी भी कारण से होने वाले चोट के मामलों में अब फोटो अनिवार्य साक्ष्य होंगे। पुलिस और मेडिको-लीगल केस (एमएलसी) बनाने वाले डॉक्टर को घायल की चोटों के फोटो लेना जरूरी कर दिया गया है। इन फोटो को न्यायालय में अभियोजन पक्ष की ओर से पुख्ता प्रमाण के तौर पर प्रस्तुत किया जा सकेगा।

पुलिस मुख्यालय ने इस संबंध में भोपाल और इंदौर के पुलिस आयुक्त, सभी जिलों, रेल और अजाक के पुलिस अधीक्षकों को निर्देश जारी किए हैं। साथ ही, स्वास्थ्य संचालनालय की ओर से सभी सीएमएचओ को पत्र भेजा जाएगा ताकि एमएलसी तैयार करने वाले डॉक्टर इस नियम का पालन करें।

नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल ने 2 सप्ताह में मांगी रिपोर्ट

कोलार सिक्सलेन के निर्माण में पेड़ों की कटाई का मामला एनजीटी में पहुंचा

भोपाल। भोपाल के कोलार सिक्सलेन के निर्माण में कुल 4105 पेड़ों की कटाई का मामला नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल (एनजीटी) में पहुंचा है। एनजीटी ने पेड़ काटने पर आपत्ति ली है और अगले 2 सप्ताह में रिपोर्ट पेश करने को कहा है। 10 अक्टूबर को अगली सुनवाई होगी।

पेड़ काटे जाने के मामले में एनजीटी में एक याचिका दायर की गई थी। इसमें कहा गया कि हॉर्टिकल्चर अस्सिटेंट कमिश्नर द्वारा दी गई अनुमति अवैध है। इस पर भोपाल नगर निगम के अफसरों ने कहा कि आदेश ट्री ऑफिसर ने ही दिया था। असिस्टेंट कमिश्नर

ने केवल संप्रेषण किया, लेकिन कोई स्पष्ट आदेश या सोच-विचार का प्रमाण प्रस्तुत नहीं किया। याचिकाकर्ता का तर्क था कि इन पेड़ों के लिए कोई अवैध अनुमति का रिकॉर्ड भी नहीं है। दूसरी ओर लोक निर्माण विभाग ने स्वीकार किया कि निर्माण पूरा हो चुका है। यानी, पेड़ पहले ही काटे जा चुके हैं। सभी पहलुओं को सुनने के बाद एनजीटी ने सभी संबंधित विभाग को दो सप्ताह में रिपोर्ट प्रस्तुत करने को कहा है। जिसमें ट्री ऑफिसर की अनुमति की प्रति, प्रतिपूरक पौधारोपण के लिए जमा राशि, किए गए पौधारोपण की संख्या और बचे पेड़ों की संख्या शामिल हैं।

एनजीटी के पूर्व आदेश का उल्लंघन

इस मामले में एनजीटी ने 9 जनवरी-25 को कानूनी प्रक्रिया के बिना पेड़ न काटने के निर्देश दिए थे। एनजीटी ने साफ कहा है कि क्या इस आदेश का उल्लंघन हुआ है? कितने पेड़ कटे हैं? भोपाल में 305 करोड़ रुपए से कोलार सिक्सलेन बना है। करीब 14.2 किमी लंबा सिक्सलेन है।

हिंदू उत्सव समिति के अध्यक्ष के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने की मांग

पुलिस कमिश्नर से मिलने न दिये जाने पर हुई गहमा-गहमी

भोपाल। बीते दिनो पुराने शहर के बैरसिया रोड पर गौतम नगर इलाके में मुस्लिम समुदाय के युवको द्वारा प्रतिमा पर पत्थर बरसाने की शिकायत की पुलिस से की गई थी। उस समय कई संगठनो के मौके पर जमा होने से यहॉ काफी तनाव फैल गया था। मौके पर पहुंचें हिंदू उत्सव समिति के अध्यक्ष चंद्रशेखर तिवारी ने घटना को लेकर बेहद आपत्तिजन बातें कही थी। हालांकि की पुलिस जॉच में शिकायत गलत पाई गई, और पता चला की आपसी रंजिश के चलते मुस्लिम युवको पर आरोप लगाये थे। उस समय हिंदू उत्सव समिति के अध्यक्ष चंद्रशेखर तिवारी के दिये गये बयानों से नाराज वकील और शहर के अन्य लोग तिवारी के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने की मांग को लेकर पुलिस कमिश्नर से मिलने पहुंचे। यहां उन्हें कमिश्नर से मिलने नहीं दिया गया, जिसे लेकर काफी बहसबाजी हुई।

बाद में कार्यालय के वरिष्ठ अधिकारियों ने ज्ञापन ले लिया। शिकायती आवेदन देने के लिये शहर के सीनीयर एडवोकेट सैयद साजिद अली ने आम लोगों से अपील की कि वह इकट्?ठे हों और भोपाल की गंगा-जमुनी तहजीब की हिफाजत के लिए पुलिस कमिश्नर कार्यालय पहुंचे। इसके बाद बड़ी संख्या में वकील और आमजन पुलिस कमिश्नर कार्यालय पहुंच गए। इसे देखते हुए पुलिस कमिश्नर कार्यालय में भारी पुलिस बल तैनात किया गया था। एडवोकेट साजिद अली ने कहा कि भोपाल हमेशा से अमन का टापू रहा है। उन्होंने में सैकड़ों बार हिंदू उत्सव समिति के कार्यक्रमों में शरीक हुआ हूं। रंग पंचमी हो, होली, दिवाली या दशहरा, हर जगह मिलजुलकर स्वागत किया है। कभी ऐसा नहीं हुआ कि किसी ने किसी पर पत्थर फेंका हो। लेकिन आज चंद्रशेखर तिवारी जैसे लोग गंदगी और नफरत फैलाने की कोशिश कर रहे हैं। ऐसे तत्वों पर सरकार और प्रशासन को सख्त कार्रवाई करनी चाहिए। सीनीयर एडवोकेट पुरुषोत्तम गुप्ता ने कहा कि, एफआईआर तो बहुत पहले दर्ज हो जानी चाहिए थी। शहर की आबोहवा हम वर्षों से संभाले हुए हैं। लेकिन अब इस आबोहवा को बनाए रखने के लिए सबको मिलकर खड़ा होना पड़ेगा। गणेश मूर्ति तोड़ने की घटना की जांच पुलिस ने सही तरीके से कर ली है और असल दोषियों का पता लगा लिया है, लेकिन उन्हें 'जिहादी' कहकर या दंगा भड़काने की बातें करना बिल्कुल गलत है। हिंदू और मुसलमानों को मिलजुलकर रहना ही पड़ेगा, यही हमारी विरासत है। वकीलों ने आरोप लगाया कि चंद्रशेखर तिवारी के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने में पुलिस और सरकार उदासीन रवैया अपना रही है।

मप्र कर्मचारियों की दिवाली होगी डबल

बढ़ेगा डीए, मोहन यादव सरकार देगी बोनस

भोपाल। मप्र के कर्मचारियों को मोहन सरकार दीपावली के पहले बड़ा तोहफा देने की तैयारी कर रही है। राज्य सरकार प्रदेश के साढ़े 7 लाख कर्मचारियों को दीपावली के पहले 3 फीसदी महंगाई भत्ता यानि डीए दे सकती है। प्रदेश के कर्मचारियों को अभी केन्द्रीय कर्मचारियों के समान 55 फीसदी महंगाई भत्ता मिल रहा है। माना जा रहा है कि केन्द्र सरकार अगले माह केन्द्रीय कर्मचारियों को महंगाई भत्ता और दीवाली बोनस का ऐलान कर सकती है। इसके बाद मोहन यादव सरकार भी डीए में बढ़ोत्तरी का ऐलान कर सकती है।

मप्र के कर्मचारियों का डीए केन्द्रीय कर्मचारियों के समान 55 फीसदी हो गया है। माना जा रहा है कि केन्द्र सरकार अगले माह यानि अक्टूबर में कर्मचारियों को डीए दिए जाने का ऐलान कर सकती है। केन्द्र सरकार कर्मचारियों का डीए 3 फीसदी बढ़ा सकती है। इसके बाद केन्द्रीय कर्मचारियों का डीए बढकर 58 फीसदी पहुंच जाएगा। तृतीय वर्ग कर्मचारी संघ के महामंत्री उमाशंकर तिवारी कहते हैं कि आमतौर पर प्रदेश सरकार केन्द्र सरकार के बाद ही डीए दिए जाने का ऐलान करती है। केन्द्र सरकार आमतौर पर जुलाई माह में अपने कर्मचारियों का डीए बढ़ाती है, इस बार केन्द्र सरकार दो माह पीछे हो गई है। माना जा रहा है कि जल्द ही मोदी कैबिनेट में इस पर फैसला लिया जा सकता है। केन्द्र सरकार के बाद मप्र में भी कर्मचारियों के डीए में बढ़ोत्तरी होने की उम्मीद है।

अक्टूबर माह में आएगी एरियर की आखिरी किस्त

मप्र सरकार ने अप्रैल 2025 में प्रदेश के कर्मचारियों के डीए में 5 फीसदी की बढ़ोत्तरी की थी। इसके बाद कर्मचारियों का डीए 55 फीसदी हो गया था। प्रदेश सरकार ने इसके साथ एरियर की किस्त का भुगतान 5 किस्तों में दिए जाने के आदेश दिए थे। एरियर की आखिर किस्त अक्टूबर माह में कर्मचारियों के खातों में आएगी। कर्मचारियों को उम्मीद है कि केन्द्र सरकार द्वारा डीए बढ़ाने के ऐलान के बाद मप्र सरकार भी डीए बढ़ा सकती है।

राजधानी में अतिथि शिक्षकों का प्रदर्शन

भोपाल। प्रदेश भर के हजारों अतिथि शिक्षकों ने मंगलवार को राजधानी भोपाल के अंबेडकर मैदान, तुलसी नगर में नियमितीकरण, अवकाश समेत अलग-अलग मांगों को लेकर प्रदर्शन किया। यह प्रदर्शन गुरु दक्षिणा कार्यक्रम के तहत किया गया, जिसका उद्देश्य सरकार का ध्यान अतिथि शिक्षकों की समस्याओं की ओर आकर्षित करना है। अतिथि शिक्षकों का कहना है कि जिस प्रकार पूर्व में गुरुजी शिक्षकों को नियमित किया गया था, उसी तर्ज पर अतिथि शिक्षकों के लिए भी एक स्पष्ट नीति बनाकर उन्हें स्थायीत्व प्रदान किया जाए। आजाद अतिथि शिक्षक संघ के अध्यक्ष पुष्कर (सिंगरौली) ने बताया कि इस कार्यक्रम के लिए पुलिस ने जो एनओसी दी है, उसमें स्पष्ट किया गया है कि आयोजक केवल निर्धारित कार्यक्रम के लिए ही स्थल का उपयोग कर सकते हैं। अतिथि शिक्षक समन्वय संघ के प्रतिनिधि सुनील सिंह परिहार ने कहा कि इस आयोजन में प्रदेश भर से अतिथि शिक्षक शामिल हुए हैं।

आजाद अतिथि शिक्षक संघ की मांग है कि अतिथि शिक्षकों का भविष्य सुरक्षित किया जाए। सीधी भर्ती, प्रमोशन या अन्य माध्यमों से किसी शिक्षक की नियुक्ति होने पर वर्षों से कार्यरत अतिथि शिक्षकों को सेवा से बाहर न किया जाए। 18 सालों से सेवा दे रहे अनेक अतिथि शिक्षकों को बिना वैकल्पिक व्यवस्था के बाहर कर दिया जाता है, जो अनुचित है। अतिथि शिक्षकों के लिए भी नियमित शिक्षकों की तरह अवकाश नीति लागू की जाए। जैसे अन्य विभागों में कर्मचारियों को 13 सीएल (कैजुअल लीव), 3 ईएल (अर्जित अवकाश) मिलती हैं, वैसे ही अधिकार अतिथि शिक्षकों को भी दिए जाएं।

सरपंच अपने अधिकारियों के लिए 3 नवंबर से सडक़ पर उतरेंगे

भोपाल। प्रदेश भर के सरपंच अपने अधिकारियों के लिए 3 नवंबर से सडक़ पर उतरेंगे यह घोषणा सोमवार को मध्यप्रदेश राज्य पंचायत परिषद संबद्ध अखिल भारतीय पंचायत परिषद दिल्ली के प्रदेश अध्यक्ष अशोक सिंह सेंगर ने की। राजधानी भोपाल में आयोजित पत्रकार वार्ता में उन्होंने बताया कि उनके इस आंदोलन को सरपंचों के साथ त्रिस्तरीय पंचायतों का समर्थन प्राप्त है। जिनमें जिला पंचायत सदस्य संघ, जनपद पंचायत अध्यक्ष संघ, जनपद सदस्य संघ प्रदेश पंच शामिल है।

श्री सेंगर ने बताया कि प्रदेश के त्रिस्तरीय पंचायतों के जनप्रतिधियों में सरकार के प्रति रोष व्याप्त है। यह बात उनके प्रदेश भर में भ्रमण के दौरान विभिन्न संभागों जिलों और जनपद स्तर पर आयोजित सम्मेलन और संवाद में सामने आई। श्री सेंगर ने आरोप लगाया कि मध्यप्रदेश में पंचायती राज के हक और अधिकार पर चोट किया जा रहा। जिसका समाधान किसी स्तर में जानबूझ कर नहीं किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि मध्यप्रदेश राज्य पंचायत परिषद की भोपाल में आयोजित प्रदेश स्तरीय विशेष समिति की बैठक में लिया गया। उन्होंने बताया कि आगामी 3 नवम्बर को त्रिस्तरीय पंचायतों के भोपाल में प्रस्तावित प्रदेश स्तरीय आंदोलन के लिए प्रदेश में जिलावार संपर्क कर बैठकें की जा रही हैं। श्री सेंगर ने बताया कि आयोजन को सफल बनाने मध्यप्रदेश राज्य पंचायत परिषद संबद्ध अखिल भारतीय पंचायत परिषद दिल्ली के बैनर तले आवाहन किया जा रहा है,जिसको भरपूर समर्थन मिल है। जिसकी सफलता को देखते हुए सरपंचों का नुकसान करने वाले राजनीतिक पार्टियों से समर्थित संगठन लोगों के द्वारा तारीख परिवर्तित कर भ्रामक जानकारी लोगो के बीच पहुंचा रहे हैं।

ओबीसी आरक्षण के लिए राज्य सरकार ने बनाया प्रभारी अधिकारी

जीएडी उपसचिव अजय कटेसरिया को सौंपा जिम्मा,कोर्ट में जवाब देने में महाधिवक्ता की करेंगे मदद

भोपाल। राज्य शासन ने ओबीसी को 27 प्रतिशत आरक्षण देने को लेकर सुप्रीम कोर्ट में लगाई गई सभी याचिकाओं के मामले में प्रभारी अधिकारी नियुक्त किया है। सामान्य प्रशासन विभाग (जीएडी) में उपसचिव अजय कटेसरिया को यह जिम्मेदारी सौंपी गई है। उन्हें आरक्षण संबंधी जवाब देने और महाधिवक्ता को सहायता की जिम्मेदारी सौंपी गई है।

यह निर्णय राज्य सरकार ने ओबीसी आरक्षण को लेकर सुप्रीम कोर्ट में याचिका लगाने वालों और अधिवक्ताओं, महाधिवक्ता और मुख्यमंत्री के साथ शनिवार को हुई बैठक के चलते लिया है। जीएडी ने अपने आदेश में कहा है कि प्रभारी अधिकारी कटेसरिया याचिका में उठाए गए बिंदुओं के साथ महाधिवक्ता को ऐसी भी जानकारी उपलब्ध कराएंगे, जिसकी उन्हें कोर्ट में जरूरत हो। इसके लिए विधि विभाग से परामर्श भी किया जाएगा। इससे संबंधित फाइलें, दस्तावेज, नियम, अधिसूचनाएं और आदेश की जानकारी साथ रखना होगा।

रिपोर्ट तैयार कराने की जिम्मेदारी भी दी

शासकीय अधिवक्ता की सहायता से कोर्ट में दिए जाने वाले उत्तर की डिटेल तैयार कराने और कोर्ट द्वारा मांगी गई सूचना के आधार पर रिपोर्ट प्रस्तुत करने की जिम्मेदारी भी प्रभारी अधिकारी की होगी। कटेसरिया को यह भी जिम्मेदारी सौंपी गई है कि अगर कोई आदेश या फैसला राज्य सरकार के विरुद्ध पारित किया जाता हो तो विधि विभाग को वे इसकी जानकारी देंगे और आदेश की कॉपी शीघ्र लेकर उपलब्ध कराएंगे। इसमें यह भी कहा गया है कि अगर इस दौरान उनका तबादला होता है तो वे इसकी जानकारी सरकार को अर्द्ध सरकारी पत्र के माध्यम से देंगे और जब तक कोई नया प्रभारी अधिकारी नहीं बनता है तब तक इसकी जिम्मेदारी संभालते रहेंगे। गौरतलब है कि 23 सितंबर से सुप्रीम कोर्ट में ओबीसी आरक्षण को लेकर रोज सुनवाई होने वाली है। इसको लेकर सरकार गंभीर है और चाहती है कि सुप्रीम कोर्ट में ओबीसी आरक्षण की मांग करने वाले और बाकी याचिकाकर्ता अलग-थलग बातें रखने के बजाय सरकार का साथ दें, क्योंकि सरकार भी इसके पक्ष में है। इसको लेकर सीएम निवास में सर्वदलीय बैठक के बाद दिल्ली में भी अधिवक्ताओं की मीटिंग हो चुकी है। साथ ही शनिवार को भोपाल में महाधिवक्ता प्रशांत सिंह और मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव के साथ अलग-अलग मीटिंग भी कराई जा चुकी है।

'मुझे दिख रही, आपको नहीं? अगली बार गंदगी मिली तो कार्रवाई होगी...' इंदौर निगमायुक्त ने दी चेतावनी

इंदौर। निगमायुक्त दिलीप कुमार यादव ने मंगलवार को शहर की सफाई व्यवस्था, बिजासन मंदिर, वर्कशॉप का निरीक्षण किया। वे सुबह मधुमिलन चौराहा, जवाहर मार्ग, राजमोहल्ला चौराहा, बड़ा गणपति चौराहा, गंगवाल बस स्टैंड क्षेत्र, 60 फीट रोड, जोन 16, पल्लर नगर क्षेत्र, एयरपोर्ट रोड, बिजासन मंदिर परिसर, वर्कशाप आदि पहुंचे। गंगवाल बस स्टैंड क्षेत्र की सफाई व्यवस्था संतोषजनक नहीं पाए जाने पर निगमायुक्त ने नाराजगी जताई।

सत्यमेव जयते

लक्ष्य हमारा जनकल्याण जन-जन का उत्थान

नरेन्द्र मोदी

सेवा ही संकल्प,
राष्ट्र प्रथम ही प्रेरणा...
75 वर्ष

डॉ. मोहन यादव, मुख्यमंत्री

नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री

शुभारंभ
स्वस्थ नारी सशक्त परिवार अभियान

लोकार्पण
सुमन सखी चैटबॉट

शिलान्यास
पीएम मित्र पार्क, धार

तथा

8वें राष्ट्रीय पोषण माह का शुभारंभ

प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना के 10 लाख हितग्राहियों को किस्त का अंतरण

आदि कर्मयोगी अभियान अंतर्गत 'आदि सेवा पर्व' का शुभारंभ

'एक बगिया माँ के नाम' अभियान अंतर्गत पौध वितरण

एक करोड़वें सिकल सेल स्क्रीनिंग काउंसलिंग कार्ड का वितरण

प्रधानमंत्री

नरेन्द्र मोदी

के कर कमलों द्वारा

गरिमामयी उपस्थिति

मंगुभाई पटेल
राज्यपाल, मध्यप्रदेश

डॉ. मोहन यादव
मुख्यमंत्री, मध्यप्रदेश

17 सितम्बर 2025 | पूर्वाह्न 11:00 बजे | पीएम मित्र पार्क, जिला धार

सीधा प्रसारण http://pmindiawebcast.nic.in DD News @Cmmadhyapradesh @jansampark.madhyapradesh @Cmmadhyapradesh @jansamparkMP JansamparkMP

मध्यप्रदेश जनसम्पर्क द्वारा जारी

आकल्पन : म.प्र. माध्यम/2025

सत्यमेव जयते

स्वस्थ नारी सशक्त परिवार अभियान

नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री

स्वास्थ्य परिदृश्य में बदलाव की पहल

महिलाओं के लिए चिकित्सा जांच और स्वास्थ्य योजनाओं तक आसान पहुंच

- ईएनटी, नेत्र, रक्तचाप, मधुमेह और दंत जांच
- कैंसर-मुख/स्तन/ग्रीवा
- गर्भवती महिलाओं के लिए प्रसव पूर्व जांच
- टीकाकरण सेवाएं/एनीमिया का स्तर
- मातृ एवं शिशु सुरक्षा (एमसीपी) कार्ड
- प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना नामांकन
- आयुष्मान वय वंदना कार्ड
- सिकल सेल कार्ड
- आभा आई.डी. कार्ड पंजीयन
- सेवाओं के लिए आयुष्मान आरोग्य मंदिर, सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र या आंगनवाड़ी केन्द्र से सम्पर्क करें

सुमन सखी चैटबॉट

- महिलाओं को गर्भावस्था के दौरान देखभाल, उच्च जोखिम कारकों की जानकारी
- स्वास्थ्य योजनाओं और सेवाओं की जानकारी
- 24x7 हिंदी भाषा में उपलब्ध, ग्रामीण एवं शहरी महिलाओं को लाभ

8 वां राष्ट्रीय पोषण माह

- चीनी और खाद्य तेल के सीमित सेवन पर जोर
- प्रारंभिक बचपन की देखभाल एवं शिक्षा (पोषण भी पढ़ाई भी)
- पोषण एवं बच्चों की देखभाल में पुरुषों की भागीदारी
- स्थानीय पौष्टिक खाद्य संसाधनों को बढ़ावा

प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना

- गर्भवती एवं धात्री माताओं को मिलने वाली आर्थिक मदद से उनके स्वास्थ्य और पोषण का ध्यान रखने में सहायता
- महिलाओं को जागरूक कर संस्थागत प्रसव को बढ़ावा
- 18 जुलाई 2025 तक 49 लाख से अधिक महिलाओं को ₹2076 करोड़ की सहायता

सिकल सेल मिशन

- अब तक 1.17 करोड़ से अधिक जांच पूर्ण
- चिह्नित रोगियों को मिल रही जेनेटिक काउंसलिंग, औषधियां एवं उपचार की निःशुल्क सुविधा
- अब तक 99 लाख से अधिक हितग्राहियों को जेनेटिक काउंसलिंग कार्ड वितरित
- सिकल सेल की रोकथाम हेतु प्रीनेटल जांच सुविधा का लाभ

आदि सेवा पर्व

- जनजातीय समाज को शासकीय योजनाओं से सीधे जोड़ने के इस अभियान से योजनाओं का लाभ सुनिश्चित
- प्रदेश भर के 3 लाख से अधिक जनजातीय समुदाय के प्रतिनिधियों द्वारा जागरूकता का प्रसार
- ग्राम स्तर पर सीधे संवाद, आदि सेवा केन्द्रों की स्थापना और शिकायत निवारण की व्यवस्था

एक बगिया माँ के नाम अभियान

- 'एक बगिया माँ के नाम' परियोजना से स्व-सहायता समूह की महिलाओं का आर्थिक सशक्तिकरण
- एक बगिया माँ के नाम ऐप से चयनित 31 हजार से अधिक महिलाओं को परियोजना का लाभ
- 3 वर्ष के भीतर फलोद्यान विकास के लिए मिलेगा ₹3 लाख का अनुदान

पीएम मित्र पार्क, धार

देश का सबसे बड़ा, सबसे पहला ग्रीनफील्ड टेक्सटाइल पार्क

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का 5F विज़न

फार्म – किसान कपास को सीधे कंपनियों को बेचकर बेहतर मूल्य प्राप्त कर सकेंगे

फाइबर – पार्क में कपास की जिनिंग सुविधा भी उपलब्ध होगी, इससे कपास की गुणवत्ता में वृद्धि होने से धागा बनाने की प्रक्रिया अधिक कुशल होगी

फैक्ट्री – स्पिनिंग से लेकर निटिंग, डाइंग और प्रिंटिंग तक सभी सुविधाएं एकीकृत प्रक्रिया के तहत उपलब्ध होंगी

फैशन – गारमेंटिंग, डिजाइनिंग एवं फैशन इंडस्ट्री से जुड़े कौशल के कार्यों में महिलाओं के लिए अवसर बनेंगे

फॉरेन – यहां से तैयार कपड़ों के निर्यात से देश में विदेशी मुद्रा में वृद्धि होगी, आर्थिक विकास दर बढ़ेगी

पार्क क्षेत्र 2158 एकड़	पार्क लागत ₹2063 करोड़	नये रोज़गार लगभग 3 लाख
महिलाओं की भागीदारी लगभग 60%	निवेश ₹20,000 करोड़	3.5 लाख से अधिक कपास किसानों को लाभ

टेक्सटाइल के क्षेत्र में लब्ध-प्रतिष्ठित 91 कंपनियों को निवेश प्रस्ताव के अनुरूप भूमि आवंटित

D11103/25

मध्यप्रदेश जनसम्पर्क द्वारा जारी

आकल्पन : म.प्र. माध्यम/2025

शहर में एक महिला को गोली लगने का मामला आया सामने

जांच में जुटी पुलिस ,कोतवाली थाना प्रभारी ने कहा अलग-अलग एंगल को लेकर पुलिस कर रही जांच

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। शहर के एक प्रतिष्ठित परिवार की महिला को गोली लगने का मामला सामने आया है। जिसमें कोतवाली थाना प्रभारी विजय राजपूत द्वारा बताया गया कि उन्हें बीती रात अस्पताल चौकी से सूचना मिली कि एक महिला को गोली लगने से घायल अवस्था में उपचार के लिए लाया गया है, जिसकी जानकारी डाक्टरों द्वारा पुलिस को दी गयी । जिस पर नगर अधीक्षक वैशाली सिंह के साथ वह अस्पताल पहुंचकर जांच शुरू की है । महिला को जिला चिकित्सालय के डॉक्टरों द्वारा रात्रि में ही गोंदिया रेफर कर दिया गया है। जहां पर महिला का उपचार जारी है । महिला के स्वस्थ होने पर पूछताछ की जाएगी, साथ ही कोतवाली पुलिस ने अलग-अलग बिंदुओं के आधार पर अपनी जांच शुरू कर दी है , आखिर महिला को गोली कैसे लगी और यह पूरी घटना किस प्रकार घटित हुई है।

महिला के गोली लगने के विषय को लेकर कोतवाली थाना प्रभारी विजय राजपूत द्वारा बताया गया कि बीती रात उन्हें जिला चिकित्सालय के डॉक्टरों ने इसकी सूचना अस्पताल पुलिस चौकी को दी थी , जहां से पुलिसकर्मियों ने इसकी जानकारी उन्हें दी ,घटना की जानकारी लगते ही वह, सीएसपी वैशाली कराहलिया और एफएसएल टीम के साथ घटनास्थल का निरीक्षण किया । घटनास्थल से पुलिस ने गोली का खाली खोका, रक्त से सने कपड़े और अन्य साक्ष्य एकत्रित किए है। फिलहाल पीड़िता चांदनी पति स्व. अनीश त्रिवेदी 36 वर्ष काली पुतली चौक के आगे पेट्रोल पंप के बाजू में निवासरत के बयान के बाद ही यह साफ हो पाएगा कि गोली गलती से चली है या फिर उसे मारने की मंशा से चलाई गई थी। फिलहाल, इस मामले में अब तक पीड़ित पक्ष की ओर से कोई भी कुछ नहीं बोल रहा है। जबकि घटना के दौरान ना केवल चांदनी त्रिवेदी, बल्कि उसके माता-पिता, बच्चे और मुंहबोला भाई पियूष पाठक भी परिवार के साथ था। चूंकि परिवार के उद्योगपति परिवार से होने से मामला हाईप्रोफाईल हो गया हैं । इस मामले में पीड़िता पक्ष की ओर से कोई बात नहीं कर रहा है। चांदनी का इलाज अभी गोंदिया के एक निजी अस्पताल में चल रहा हैं , चांदनी के बयान के लिए थाने से कर्मचारी भेजा गया है। जिनके बयान के आधार पर ही आगे की कार्यवाही की जाएगी। जांच के बाद ही गन और घटना की वास्तविकता का पता चल पाएगा।

छोटे देशी गन से हुआ हैं फायर

पुलिस अनुसार गन के खोके से पता चलता है कि 7.62 एफ मॉडल और 9 एमएम से छोटे देशी गन से फायर हुआ है। फिलहाल पुलिस अभी गन को लेकर कोई भी स्पष्ट जानकारी नहीं दे रही है। बहरहाल महिला की हालत में सुधार है, देररात्रि हुए इस हादसे के बाद महिला को पहले जिला अस्पताल लाया गया। जहां से उनकी क्रिटिकल हालत को देखते हुए उन्हें गोंदिया के अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जहां अभी उनकी हालत में सुधार बताया जा रहा हैं।

पति द्वारा बेरहमी से की गई मारपीट में घायल महिला की मौत

दो बच्चे और पति को छोड़कर सीमा ने की थी अनिल से शादी, मारपीट कर फरार अनिल तिवारी अभिरक्षा

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। घरेलू विवाद के चलते एक व्यक्ति ने अपनी पत्नी को बेरहमी पूर्वक मारपीट कर घायल कर दिया जिसकी जिला अस्पताल लाते समय रास्ते में मौत हो गई। 15 सितम्बर की रात हत्या की यह वारदात जिले के रूपझर थाना क्षेत्र में आने वाले ग्राम उकवा के प्रेम नगर मे हुई। रूपझर पुलिस ने मृतिका सीमा पति छोटू उर्फ अनिल तिवारी 35 वर्ष का शव जिला अस्पताल बालाघाट में पोस्टमार्टम करवा कर उसके परिजनों को सोप दिये है। जानकारी के मुताबिक रूपझर पुलिस ने इस वारदात को अंजाम देने के बाद फरार इस महिला के पति छोटू उर्फ अनिल पिता बृजलाल तिवारी 30 वर्ष को अभिरक्षा ले लिया है।

दो बच्चे और पति को छोड़कर सीमा ने अनिल से की थी शादी

प्राप्त जानकारी के अनुसार सीमा आदिवासी समाज से तालुका रखती है। जिसका मायका ग्राम राजपुर थाना मलाजखंड का है। जिसकी शादी 10 साल पहले ग्राम करहु निवासी गोरेलाल मरकाम से हुई थी। जिसके दो बच्चे हैं। शादी के 6,7 साल बाद सीमा का सम्पर्क ग्राम उकवा के प्रेमनगर निवासी छोटू उर्फ अनिल तिवारी से हुआ था और दोनों के बीच प्रेम संबंध के साथ शारीरिक संबंध ही बने और सीमा ने अनिल तिवारी को गर्भवती होना भी बताया थी। अनिल तिवारी उकवा माइन मैं ठेकेदारी में काम करता है। 3 साल पहले ही अनिल तिवारी ने सीमा को भागकर लाया और उससे शादी कर ली थी। जबकि इसके पूर्व अनिल तिवारी ने बैहर की एक लड़की से शादी की थी। जिनका एक लड़का भी था किंतु लड़के की मौत होने के बाद पारिवारिक विवाद के चलते अनिल तिवारी की पत्नी उसे छोड़कर बैहर चली गई। इसके बाद अनिल तिवारी ने सीमा से शादी की थी। अनिल तिवारी के परिवार में उसके माता-पिता एक बड़ा भाई है अनिल तिवारी अपनी पत्नी सीमा के साथ अलग कमरे में रहता था। उसके माता-पिता भाई एक ही मकान में अलग कमरे में रहते हैं। पिता बृजलाल तिवारी उकवा माइंस में ठेकेदारी में काम करता है।

दो बच्चों के बाद सीमा का हो चुका था ऑपरेशन

अनिल तिवारी ने सीमा को जब शादी करके घर लाया था तब उसने गर्भवती होना बताई थी किंतु एक साल तक सीमा को प्रसव नहीं हुआ। पूछने पर वह पति अनिल तिवारी को अबॉर्शन होना बातकर वह टाल देती रहती थी। यह सब एक साल तक चलता रहा। अनिल तिवारी ने सीमा की जांच करवाई तब उसे पता चला कि सीमा का पहले ही ऑपरेशन हो चुका है। अब वह बच्चे की माँ नही बन सकती। इसी को लेकर पीछले 3 साल से अनिल तिवारी और सीमा के बीच विवाद चल रहा था। और सीमा अपने पति अनिल चौधरी पर अन्य महिला के साथ सम्बंध होने का शक करने लगी थी। इसी को लेकर के दोनों पति-पत्नी के बीच विवाद होते रहता था। अनिल तिवारी शराब पीने का आदी था और वह शराब पीकर घर आने पर सीमा के साथ विवाद करते रहता।

कमरे का दरवाजा बंद कर सीमा से कर रहा था मारपीट

15 सितंबर की रात्रि में अनिल तिवारी अपनी पत्नी सीमा के साथ अपने घर के कमरे के अंदर था और उसके परिवार के अन्य लोग अन्य कमरे में ही थे तभी अनिल तिवारी और उसकी पत्नी सीमा के बीच विवाद हो गया और अनिल तिवारी अपने कमरे का दरवाजा अंदर से बंद कर सीमा को मारपीट कर रहा था सीमा के चिल्लाने की आवाज सुनकर उसका ससुर बृजलाल तिवारी उठा किंतु वह उनके कमरे की तरफ ना जाते हुए पड़ोस में गया और पड़ोसियों को डायल 100 को सूचना देने कहा ।पड़ोसियों ने डायल 100 को सूचना दिए डायल 100 जैसे ही पहुंची वैसे ही अनिल तिवारी दरवाजा खोलकर भाग खड़ा हुआ। इसके बाद डायल 100 के कर्मचारी और बृजलाल तिवारी कमरे के अंदर पहुंचे देखें सीमा बेहोशी की हालत में आंधे पड़ी हुई थी। जिसे तुरंत थी डायल 100 से जिला अस्पताल बालाघाट लाये किंतु चिकित्सक ने उसे मृत घोषित कर दिए। सीमा की जिला अस्पताल लाते समय रास्ते में ही मौत हो चुकी थी। संभवतः अनिल तिवारी ने अपनी पत्नी सीमा को लोहे की राड से बेरहमी पूर्वक मारपीट किया था जिससे उसे आंतरिक चोटे आई थी। इस घटना की सूचना मिलते ही सीमा के मायके पक्ष के लोग भी जिला अस्पताल पहुंच चुके थे।

जिला अस्पताल पहुंची रूपझर पुलिस

रूपझर पुलिस को इस घटना की सूचना रात में ही मिल चुकी थी। 16 सितंबर को सुबह रूपझर थाना प्रभारी दीपक त्रिपाठी अपने स्टाफ के साथ जिला अस्पताल बालाघाट पहुंचे और अनिल तिवारी के पिता बृजलाल तिवारी का बयान लिए इसके बाद शव पंचनामा कार्यवाही करने के बाद मृतिका सीमा का शव पोस्टमार्टम करवा कर उसके परिजनों को सौंप दिए। जानकारी के मुताबिक सीमा को मारपीट करने के बाद फरार अनिल तिवारी को रूपझर पुलिस ने रात्रि में ही अभिरक्षा में ले लिये थे।

हिंदुस्तान कॉपर लिमिटेड में सुरक्षा गार्ड की नौकरी लगाने के नाम पर लाखो रुपये की धोखाधड़ी करने का मामला

शुभम ब्रम्हे और गिरनीकर ठाकरे गिरफ्तार

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। हिंदुस्तान कॉपर लिमिटेड मलाजखंड में सुरक्षा गार्ड की नौकरी लगाने का झांसा देकर लाखों रुपए की धोखाधड़ी करने के मामले में मलाजखंड पुलिस ने शुभम ब्रम्हे ग्राम पौनी और गिरनीकर ठाकरे ग्राम बंजारीटोला दोनो थाना मलाजखंड निवासी को गिरफ्तार कर लिये। शुभम ब्रम्हे के द्वारा अपने को मजदूर संघ का महासचिव बताते हुए इस धोखाधड़ी को अंजाम दिया गया था। शुभम ब्रम्हे के विरुद्ध पहली रिपोर्ट सम्मेलन पिता धनीराम मेरावी 38 साल ग्राम नेवरगांव थाना बिरसा निवासी के द्वारा की गई थी। इस व्यक्ति ने शुभम ब्रम्हे के विरुद्ध हिंदुस्तान कॉपर लिमिटेड मलाजखंड में सुरक्षा गार्ड की नौकरी लगाने के एवरेज में 2 लाख रुपए लेने के अलावा शुभम ब्रम्हे के विरुद्ध जातिगत रूप से अपमानित करने का भी आरोप लगाए गए थे। इस मामले में धारा 318(4),296 भारतीय न्याय संहिता के अलावा अनुसूचित जाति जनजाति अत्याचार निवारण के तहत अपराध दर्ज किया गया था। इसी प्रकार नवीन पांचे 32 वर्ष ग्राम सिकंदरा कॉलेज टोला वारासिवनी एवं शैलेश पांचे काटी बिरसोला निवासी ने शुभम ब्रम्हे और गिरनीकर ठाकरे के विरुद्ध हिंदुस्तान कॉपर लिमिटेड में सुरक्षा गार्ड की नौकरी लगाने के नाम पर 4 लाख 80 हजार रुपये की धोखाधड़ी करने का आरोप लगाये। इस मामले में नवीन पांचे द्वारा मलाजखंड थाने में की गई शिकायत पर शुभम ब्रम्हे और गिरनिकर ठाकरे की विरुद्ध धारा 318(2)296 भारतीय न्याय संहिता के तहत अपराध दर्ज किया गया था। और एक अन्य मामले में कुलदीप मराठे उसके भाई प्रदीप मराठे तथा शिवकुमार खैरवार ग्राम बंजारी टोला निवासी ने भी हिंदुस्तान कॉपर लिमिटेड में सुरक्षा गार्ड की नौकरी लगाने के नाम पर 4 लाख 70 हजार रुपये की धोखाधड़ी करने का आरोप शुभम ब्रम्हे और गिरनीकर ठाकरे के विरोध लगाए थे । इस मामले में कुलदीप मराठे द्वारा की गई रिपोर्ट पर शुभम ब्रम्हे और गिरनीकर ठाकरे के विरुद्ध धारा 318(4),3(5) भारतीय न्याय संहिता के तहत अपराध दर्ज किया गया था। इसके अलावा शुभम ब्रम्हे ने अन्य लोगों से हिंदुस्तान कॉपर लिमिटेड मलाजखंड में सिक्योरिटी गार्ड की नौकरी लगने के नाम पर लाखों रुपए की धोखाधड़ी की। उक्त तीन मामले में शुभम ब्रम्हे और गिरनीकर ठाकरे को मलाजखंड

आवश्यकता है
डाटा एण्ट्री ऑपरेटर
की आवश्यकता है
संपर्क करें-पद्मेश सिटी केबल
काली पुतली चौक, बालाघाट

बैहर एसडीएम ने बिरसा तहसील के पटवारी पर की निलंबन की कार्यवाही

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। बैहर एसडीएम अर्पित गुप्ता ने अपने कर्तव्यों के प्रति लापरवाही बरतने के कारण बिरसा तहसील के पटवारी हल्का नं. 64/57 के पटवारी श्री रिघवेन्द्र सातपुते को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। निलंबन अवधि में उनका मुख्यालय कार्यालय अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) बैहर नियत किया गया है एवं रिक्त हल्के का प्रभार आगामी आदेश तक के लिए पटवारी गोकुल परमार को सौपा गया है। पटवारी रिघवेंद्र सातपुते द्वारा वनाधिकार के दावों के निराकरण एवं फसल गिरदावरी जैसे महत्वपूर्ण कार्यों में निष्क्रियता एवं लापरवाही बरती गई। 17 जुलाई को सोनगुड्डा में आयोजित जनसमस्या निवारण शिविर में ग्रामीणों द्वारा पटवारी के विरूद्ध शिकायत की गई थी जिस पर पटवारी श्री सातपुते को कारण बताओ नोटिस जारी कर स्पष्टीकरण प्रस्तुत करने कहा गया था। इसके जवाब में पटवारी द्वारा भविष्य में इस प्रकार की लापरवाही नही बरतने की बात कही गई थी, लेकिन 11 सितम्बर को बिरसा में आयोजित समीक्षा बैठक में वह बिना किसी सूचना एवं अनुमति के अनुपस्थित पाये गए थे। जिस पर 12 सितम्बर को उन्हें पुनः कारण बताओ नोटिस जारी किया गया था, लेकिन समय सीमा में उनके द्वारा इस नोटिस का कोई जवाब नही दिया गया। शासकीय कार्यों में गंभीर लापरवाही बरतने एवं अनुशासनहीनता के कारण पटवारी रिघवेंद्र सातपुते के विरूद्ध निलंबन की कार्यवाही की गई है।

पैसा ठीक होने के बाद देना
शादी से पहले एवं शादी के बाद
उम्र की अधिकता से कमजोर सेक्स, शीघ्रपतन, स्वप्नदोष, लिंग का छोटापन, टेडापन, निःसंतान, शुक्राणुओं की कमी, शुगर से आयी कमजोरी आदि सभी सेक्स समस्याओं का शर्तिया ईलाज किया जाता है।
पता-जगजीवन आयुर्वेदिक दवाखाना
गुरूनानक पेट्रोल पंप के सामने समाजवाड़ी रोड, बालाघाट, मो. 9243880464

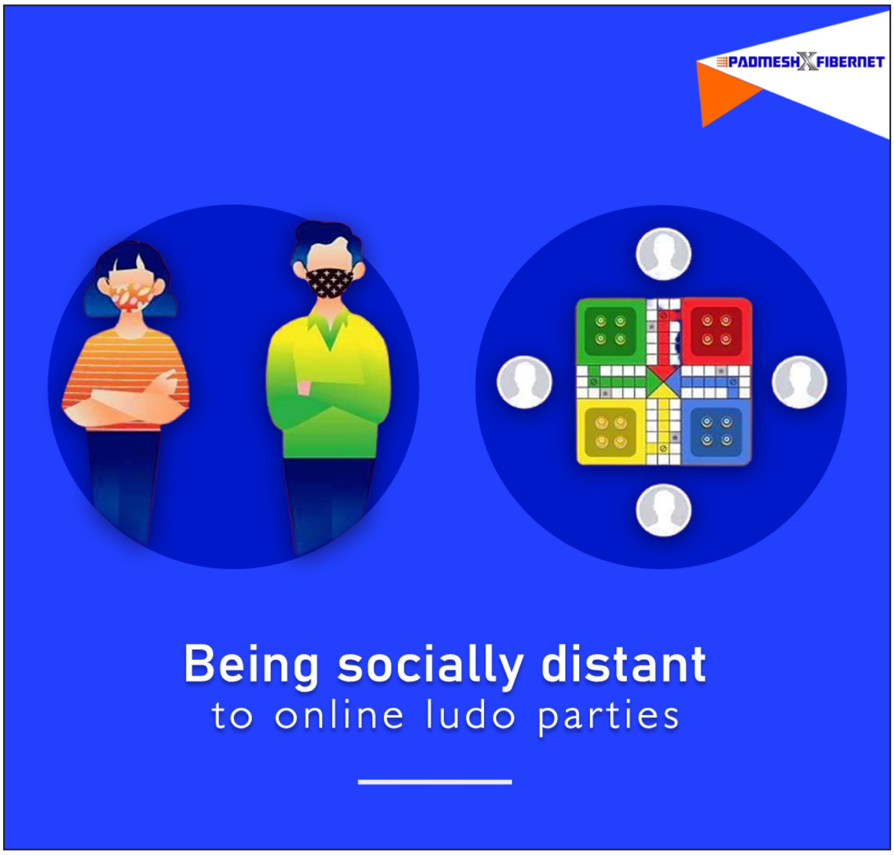

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक उमेश बागरेचा द्वारा पद्मेश पब्लिकेशन, वार्ड नं.9, गुजरी चौक, बालाघाट (म.प्र.) से मुद्रित कराकर काली पुतली चौक, बालाघाट से प्रकाशित, संपादक- उमेश बागरेचा, मो.नं. - ९४२५१३८७१० रजि. नं. एम.पी. एच. आई. एन. /२००९/३२३११, न्यायालयीन क्षेत्राधिकार बालाघाट